नई दिल्ली
मंगलवार 24 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 339
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00
मौसम
अधि. 32
न्यून. 21

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

ई-कॉमर्स साइट पर होगा उपलब्ध

जल्द लॉन्च होगा भारत का पहला 'सेल्फी मिरर' फोन

नई दिल्ली। रियलमी के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर कंफर्म कर दिया है कि उसका नया स्मार्टफोन रियलमी 16 5जी जल्द ही भारत में दस्तक देने वाला है। सोमवार को जारी किए गए ▸▸ शेष पेज 5 पर

लोकसभा में सोमवार को पश्चिम-एशिया संघर्ष के मामले पर दिए अपने बयान में बोले पीएम नरेंद्र मोदी

लंबे वक्त तक बने रहेंगे युद्ध के प्रभाव, कोरोना की तर्ज पर तैयार रहने की आवश्यकताः प्रधानमंत्री

- ▸▸ युद्ध के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार छोटी, मध्यम और दीर्घकालिक रणनीति पर कर रही है काम
- ▸▸ भारत समेत पूरी दुनिया संकट से प्रभावित, बातचीत-कूटनीति से जल्द निकाला जाए समाधान
- ▸▸ देश में मौजूद है पेट्रोल-डीजल और गैस से लेकर खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार।
- ▸▸ खाड़ी व आसपास के जलमार्गों पर पैनी नजर, मंशा केवल भारत तक जहाजों की सुरक्षित आवक है
- ▸▸ संकट के समय में खाड़ी में रह रहे 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है
- ▸▸ झूठ फैलाने वालों से रहें सावधान, त्वरित कार्रवाई संग राज्य रोकें जमाखोरी और कालाबाजारी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान के मध्य जारी युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम-एशिया के हालात पर एक विस्तृत बयान दिया। जिसमें उन्होंने मौजूदा चिंताजनक परिस्थिति के बीच कई महत्वपूर्ण तथ्य देश की आम-जनता के सामने रखे। दोपहर 2 बजे से सदन में शुरू हुए अपने लगभग 24 मिनट के भाषण में पीएम ने स्पष्ट किया कि बीते 3 हफ्तों से चल रही इस लड़ाई ने भारत के लिए भी आर्थिक से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा स्तर पर अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। वहीं, इसका पूरी दुनिया पर लंबे वक्त तक प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसलिए हमें कोरोना महामारी की तरह ही इस बार भी पूरी एकजुटता से तैयार रहने की आवश्यकता है। फिलहाल लोगों के लिए घबराने वाली कोई बात नहीं है। क्योंकि केंद्र के पास कच्चे-तेल से लेकर डीजल और प्राकृतिक गैस (एलपीजी) तक का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार चुनौती से निपटने के लिए छोटी, मध्यम और दीर्घकालिक रणनीति पर कर रही है। इसके अलावा सतर्क और संवेदनशील रुख अपनाते हुए हर जरूरी कदम उठा रही है। ▸▸ शेष पेज 5 पर

बातचीत-कूटनीति के पक्ष में भारत

उन्होंने कहा, भारत शुरुआत से ही इस समस्या का संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान निकाले जाने के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा है। हम हमेशा से मानवता के हित में और शांति के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं। मैं, आज पुनः ये दोहराना चाहूंगा कि भारत के सभी प्रयास तनाव घटाने और मौजूदा संघर्ष को समाप्त कराने के लिए ही हैं। युद्ध में किसी के जीवन पर आया संकट मानवता के हित में नहीं है। जिसे देखते हुए हमारी कोशिश सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित करने की है। पीएम ने बताया कि हमारी अर्थव्यवस्था के मूलभूत तत्व मजबूत हैं। जिससे काफी मदद मिल रही है। वर्तमान में हम प्रत्येक सेक्टर के हितधारकों के साथ संवाद प्रक्रिया बनाए हुए हैं। जिसके तहत जरूरत के मुताबिक सहयोग दिया जा रहा है। केंद्र ने एक अंतर-मंत्रालयी समूह भी गठित किया है। जो रोजाना बैठकर आयात-निर्यात में आने वाली परेशानी के साथ जरूरी निदान पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताते हुए कहा कि सरकार और उद्योगों के साझा प्रयासों से हम परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाएंगे।

होर्मुज जलमार्ग बाधित करना अस्वीकार्य

प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक व्यक्तिगत रूप से क्षेत्र के कई शीर्ष नेताओं के साथ टेलीफोन पर हुई दो राउंड बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा, इस दौरान मैंने संघर्ष को खत्म करने और नागरिक, ऊर्जा, यातायात से जुड़े बुनियादी ढांचों पर हमलों का कड़ा विरोध किया है। इसके अलावा भारत को वाणिज्यिक जहाजों पर हमला और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में रुकावट अस्वीकार्य है। हमारा देश कूटनीति के जरिए युद्ध के बीच तेल, गैस, उर्वरक और अन्य जरूरी सामान लाने वाले भारतीय जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए लगातार प्रयासरत हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य इनका सुरक्षित ढंग से भारत पहुंचने से जुड़ा है। परिस्थितियां चिंताजनक हैं, इसलिए हम होर्मुज व खाड़ी के आसपास के सभी समुद्री मार्गों पर पैनी नजर बनाए हुए है। साथ ही वैश्विक सहयोगियों के साथ हमारी चर्चा जारी है। ताकि हमारे समुद्री गलियारे सुरक्षित रहें। ऐसे ही प्रयासों का परिणाम है कि बीते दिनों हमारे कई जहाज सुरक्षित देश पहुंचे हैं।

राजधानी में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में बोले रणधीर जायसवाल

ट्रंप ने किया 5 दिन तक ईरान पर हमला न करने का ऐलान, भारत की मामले पर पैनी नजर

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया सहित समूचे खाड़ी क्षेत्र में चल रहे भीषण युद्ध के बीच सोमवार का दिन कई महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक घटनाओं का गवाह बना। एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत के सकारात्मक परिणाम के रूप में मानी जा रही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'ट्रूथ' सोशल पर की गई एक पोस्ट सामने आई। जिसमें उन्होंने कहा है कि 'अगले पांच दिनों तक ईरान के किसी भी पावर प्लांट और अन्य ऊर्जा संसाधनों पर हमला नहीं किया जाएगा'। इसे एक प्रकार से जंग के बीच दिए गए ट्रंप की सीजफायर के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मामलों के जानकार इसे ईरान की ताजा धमकी का परिणाम बता रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्षेत्र के हालात के विषय पर लोकसभा में एक बयान दिया। जिसमें उन्होंने इस युद्ध के दुनिया पर पड़ रहे प्रभावों के लंबे समय तक बने रहने का जिक्र करते हुए भारत की जरूरी तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। इन सबके बीच ट्रंप के बयान को लेकर राजधानी में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से भी पत्रकारों ने सवाल पूछे। जिनका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत बेहद बारीकी के साथ इन तमाम घटनाक्रमों पर अपनी नजर बनाए हुए है। वहीं, एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि हम अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार संबंधित देशों के संपर्क में बने हुए हैं।

जयशंकर ने जीसीसी देशों के राजदूतों से की संयुक्त मुलाकात, इजरायल में सुरक्षित हैं सभी भारतीय

श्रीलंका के विदेश मंत्री से भी हुई भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात

जीसीसी देशों के राजदूतों से मिले जयशंकर

उधर, मौजूदा संकट के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने 23 मार्च को राजधानी में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के राजदूतों के साथ संयुक्त रूप से एक अहम मुलाकात की है। जिसमें मुख्य रूप से क्षेत्र में जारी युद्ध को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया गया है। बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने इलाके में रह रहे भारतीय भारतीय समुदाय को प्रदान किए जा रहे उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स 'पर एक पोस्ट के जरिए विदेश मंत्री ने यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि आज शाम मैंने जीसीसी देशों के राजदूतों से संयुक्त रूप से नई दिल्ली में एक मुलाकात की। इसके अलावा मेरी श्रीलंका के विदेश मंत्री से भी मुलाकात हुई है।

इजरायल में सुरक्षित हैं भारतीय

प्रेस वार्ता में रणधीर ने ये भी बताया कि इजरायल में भारत के सभी नागरिक सुरक्षित हैं। केवल एक व्यक्ति के घायल होने की खबर आई थी। हमारा दूतावास पूरे हालात पर नजर रखे हुए है। जिसमें सभी लोगों की देखरेख की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक इस संघर्ष में देश के कुल 6 लोग मारे गए हैं और 1 अभी भी लापता है। विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खाड़ी क्षेत्र) असीम आर महाजन ने कहा कि बीते 18 मार्च को रियाद में हुए हमले में मारे गए एक भारतीय नागरिक के शव को स्वदेश लाने के लिए हमारा दूतावास प्रयासरत है। जिसमें वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में बना हुआ है। इराक के बसरा के पास निशाना बनाए गए सेफसी विष्णु जहाज के चालक दल में शामिल सभी 15 भारतीय जल्द देश लौटेंगे। जबकि इसी हमले में मारे गए एक भारतीय के शव को जल्द वापस लाने की कवायद जारी है। रणधीर ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय सीमा पार कर आर्मेनिया, अजरबैजान पहुंचे हैं। जिनमें से अधिकांश की भारत वापसी हुई है। भारत ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और दिशानिर्देशों पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है।

---

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

षष्ठम : माता कात्यायनी

चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी।।

खबर संक्षेप

वायुसेना का विमान क्रैश 110 सैनिक सवार थे

बोगोटा। कोलंबिया में सोमवार को वायुसेना का एक सैन्य विमान उड़ान भरते समय क्रैश हो गया।

इस विमान में 110 से ज्यादा सैनिक सवार थे। हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि एयरफोर्स का हरक्यूलिस सी-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उन्होंने कहा कि अभी तक यह साफ नहीं है कि हादसे में कितने लोग घायल है।

एलपीजी के मुद्दा अभी भी चिंता का विषय, लेकिन अफवाहों से बचें लोग, सिलेंडर की घर पर की जाएगी डिलीवरी

पैनिक बुकिंग में गिरावट, केंद्र ने राज्यों के लिए किया 50% अतिरिक्त एलपीजी का आवंटनः सुजाता शर्मा

- जमाखोरी, कालाबाजारी करने वालों पर सरकार का ताबड़तोड़ एक्शन, 550 से ज्यादा एफआईआर, 150 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं
- तेल रिफाइनरियां अपने उच्चतम स्तर के साथ कर रही हैं काम। रिटेल आउटलेट पर कमी की कोई शिकायत नहीं है
- राजधानी में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बोलीं केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में जारी युद्ध के चिंताजनक हालात के बीच सोमवार को राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालय प्रेस वार्ता में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (तेल रिफाइनरी-मार्केटिंग) सुजाता शर्मा ने कहा कि भारत की सभी तेल रिफाइनरियां अपनी उच्चतम क्षमता के साथ उत्पादन कर रही हैं। रिटेल आउटलेट पर किसी प्रकार की कमी की कोई शिकायत नहीं मिली है। प्राकृतिक गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं तक 100 फीसदी की गैस सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए कमर्शियल एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर अब 50 फीसदी कर दिया है।

साढ़े तीन लाख पीएनजी कनेक्शन दिए

उन्होंने कहा कि ग्रिड से जुड़े हुए औद्योगिक और कमर्शियल उपभोक्ताओं को उनके औसत उपभोग की 80 फीसदी एलपीजी दी जा रही है। सरकार ने सीजीडी इकाइयों को कमर्शियल कनेक्शनों को प्राथमिकता के तहत पूरा करने की सलाह दी है। इस संबंध में राज्य सरकारों को पत्र भी लिखा गया है। पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए अतिरिक्त 10 फीसदी एलपीजी देने की बात भी कही है। इन सभी प्रयासों के तहत बीते 3 सप्ताह में साढ़े तीन लाख पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। एलपीजी की सप्लाई अभी भी सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। किंतु डिस्ट्रीब्यूटरों के पास कमी की कोई शिकायत नहीं है। देश में एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी है और डिलीवरी सामान्य है।

पीएनजी नेटवर्क का यूं होगा विस्तार

सुजाता ने कहा कि राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्र द्वारा अतिरिक्त 10 फीसदी कमर्शियल एलपीजी देने की बात कही गई है, अगर वो पीएनजी विस्तार नेटवर्क में सहयोग देते हैं। 21 मार्च को इस आंकड़े को बढ़ाकर केंद्र ने 20% कर दिया था। फिर व्यापार सुगमता के लिए 10% और एलपीजी दी गई। अंत में 21 तारीख को ही एक और आदेश जारी किया गया और अब कमर्शियल एलपीजी का ये स्तर 50 फीसदी तक कर दिया गया है। आदेश में केंद्र ने राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वह अपने यहां इस 50 फीसदी गैस का वितरण रेस्तरां, ढाबा, होटल, औद्योगिक कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग, डेयरी यूनिट्स, सब्सिडाइज कैंटीन और आउटलेट्स, सामुदायिक किचन के लिए करेंगे। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों को 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर भी प्रदान करेंगे।

234 डिस्ट्रीब्यूटरों को किया निलंबित

उन्होंने कहा, अभी तक 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने कमर्शियल एलपीजी का आवंटन किया है। लगभग 15 हजार 800 टन कमर्शियल एलपीजी वितरित की गई है। केरोसिन के अतिरिक्त कोटा के संबंध में 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने आवंटन आदेश जारी किया है। जमाखोरी, कालाबाजारी रोकने के लिए केंद्र लगातार राज्य सरकारों से अनुरोध कर रहा है। 32 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों ने कंट्रोल रूम बनाए हैं और जिला स्तरीय समितियां गठित की हैं। बीते कुछ दिनों में लगभग 35 हजार छापे मारे गए हैं। 550 से ज्यादा एफआईआर हुई हैं और 150 ज्यादा गिरफ्तारियां की गई हैं। इसी क्रम में हमारी तेल कंपनियों ने औचक निरीक्षण भी किए हैं और लगभग 234 डिस्ट्रीब्यूटरों को कारण बताओ नोटिस दिया है, कुछ को निलंबित भी किया है और कुछ पर जुर्माना भी लगाया गया है। देश की आम जनता से अनुरोध है कि वो किसी भी तरह की अफवाहों से बचें, पैनिक बुकिंग न करें और सिलेंडरों की घर पर डिलीवरी का इंतजार करें। साथ ही एलपीजी और ऊर्जा संरक्षण करने की कोशिश करें।

सुरक्षित हैं 22 जहाज और 600 नाविक

केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि होर्मुज की खाड़ी व उसके आसपास के क्षेत्र में भारत के अभी फिलहाल कुल 22 भारतीय जहाज और उन पर सवार 600 नाविक सुरक्षित हैं। इनके संबंध में किसी घटना की कोई सूचना नहीं है। 11 लोगों ने ड्यूटी छोड़कर वापसी की कवायद की है। इसलिए अब नाविकों की संख्या 600 हो गई है। डीजी शिपिंग हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। बीते 24 घंटे में 13 लोग वापस आए हैं। जबकि 48 घंटे में ये संख्या 34 रही। 24 घंटे चलने वाले केंद्र में कुल 60 फोन कॉल और 129 ईमेल मिले हैं। जिनका जवाब दिया गया है। देश में किसी भी बंदरगाह पर कोई भीड़ भाड़ नहीं है। मामले की समीक्षा की गई है।

साझा चुनौतियों से संतुलित और समावेशी अंदाज में निपटने के लिए काम कर रहे हैं भारत और रूस

द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना होगाः जयशंकर

यह जानकारी विदेश मंत्री ने सोमवार को आयोजित एक सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए दी है

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र से लेकर खाड़ी में जारी युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और रूस को आगामी पांच वर्षों में यानी 2030 तक अगर अपने द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। तो उसके लिए गैर-टैरिफ बाधाओं, नियामकीय अड़चनों को दूर करना पड़ेगा। वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापार का आंकड़ा 68.7 बिलियन डॉलर है। यह जानकारी उन्होंने सोमवार को 'इंडिया-रसियाः टुवड्र्स ए न्यू बॉयलेट्रल एजेंडा' शीर्षक के साथ आयोजित किए गए एक सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए दी है। ▸▸ शेष पेज 5 पर

दीर्घकालिक भागीदारी के लिए जताई प्रतिबद्धता

उन्होंने भारत द्वारा समय की हर कसौटी पर परखे हुए अपने पुराने और भरोसेमंद मित्र देश यानी रूस के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। साथ ही कहा कि वर्तमान में उभरते हुए भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच दोनों देशों के मध्य जारी गतिविधियां लगातार गहरी हो रही हैं। ब्रिक्स, एससीओ, जी-20 और यूएन जैसे अंतरराष्ट्रीय समूहों के माध्यम से बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के बीच भारत और रूस में सहयोग को और अधिक गहराई प्रदान करने की आवश्यकता है। भारत, रूस के साथ साझा चुनौतियों से निपटने के लिए संतुलित और समावेशी रूप से बेहद निकटता से काम कर रहा है।

पीएम मोदी की यात्रा का करेंगे स्वागतः लावरोव

रूस के विदेश मंत्री ने सम्मेलन में भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की और कहा कि रूस मौजूदा साल-2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के दौरान उनका स्वागत करने के लिए तैयार है। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने संबोधन ये भी कहा कि दोनों देशों के बीच एक विशेष और विशिष्ट सामरिक साझेदारी है। जो कि आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित है। बीते करीब एक दशक में हमारे साझा लाभप्रद सहयोग की मदद से क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने रूस के ▸▸ शेष पेज 5 पर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर निर्वाचन आयोग ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

- चुनाव पूरी तरह हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त माहौल में कराए जाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और अन्य अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इस बैठक में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया गया। आयोग ने याद दिलाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 9 मार्च को पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए थे कि राज्य में चुनाव पूरी तरह हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त माहौल में कराए जाएं, ताकि हर मतदाता बिना किसी डर या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। सोमवार को हुई समीक्षा बैठक में आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जिला प्रशासन और कानून-व्यवस्था तंत्र की तैयारियों का आकलन किया। बैठक में चुनाव योजना के हर पहलू पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं, ईवीएम प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, चुनाव कर्मियों का प्रशिक्षण, जब्ती कार्रवाई, कानून-व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क गतिविधियां शामिल रहीं। सत्र के दौरान राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स ने प्रतिभागियों को कानून-व्यवस्था लागू करने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान (वर्नरेबिलिटी मैपिंग) और अन्य तैयारियों के साथ-साथ व्यय निगरानी एवं आचार संहिता के पालन पर प्रशिक्षण दिया। निर्वाचन आयोग ने यह भी बताया कि 25 मार्च को पश्चिम बंगाल के रिटर्निंग अधिकारियों के लिए उनके-अपने संभागीय मुख्यालयों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

विपक्ष बोला, विधेयक में हैं संवैधानिक-कानूनी खामियां, कमजोर होगा कंपनियों के लिए सीएसआर का प्रावधान

संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया 'कॉर्पोरेट कानून संशोधन विधेयक'

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में विधेयक को पेश करने के बाद उठाई गई विपक्ष की आपत्तियों के मद्देनजर उठाया ये कदम
- गृहमंत्री ने ली चुटकी, बोले-विपक्ष को क्या हो गया है? जेपीसी की मांग तक नहीं की, ये इनके नेता का असर जान पड़ता है

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को समूचे सदन की सहमति से 'कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक-2026' संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। जिसकी मुख्य वजह विपक्ष का विरोध था। लेकिन यहां एक चौंकाने वाला तथ्य ये भी है कि विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की मांग विपक्ष की तरफ से नहीं की गई थी। बल्कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बाबत सदन में स्वतः संज्ञान लेते हुए विरोधी दलों की आपत्तियों को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष से इसे संसद की सर्वोच्च समिति के पास भेजने का अनुरोध किया। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने इस संबंध में एक प्रस्ताव सदन में पेश किया। जो ध्वनिमत से पारित हुआ और उसके बाद विधेयक को जेपीसी के पास भेज दिया गया। बताते चलें कि इस विधेयक का उद्देश्य सीमित देयता भागीदारी अधिनियम 2008 और कंपनी अधिनियम 2013 में संशोधन करना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस महीने की 10 तारीख को इस विधेयक को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी थी। ▸▸ शेष पेज 5 पर

एमएसएमई को होगा लाभः सीतारमण

विपक्ष की आपत्तियों के बीच अपना जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार इस संशोधन विधेयक को कुल 2 साल तक की गई व्यापक चर्चा करने के बाद मामले पर गठित की गई समिति की रिपोर्ट के आधार पर सदन में लेकर आई है। रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। जहां तक सीएसआर के प्रावधानों को कमजोर करने की बात है। तो सरकार ने इसे लेकर किसी भी कंपनी के नेट प्रॉफिट के क्राइटीरिया के तहत ही यह बदलाव किया है। जबकि बाकी प्रावधान जस के तस विधेयक का हिस्सा बने हुए हैं। हमारे इस कदम से छोटे व्यापारियों जैसे सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसएमई), स्टार्टअप और किसानों की उत्पादक कंपनियों को लाभ होगा। एक प्रकार से उनके लिए अनुपालन आसान हो जाएगा। भ्रष्टाचार समाप्त होगा और देश में निवेश बढ़ेगा। उन्होंने ये भी बताया कि मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में हो रहे बदलावों के मद्देनजर ये कदम उठाया गया है। जिसके तहत कुछ आपराधिक अपराधों को जुर्माने के साथ बदलने का प्रावधान भी इस विधेयक का हिस्सा है।

सीएम ने सरदार भगत सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

जहां चला था शहीद-ए-आजम भगत सिंह का मुकदमा, वही स्थल अब बना प्रेरणा केंद्रः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह के शहीद दिवस पर सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पार्लियामेंट स्ट्रीट स्थित आरसीएस कार्यालय में उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही परिसर में पुनर्निर्मित 'ऐतिहासिक कोर्ट ट्रायल रूम' का भी उद्घाटन किया गया। यह वही ऐतिहासिक स्थान है, जहां स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर मुकदमा चलाया गया था। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह,मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा, शहीद भगत सिंह के पोते यादविंदर सिंह संधू सहित अन्य गणमान्यजन और वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 23 मार्च का दिन पूरे देश के लिए गर्व और भावनात्मक स्मरण का अवसर है। यह दिन हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। आज इस ऐतिहासिक परिसर में उन स्मृतियों को पुनर्जीवित होते देखना हर भारतीय के लिए गर्व और भावनाओं से भर देने वाला क्षण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक स्थल का संरक्षण और पुनरुद्धार केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्र की विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे आने वाली पीढ़ियां स्वतंत्रता संग्राम के उस गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगी। प्रत्येक भारतीय को इस स्थल का अवश्य भ्रमण करना चाहिए, ताकि वे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष को निकट से अनुभव कर सकें। शहीद भगत सिंह की यह प्रतिमा युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा देती रहेगी।

इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि जहां कभी इंकलाब के नारे गूंजा करते थे, जहां कभी शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की पेशी हुआ करती थी, उन ऐतिहासिक पलों से जुड़े तथ्यों को हमने सहेजने का प्रयास किया है। आज यहां उनकी प्रतिमा स्थापित कर न केवल उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई है, बल्कि देशवासियों विशेषकर युवाओं को एक ऐसा प्रेरणास्थल भी दिया गया है, जहां वे आकर भगत सिंह के जीवन, उनके विचारों और उनके बलिदान को करीब से जान सकें।

करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है भगत सिंह का साहस : सचदेवा

नई दिल्ली। श्रद्धेय भगत सिंह जी, सुखदेव जी और राजगुरु जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वे अमर नायक हैं, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर दिए। इसी के चलते आज भी श्रद्धेय भगत सिंह जी का साहस और वैचारिक स्पष्टता करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करती है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक सादे कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सचदेवा ने कहा कि इन तीनों क्रांतिकारियों ने 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों से ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, जिसे आज हम 'शहीद दिवस' के रूप में मनाते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि उनका बलिदान केवल एक राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए देशभक्ति की एक मिसाल थी। आज भी उनका साहस और वैचारिक स्पष्टता करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करती है।

झपटमारी के मामले में भाई-बहन गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मौर्य एन्क्लेव इलाके में मोबाइल फोन छीनने की वारदात के बाद 31 आपराधिक मामलों में कथित रूप से संलिप्त भाई-बहन की जोड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान मनिंदर कौर उर्फ सिमरन (22) और अमनप्रीत सिंह (24) के रूप में हुई है, जो दिल्ली के चंद्र विहार के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, मनिंदर आठ मामलों में शामिल रही है, जबकि अमनप्रीत 23 मामलों में संलिप्त रहा है, जिनमें झपटमारी, चोरी और अन्य अपराध के मामले शामिल हैं। तितिक्षा शर्मा ने 18 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह पीतमपुरा स्थित वीआईपीएस से आयकर कॉलोनी की ओर पैदल जा रही थीं, तभी एक लड़के और एक लड़की ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दोपहिया वाहन पर सवार होकर मधुबन चौक की ओर भाग गए।

शिकायत के आधार पर एक मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों ने एक दिन पहले भी इसी इलाके में इसी तरह की वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी। सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि आरोपियों ने चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया, जिसका समयपुर बादली इलाके में पता लगाया गया। अधिकारी ने बताया घटना वाले दिन पुलिस टीम ने मनिंदर को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपने भाई की संलिप्तता का खुलासा किया और बताया कि छीना गया मोबाइल उसके पास है।₹ पुलिस ने बताया कि इसके बाद अमनप्रीत को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से छीना गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल की गई चोरी की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है।

बिहार स्थापना दिवस पर दिल्ली सचिवालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बिहार स्थापना दिवस को लेकर दिल्ली सचिवालय में सोमवार को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सरकार की ओर से ज्ञान, संस्कृति, धर्म और क्रांति की भूमि बिहार के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। बिहार राज्य का गठन 22 मार्च 1912 में हुआ था। कार्यक्रम में बिहार का पारंपरिक झिझिया नृत्य का प्रदर्शन कलाकारों ने किया, साथ ही भोजपुरी और मैथिली में संगीत व नृत्य प्रस्तुतियां हुईं। मंत्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' संकल्प की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में सभी राज्यों के स्थापना दिवस मनाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय एकता मजबूत होने के साथ भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर लाने का

कार्य किया जा रहा है। मिश्रा ने कहा कि इसी क्रम में आज भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली और भगवान महावीर की तपस्थली बिहार का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। विश्व को शांति और सुशासन का संदेश देने वाला बिहार, भारत की गौरवशाली विरासत और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। बिहार की समृद्ध संस्कृति और यहां की भाषा भोजपुरी, मैथिली और मगही, हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। छठ पूजा जैसे पवित्र पर्व बिहार की आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान का अद्भुत उदाहरण हैं। कार्यक्रम में भोजपुरी और मैथिली भाषा में गीत-संगीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

राष्ट्रीय गीत से प्रेरणा लेकर दिल्ली को सुंदर बनाने में दें योगदान : खिरवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय गीत से प्रेरणा लेकर हम स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित करें एवं दिल्ली को सुंदर बनाने में योगदान दें। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने सोमवार को निगम मुख्यालय, सिविक सेंटर स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन से हमारे अंदर स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित करने की भावना को बल मिलेगा एवं हमें संकल्प लेना है कि हम दिल्ली को सुंदर बनाने में अपना योगदान देंगे। वहीं, निगम प्रशासन ने बताया कि निगम मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों एवं विद्यालयों में राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया।

■ निगम में किया गया राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन

निगम मुख्यालय स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में निगमायुक्त संजीव खिरवार के अलावा अतिरिक्त आयुक्त, निगम के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिल्ली नगर निगम के सभी 12 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं सभी निगम विद्यालयों में भी राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर सभी क्षेत्रीय उपायुक्त, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से देश प्रेम एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को पुनर्बलन मिला। राष्ट्रीय गीत के गायन से छात्रों के अंदर राष्ट्र चेतना का सृजन करने में सहायता मिलेगी।

अजमेरी गेट के पास छात्र पर धारदार हथियार से हमला, दो पकड़े

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के अजमेरी गेट के पास परीक्षा देकर लौट रहे एक छात्र पर धारदार हथियार से हमला करने के आरोप में एक किशोर सहित दो युवकों को पकड़ा गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की पहचान सदर बाजार निवासी सुफियान (19)और 17 वर्षीय एक लड़के के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद शहर से भागने के दौरान आरोपियों को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) रोहित राजबीर ने कहा, ₹उन्हें 18 मार्च की शाम को आईपी एस्टेट थाने में चाकू से हमले के संबंध में सूचना मिली थी। घायल छात्र 'एंग्लो अरेबिक स्कूल' में पढ़ता है और वह 'आंध्र शिक्षा सोसाइटी' में परीक्षा देने गया था।₹ उन्होंने बताया कि घायल छात्र को लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों को रेलवे स्टेशन से पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि पीड़ित के साथ उनका पुराना विवाद था और परीक्षा वाले दिन उनकी कहासुनी हुई थी। पुलिस के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद आरोपी स्कूल गेट के पास इंतजार कर रहे थे। उन्होंने छात्र को रोका और उसके सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल धारदार औजार बरामद कर लिया गया है तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भरोसेमंद साझेदार बनकर उभराः संधू

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार पारिस्थिकी तंत्र में एक 'भरोसेमंद साझेदार' बनकर उभरा है। भारत मंडपम में 'बिजनेस बियांड बांउड्रीज' (सीमाओं से परे व्यापार) विषय पर इंडिया सॉफ्ट के 26वें संस्करण को संबोधित करते हुए संधू ने कहा कि भारत वैश्वीकरण में सिर्फ़ एक भागीदार होने से आगे बढ़कर अब इसे 'आकार देने वाला' बन रहा है। सरकारी बयान के अनुसार, संधू ने कहा कि आज सीमाएं सिर्फ़ भूगोल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें नियामकीय ढांचा, डेटा गवर्नेंस, आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरियां और भू-राजनीतिक पहलू भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, "सीमाओं से परे व्यापार का विचार इन सीमाओं को नज़रअंदाज़ करने के बारे में नहीं है। यह उन्हें समझने, उनसे निपटने और जहां संभव हो, उनके साथ तालमेल बिठाने के बारे में है।" वैश्वीकरण में आ रहे बदलावों पर ज़ोर देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि हाल के व्यवधानों, जिनमें कोविड-19 महामारी भी शामिल है, ने केंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरी को उजागर कर दिया है, जिससे अब मज़बूती और विविधीकरण की ओर कदम बढ़ाए जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी की भूमिका पर ज़ोर देते हुए संधू ने कहा कि डिजिटल मंचों ने व्यवसायों को पारंपरिक बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया है, साथ ही डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़ी ज़िम्मेदारियां भी बढ़ाई हैं।

डीयू में धरना प्रदर्शन, मार्च करने से पहले लेनी होगी अनुमति : प्रॉक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी सभा, एकत्रण, विरोध प्रदर्शन, धरना, मार्च, जुलूस या इसी तरह की गतिविधि के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व लिखित सूचना और अनुमति अनिवार्य है। डीयू के प्रॉक्टर कार्यालय ने इस संबंध में सोमवार को एक नोटिस जारी किया है जिसके तहत डीयू के सभी छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों को इस नोटिस का सख्त पालन के लिए सूचित किया गया है। डीयू प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह के अनुसार आयोजकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे आवेदन की एक भौतिक/हार्ड कॉपी, स्वयं उपस्थित

■ कम से कम 72 घंटे पहले जमा करवानी होगी सूचना

होकर, जिस पर उनके हस्ताक्षर हों और सभी वांछित जानकारी शामिल हो उसे दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय और संबंधित स्थानीय पुलिस अधिकारियों (संबंधित क्षेत्र के डीसीपी/ एसएचओ) के पास जमा करें।

डीयू प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आयोजक का नाम, कॉलेज/संस्थान/विभाग, संपर्क नंबर, ईमेल आईडी, कोर्स का नाम, कार्यक्रम का विवरण और कार्यक्रम की प्रकृति (विरोध प्रदर्शन, सार्वजनिक भाषण, धरना, रैली, आदि) के साथ, कार्यक्रम की अवधि, लॉजिस्टिक्स का उपयोग, वक्ताओं की सूची व प्रतिभागियों की अनुमानित संख्या की जानकारी आदि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय और संबंधित स्थानीय पुलिस अधिकारियों (संबंधित क्षेत्र के डीसीपी/एसएचओ) को कम से कम 72 घंटे पहले जमा करवानी होगी। उन्होंने बताया कि किसी भी परिस्थिति में, किसी भी इलेक्ट्रॉनिक संचार, पैम्फलेट, पोस्टर, नोटिस, सोशल मीडिया पोस्ट, वॉटसेप फॉरवर्ड, या किसी अन्य सामग्री को, चाहे वह मुद्रित हो या डिजिटल, विश्वविद्यालय से/को दी गई आधिकारिक सूचना या अनुमति के रूप में नहीं माना जाएगा और न ही स्वीकार किया जाएगा।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने किया आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पार्क के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विज़न और फिट इंडिया मूवमेंट की भावना के अनुरूप, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने भारती नगर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पार्क के व्यापक पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास किया। परियोजना की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष चहल ने बताया कि इसमें 15 मिमी मोटा सिंथेटिक ईपीडीएम जॉगिंग ट्रैक, मोटराइज्ड ट्रेडमिल, विक्टोरियन शैली की बैठने की बेंच, बीडब्ल्युएफ अनुमोदित पीयू स्पोर्ट्स फ्लोरिंग तथा ओपन जिम उपकरण जैसे एयर वॉकर, लॉग साइकिल, ट्रिपल ट्विस्टर, शोल्डर आर्म डबल व्हील और मल्टी स्टेशन जिम लगाए जाएंगे। चहल ने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 93 लाख रुपए है और इसे 18 जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चहल ने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत इस तरह की पहल लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है और निवासियों को बेहतर मनोरंजन एवं फिटनेस सुविधाएं उपलब्ध कराती है।

चहल ने बताया कि इससे पहले संबंधित स्थान का निरीक्षण विभागाध्यक्षों तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया गया था। निरीक्षण के दौरान यह निर्णय लिया गया कि भारती नगर के गेट नंबर 3 और 4 के बीच, बाउंड्री वॉल के साथ स्थित पार्क को कॉलोनी के निवासियों की सुविधा के लिए आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ विकसित किया जाए।

एमसीडी में भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कुछ अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण को संरक्षण देने के आरोपों के बीच सोमवार को लाजपत नगर स्थित मध्य जोन उपायुक्त कार्यालय पर क्षेत्रीय निवासियों ने धरना प्रदर्शन किया। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। उनका कहना है कि बार-बार शिकायतें करने और न्यायालय के आदेश होने के बावजूद अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे आम जनता के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

निस्वार्थ भाव से किए गए कार्य में देवता भी वास करते हैं : श्रीवास्तव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

निस्वार्थ भाव से किए गए कार्य में देवता भी वास करते हैं। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के स्पेशल कमिश्नर आईपीएस देवेश चन्द्र श्रीवास्तव ने श्री देवोत्थान सेवा समिति (पंजी.) द्वारा विश्व की ऐतिहासिक "अस्थि कलश विसर्जन यात्रा" के 25 वें सिल्वर जुबली वर्ष के उपलक्ष में आयोजित किए गए सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर यह बात कही। इस अवसर पर दिल्ली की टीम ने पिछले 25 वर्षों से निरंतर सहयोग कर रही उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड टीम के सैकड़ों महानुभावों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि

■ अस्थि कलश विसर्जन यात्रा से जुड़े लोगों को किया सम्मानित

देवेश ने कहा, कि इस पुण्य कार्य में समिति के अनिल नरेंद्र, विजय शर्मा सहित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड की टीम के आए सभी लोगों को साधुवाद देता हूं, कि वे निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य में जुटे हैं। समिति पिछले 25 सालों में 1 लाख, 69 हजार, 818 अस्थि कलशों को पूरे भारतवर्ष और तीन बार पाकिस्तान से भी लाकर सभी हुतात्माओं को मोक्ष करवा चुकी है। कार्यक्रम के बाद महादेव के प्रसाद के रूप में भोजन की भी व्यवस्था की गई।

शिक्षक विरोधी आदेश वापस लेने की मांग

शिक्षकों ने उपराज्यपाल कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) शिक्षा विभाग में कार्यरत अनुसूचित जाति/जनजाति शिक्षकों ने सोमवार को पुलिस बल की मौजूदगी में उपराज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर अपनी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया। "संयुक्त अनुसूचित जाति/जनजाति शिक्षक मंच दिल्ली" प्रमुख रामकिशन पूनिया ने बताया कि शिक्षकों ने विशेष रूप से 16 मार्च 2026 को जारी एक आदेश को शिक्षक विरोधी बताते हुए उसे तत्काल वापस लेने की मांग की। वहीं, दूसरी तरफ शिक्षक न्याय मंच नगर निगम संगठन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह खत्री के आह्वान पर निगम के शिक्षकों ने एक दिन का उपवास रख अपनी मांगों का सांकेतिक विरोध प्रकट किया।

शिक्षक यूनियन नेताओं ने बताया कि वे अपनी मांगों को लेकर पहले भी कई ज्ञापन दे चुके हैं और अब उच्च स्तर पर बैठक बुलाकर समाधान निकाले जाने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उपराज्यपाल

इस मामले में जल्द हस्तक्षेप कर शिक्षकों को राहत देंगे। शिक्षक नेताओं ने कहा कि पहले प्रतिपूरक अवकाश देने का अधिकार विद्यालय के प्रधानाचार्य के पास था, जिससे कार्य सुचारु रूप से चलता था। लेकिन अब यह अधिकार डीडीई कार्यालय में केंद्रीकृत कर दिया गया है, जिससे शिक्षकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और स्कूलों के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। साथ ही, बीएलओ ड्यूटी के बदले अवकाश नहीं दिए जाने को भी अन्यायपूर्ण बताया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नितीश कुमार पुत्र** महगू विश्वास **निवासी** डब्ल्यूजेड–107, 80 गज, तिलक नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 225/2020, U/S 188/269/270 IPC पुलिस स्टेशन तिलक नगर, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नितीश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नितीश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 225/2020, U/S 188/269/270 IPC पुलिस स्टेशन तिलक नगर, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **नितीश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.05.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विकास मदान
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07,
पश्चिम जिला, कमरा नं0–289,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3729/WD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौरव पुत्रः महिपाल पताः मेहरचन्द का मकान, ग्वाल पहाड़ी, गुड़गाँव, हरियाणा** ने case **FIR No. 189/2020 U/s 482 IPC & 33/58 Delhi Excise Act, थानाः फतेहपुर बेरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 189/2020 U/s 482 IPC & 33/58 Delhi Excise Act, थानाः फतेहपुर बेरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गौरव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.04.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री आशीष कुमार
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
रूम नं. 214
साकेत कोर्ट, दिल्ली

DP/3670/SD/2026 (Court Matter)

'सरकार खड़ी है पीड़ित परिवार के साथ'

पालम आग मामला: इमारत के बेसमेंट में रखी थीं अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन पालम में एक भवन में लगी आग में नौ लोगों की मौत का मामला उठा। पालम से सत्तापक्ष के सदस्य कुलदीप सोलंकी ने मामले को उठाया। इस मामले पर दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने सदन में कहा कि पालम अग्निकांड के संबंध में अग्निशमन विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट में इमारत के तलघर में अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री रखे होने का उल्लेख है। सूद ने आम आदमी पार्टी (आप) पर इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप व ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया तथा अग्निशमन सेवा को आधुनिक बनाने में विफल रहने के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

इस विषय पर आप की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। गृह मंत्री ने सदन में कहा कि पालम घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख है कि भूतल से छत तक जाने के लिए केवल एक ही सीढ़ी थी और इमारत के बाहर से सीढ़ी तक पहुंच संभव नहीं थी। उन्होंने बताया कि इमारत के तलघर में कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन, थिनर, इत्र और नेल पॉलिश जैसी

अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थीं। सूद ने कहा कि इन सबके बावजूद हमारी सरकार ने आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति नहीं की। मैं इस घटना पर दुख प्रकट करता हूं और इस कठिन समय में पूरी सरकार व मैं पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं। मुख्यमंत्री ने दो घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा की और अनुग्रह राशि का भी ऐलान किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने जनवरी 2018 में बवाना औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग, फरवरी 2019 में अर्पित होटल में लगी आग और 2019 में अनाज मंडी में लगी आग की घटना का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार का रवैया जिम्मेदारी से भागने वाला था। सूद ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से कई पहल प्रस्तावित हैं, जिनमें वायरलेस प्रणाली का उन्नयन, 50 त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों की तैनाती और अग्निशमन कार्यों की प्रभावी निगरानी के लिए नया 'कमांड एवं कंट्रोल सेंटर' स्थापित करना शामिल है। पिछले सप्ताह पालम क्षेत्र में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई थी, जिनमें 70 वर्षीय महिला और उनकी तीन पोतियां शामिल थीं। घटना के बाद से आम आदमी पार्टी भाजपा सरकार पर अग्निशमन तंत्र में चूक का आरोप लगाती रही है।

सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख बने रहने पर विधानसभा ने दी पीएम को बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख बने रहने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित कर बधाई दी गई। सदन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभिनंदन प्रस्ताव में बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने एक संत की तरह देश की सेवा की और राष्ट्र के विकास तथा सेवा के लिए समर्पित एक जीवन जिया है। उन्होंने एक दृष्टिकोण के साथ काम किया। मैं दिल्ली के प्रत्येक नागरिक की ओर से उन्हें बधाई देती हूं। उन्होंने शासन तथा विदेश नीति के माध्यम से देश का गौरव और सम्मान बढ़ाया है। गौरतलब है कि सोमवार को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के रूप में 8 हजार 931 दिन पूरे कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख बनने का नया रिकार्ड कायम किया है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरुआत करने वाले पीएम मोदी ने अब सार्वजनिक जीवन में 8 हजार 931 दिन की जनसेवा पूरी कर ली है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री को बधाई देने के लिए प्रस्ताव पेश किया, जिसे बाद में विधानसभा द्वारा पारित कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को समाज के सभी वर्गों का आशीर्वाद प्राप्त है।

'दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने वाला होगा बजट'

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह बजट राजधानी के लगभग 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि 'खीर सेरेमनी' न केवल बजट प्रक्रिया की पारंपरिक शुरुआत है, बल्कि यह समृद्धि, शुभता और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में दिखाई देगा। 'खीर सेरेमनी' में मुख्यमंत्री के साथ किसान, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक, डॉक्टरों, किन्नर समाज के लोग, महिला ड्राइवर, मीडियाकर्मियों ने भाग लिया।

विपक्ष की गैरमौजूदगी की सत्तापक्ष ने की निंदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले ही दिन विपक्ष के सदस्यों की सदन में गैरमौजूदगी की सदन ने निंदा की। विधानसभा अध्यक्ष के साथ सदन में मंत्रियों ने इसकी कड़ी निंदा की। अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं विपक्ष के माननीय सदस्यों और विपक्ष के नेता द्वारा सदन के बाहर किए जा रहे प्रदर्शन की कड़ी निंदा करता हूं। सदन का बहिष्कार करना और कार्यवाही में भाग न लेना सदन की गरिमा और संसदीय मर्यादा के पूर्णतः खिलाफ है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सदन ही वह स्थान है जहां चर्चा और संवाद होना चाहिए, लेकिन विपक्ष द्वारा बजट सत्र से दूरी बनाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विशेषकर इस समय, जब दिल्ली का बजट पेश किया जा रहा है, विपक्ष की भागीदारी और उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। चर्चा छोड़कर बाहर प्रदर्शन करना स्थापित संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है। वहीं मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष के साथियों ने सत्र का बायकॉट किया। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जब हमारे विपक्ष के साथियों को पता लगा कि आज पीएसी और कैग की रिपोर्ट आ रही है। उससे बचकर विधानसभा के बाहर झूठा प्रदर्शन कर रहे हैं।

विपक्ष के सदस्यों ने 'लोकतंत्र की अर्थी' यात्रा निकाल किया प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को अपने चार विधायकों का निलंबन वापस लेने की मांग को लेकर विधानसभा के बाहर 'लोकतंत्र की अर्थी' यात्रा निकाल कर प्रदर्शन किया। विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' के जमकर नारे लगाए और विधायकों का निलंबन वापस होने तक सदन का बहिष्कार जारी रखने की बात कही। आतिशी ने कहा कि जब भाजपा के पास सवालों के जवाब नहीं होते है, तब सत्ता के नशे में चूर विपक्ष की आवाज कुचलने लगती है। विधानसभा के बाहर 'लोकतंत्र की अर्थी' यात्रा सिर्फ एक विरोध नहीं है, बल्कि भाजपा की तानाशाही के खिलाफ जनता का आक्रोश है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वालों को इतिहास कभी माफ नहीं करता और जनता हर अन्याय का हिसाब लेती है। तानाशाही की ये राजनीति अब नहीं चलेगी। आतिशी ने आगे कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर होता है, लेकिन भाजपा ने इसे सत्ता के अहंकार का अड्डा बना दिया है। विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए चुने हुए विधायकों को सस्पेंड करते हैं, सड़क पर बैरिकेड्स लगाकर पुलिस के डंडे दिखाते हैं। सच ये है कि भाजपा जनता के सवालों से भाग रही है। बिजली, पानी, अस्पतालों की बदहाली और हालिया पालम अग्निकांड की पीड़ा से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश हो रही है। हम दिल्ली की जनता के सवाल सड़क से लेकर सदन तक उठाएंगे।

ठेकेदार के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई के दिए निर्देश

सत्या ने नंगली सकरावती क्षेत्र का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नजफगढ़ जोन के नंगली सकरावती क्षेत्र में निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट के कार्य में हो रही देरी पर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ठेकेदार के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने नजफगढ़ ज़ोन के नंगली सकरावती क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नजफगढ़ ज़ोन (वार्ड समिति) की अध्यक्ष सविता शर्मा, जोनल उपायुक्त सुमित कुमार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि बॉयोगैस परियोजना डेयरी अपशिष्ट के निस्तारण का एक महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक समाधान है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा कार्य को निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। वहीं, नजफगढ़ ज़ोन की अध्यक्ष सविता शर्मा ने कहा कि स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ऐसे नियमित निरीक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। क्षेत्र की समस्याओं को चिन्हित कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि आम जनता को बेहतर एवं सुगम सुविधाएं मिल सकें।

सभी नालियों की नियमित की जाए सफाई

स्थायी समिति अध्यक्ष ने जोन के अधिकारियों को निर्देश कि निगम के अधिकार क्षेत्र की सभी नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर संबंधित नालियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। गोयला डेयरी क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकें।

'दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख रुपये रहने का अनुमान'

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश की। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय मौजूदा कीमतों पर अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 में 5 लाख 31 हजार 610 रुपये तक पहुंचने की संभावना है जो 2024-25 के मुकाबले 7.92 प्रतिशत की वृद्धि है। समीक्षा के मुताबिक, 2025-26 के दौरान दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से लगभग ढाई गुना अधिक रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए अनुमानित राजस्व अधिशेष 9,661.31 करोड़ रुपये है जो राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 0.73 प्रतिशत है। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 के दौरान दिल्ली का जीएसडीपी अग्रिम अनुमान के अनुसार 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है जो 2024-25 की तुलना में 9.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसमें कहा गया कि 2025-26 में दिल्ली सरकार का कर संग्रह सालाना आधार पर 15.54 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट 1 लाख करोड़ रुपये का था, जिसमें से 59 हजार करोड़ 300 लाख रुपये दिल्ली सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यह राशि 2024-25 के बजट अनुमान में निर्धारित 39 हजार करोड़ रुपये की तुलना में 20 हजार 300 करोड़ रुपये अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली ने लगातार राजस्व अधिशेष बनाए रखा है, हालांकि 2025-26 के बजट अनुमान में इसका राजकोषीय घाटा बढ़कर 13 हजार 703 करोड़ रुपये हो गया है। इसका मुख्य कारण पूंजीगत व्यय में 2024-25 की तुलना में दोगुनी से अधिक (145 प्रतिशत) की वृद्धि होना है। पूंजीगत व्यय, जो 2024-25 (अस्थायी) में 11 हजार 485 करोड़ रुपये था, उसे बढ़ाकर 28 हजार 115 करोड़ रुपये कर दिया गया है। समीक्षा कहती है कि दिल्ली सरकार मुख्य रूप से अपने व्यय बजट का वित्तपोषण स्वयं के कर राजस्व के माध्यम से करती है, जो 2025-26 में व्यय बजट का 68.7 प्रतिशत था। कुल कर राजस्व का 71.3 प्रतिशत हिस्सा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और मूल्य वर्धित कर (वैट) से आने की संभावना है। इसके बाद 13.1 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क, 10.2 प्रतिशत आबकारी और 5.4 प्रतिशत मोटर वाहन कर से प्राप्त होंगे। अर्थव्यवस्था के ढांचे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में सेवा क्षेत्र की प्रधानता है, जो 2025-26 के दौरान सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) में लगभग 86.32 प्रतिशत का योगदान देता है। इसके बाद द्वितीयक क्षेत्र (12.88 प्रतिशत) और प्राथमिक क्षेत्र (0.80 प्रतिशत) का स्थान है।

'एमसीडी ने दया बस्ती रेलवे स्टेशन से 250 मीट्रिक टन कचरा हटाया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संकरे रास्तों वाले दया बस्ती रेलवे स्टेशन स्थल पर बड़े पैमाने पर लेगेसी कचरा हटाने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह पहल चुनौतीपूर्ण और दुर्गम क्षेत्रों में से एक में लंबे समय से जमा कचरे के निस्तारण और स्वच्छता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निगम के करोल बाग जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा ने कहा कि यह पहल दिल्ली में अपनी तरह का पहला मॉडल है, जो लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए रेलवे लॉजिस्टिक्स के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के प्रयास घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जारी रहेंगे। निगम प्रशासन ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि गंभीर लॉजिस्टिक चुनौतियों से निपटने के लिए बीआरएन रेलवे वैगनों का रणनीतिक रूप से उपयोग कर कचरे को उठाने और उसके परिवहन की व्यवस्था की गई। इस पहल ने एमसीडी को घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में, जहाँ पारंपरिक तरीके लागू करना कठिन होता है, कचरा हटाने के कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सक्षम बनाया। प्रशासन ने बताया कि निर्धारित रेलवे लाइन ब्लॉकेज के दौरान, वरिष्ठ जोनल अधिकारियों की उपस्थिति में कूड़े का लोडिंग कार्य किया गया। कुल 10 बीआरएन वैगनों को सफलतापूर्वक लोड किया गया, जिससे दया बस्ती स्थल से लगभग 250 मीट्रिक टन लेगेसी कचरा हटाया गया।

जल निकासी की नहीं है उचित व्यवस्था

बारिश के बाद हुआ जलभराव, जलजनित बीमारियों का बढ़ा खतरा

शिव विहार मेट्रो स्टेशन पर लगा जाम...

सिंघू गांव प्रवेश द्वार...

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में हाल ही में हुई बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। सड़कों, गलियों और निचले इलाकों में जमा गंदा पानी न केवल आवागमन में बाधा बन रहा है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जलभराव के कारण डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, डायरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का जोखिम तेजी से बढ़ जाता है। गंदे पानी में मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है, जिससे संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई क्षेत्रों में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश के बाद यही समस्या उत्पन्न होती है।

लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभागों से मांग की है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए और नियमित सफाई अभियान चलाया जाए। वहीं, जन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे साफ पानी का ही उपयोग करें, घर के आसपास पानी जमा न होने दें और मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। साथ ही, किसी भी प्रकार के बुखार या संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की अपील की गई है।

खबर संक्षेप

दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखाओं की टीमों ने दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में

सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार जयराज निवासी महमूदपुर फरीदाबाद ने थाना सदर बल्लभगढ़ में शिकायत दर्ज करवाई कि वह 11 मार्च की रात गांव नीमका में एक शादी समारोह में गया था, जहां से अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया।

नमो भारत कनेक्ट ऐप का उपयोग करने वाले यूज़र्स की संख्या ने साढ़े तीन लाख के आँकड़े को किया पार

नमो भारत कनेक्ट मोबाइल ऐप द्वारा सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ ले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नमो भारत कनेक्ट मोबाइल ऐप यात्रियों के लिए सुविधाजनक एवं सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित कर रहा है। नमो भारत की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही इस ऐप का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। नमो भारत कनेक्ट ऐप के उपयोगकर्ताओं की संख्या साढ़े तीन लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। विगत माह फरवरी 2026 तक 3 लाख 61 हजार से अधिक लोग इस ऐप में उपलब्ध डिजिटल क्यूआर टिकट से लेकर रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग जैसी कई महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। एनसीआरटीसी प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से यात्री बिना टिकट काउंटर पर लाइन लगाए, आसानी से नमो भारत और मेरठ मेट्रो की यात्रा के लिए डिजिटल क्यूआर टिकट खरीद सकते हैं। पिछले तीन महीनों में ऐप के जरिए 6 लाख 70 हज़ार से ज़्यादा डिजिटल टिकटों की बिक्री दर्ज की गई है। फरवरी 2026 तक नमो भारत कनेक्ट ऐप के माध्यम से यात्रियों द्वारा कुल 24 लाख 70 हज़ार से ज्यादा डिजिटल टिकट खरीदे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल क्यूआर टिकट के अलावा, नमो भारत कनेक्ट ऐप यात्रियों के लिए रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग, पार्किंग की स्थिति की रियल-टाइम जानकारी, खोया-पाया सुविधा, शिकायत निवारण प्रणाली, महिला सुरक्षा सहायता, यात्री हेल्पलाइन और दिव्यांगजनों के लिए एक्सेसिबिलिटी सहायता जैसी कई विशेष सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। ऐप का लाइव ट्रेन ट्रैकिंग फीचर यात्रियों को ट्रेन की वर्तमान स्थिति और आगमन समय का सटीक अपडेट प्रदान करता है। यह फीचर आगामी 30 मिनट की समयावधि के लिए ट्रेन की करंट लोकेशन, अगले स्टेशन और अनुमानित आगमन समय की जानकारी प्रदान करता है, जिससे यात्री अपनी यात्रा की योजना को बेहतर बना सकते हैं। नमो भारत स्टेशन से आगे उनके गंतव्य तक सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऐप में लास्ट माइल कनेक्टिविटी का विकल्प भी उपलब्ध है। इसके माध्यम से यात्री फीडर बस सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी प्रदाताओं जैसे रैपिडो की सेवा का लाभ भी उठा सकते हैं।

कांग्रेस ने मनाया शहीदी दिवस

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा गाजियाबाद जिला

अध्यक्ष सतीश शर्मा जी के द्वारा शहीद दिवस मनाया गया महान शहीदों को याद कर नमन किया गया। सरदार भगत सिंह सुखदेव सिंह और राजगुरु की प्रतिमाओं के सामने सभी कांग्रेस जन ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए । जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुशांत गोयल सुरेंद्र आदि।

जीडीए में संशोधित डीपीआर का किया प्रस्तुतिकरण

गाजियाबाद। प्राधिकरण में राज्य सरकार द्वारा लागू नीति (इंटीग्रेटेड

टाउनशिप नीति, 2005/2014 एवं अद्यतन प्राविधानों) के अनुरूप विकासकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत संशोधित डीपीआर का प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक की अध्यक्षता जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने की । प्रस्तुतिकरण का गहन परीक्षण करते हुए निर्देशित किया गया कि कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित नीति एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।

केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने वार्ड 1 और 5 में लगभग 8 करोड़ 85 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, घरेलू गैस की कोई कमी नहीं: केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद के वार्ड नंबर-1 और वार्ड नंबर-5 में गत रविवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने लगभग 8 करोड़ 85 लाख रुपए के विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों में वार्ड नंबर 1 स्थित 5 एकड़ में बने अटल पार्क में लगभग 5 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत से हुए बाउंड्री वॉल, फुटपाथ, कैनेपी, बेंच, ओपन थिएटर, रंगीन म्यूजिकल फाउंटेन, सेल्फी प्वाइंट, धौलपुर छतरी, डेकोरेटिव लाइट्स, हाई मास्क्स लाइट के कार्य का उद्घाटन किया।

वार्ड संख्या-5 में विकास कार्यों को गति देते हुए विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत की गयी। इसके अंतर्गत विभिन्न सडक़ों का आरएमसी निर्माण कार्य, वार्ड के विभिन्न मार्गों का सुदृढ़ीकरण, डिवीजन-1 क्षेत्र में नालियों, गौरी ड्रेन का टिंबर ट्री के साथ सौंदर्यीकरण तथा अन्य निर्माण एवं सुधार कार्य शामिल हैं। इन सभी विकास परियोजनाओं पर कुल लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपए की लागत व्यय की जाएगी, जिससे क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि स्थानीय लोगों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का उद्देश्य नागरिकों को आधुनिक और सुदृढ़ बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है और इसी लक्ष्य के तहत निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहें

एलपीजी आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जिससे अनावश्यक भय का वातावरण बन रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गैस की मांग और आपूर्ति पहले की तरह संतुलित है तथा किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। पिछले 15 दिनों में उपभोक्ताओं की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन घबराहट के कारण लोग अनावश्यक रूप से सिलेंडर बुक कर रहे हैं और भंडारण की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और आश्वस्त रहें कि एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है तथा सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से आपूर्ति मिलती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, एनआईटी विधायक सतीश फागना, वार्ड 1 पार्षद मुकेश डागर, वार्ड 5 पार्षद जयवीर खटाना, भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, नगर निगम के अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह, संजय डागर, कयूम खान, मोहन शर्मा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

2700 की लागत से हाई टेंशन भूमिगत होगी

राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि फरीदाबाद शहर को बिजली के जाल से मुक्त करने के लिए 2700 करोड़ रुपए की लागत से हाई टेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की जा रही है, जिसकी शुरुआत एनआईटी विधानसभा क्षेत्र से होगी। इस परियोजना से शहर की सुंदरता में वृद्धि के साथ-साथ सड़कों के चौड़ीकरण में भी सुविधा होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने पेयजल आपूर्ति की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि एनआईटी क्षेत्र में लंबे समय से मीठे पानी की उपलब्धता एक चुनौती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए 250 करोड़ रुपए की लागत से यमुना से सीधे पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की योजना लागू की जा रही है, जिससे क्षेत्र के सभी निवासियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद के समग्र और संतुलित विकास को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार समन्वय के साथ बड़े पैमाने पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तीव्र गति से आगे बढ़ रही हैं। मेट्रो विस्तार योजना के तहत फरीदाबाद को जेवर एयरपोर्ट से जोडने की दिशा में प्रयास जारी हैंए जिसे वर्ष 2026 के अंत तक प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही पलवल तक मेट्रो विस्तार की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है और इस परियोजना को भी वर्ष 2026 में शुरू करने की योजना है।

शहीद दिवस पर रोज बेल पब्लिक स्कूल में वीर शहीदों को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

शहीद दिवस के अवसर पर रोज बेल पब्लिक स्कूल, विजयनगर (गाजियाबाद) में अमर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्कूल की प्रधानाचार्या धरमजीत कौर एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर बलिदानियों को याद किया। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों के भीतर देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। प्रधानाचार्या जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने क्रांतिकारी नायकों के आदर्शों को जीवन में उतारना चाहिए। विद्यालय का माहौल पूरी तरह से राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

अमर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

भगतसिंह की शहादत ने आजादी के आंदोलन को गति देने और उत्प्रेरक का काम किया: बादल सरोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्यव्यापी आह्वान पर शहीदी दिवस पर मंगलवार को नगर निगम कांफ्रेंस हॉल में साम्राज्यवाद की बर्बरता और भगतसिंह के विचार विषय पर सेमीनार का आयोजन किया जाएगा।

सेमीनार को अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड बादल सरोज ने बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, कोषाध्यक्ष शशिकांत राय व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री आदि सभी अन्य कार्यकर्ताओं ने शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की को याद किया और श्रद्धासुमन अर्पित कर सेमीनार की शुरुआत की। जिला प्रधान करतार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सेमीनार में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।

संचालक सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर ने किया।

साले को कॉल कर खुदकुशी के बारे में बताया

नौकरी को लेकर हुए झगड़े पर पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

खेड़कीदौला थाना एरिया में नौकरी चले जाने पर हुए झगड़े में युवक ने अपनी पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया और अपने साले को कॉल करके पत्नी द्वारा खुदकुशी करने की बात कही। सूचना मिलने पर खेड़कीदौला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, सीन ऑफ क्राइम व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों से घटनास्थल का निरीक्षण कराकर साक्ष्य एकत्रित कराए। विवाहिता के भाई महेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति के खिलाफ हत्या संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी अनुसार, यूपी के कन्नौज निवासी रश्मि (26) की शादी करीब आठ साल पहले सुनील कुमार के साथ हुई थी। रश्मि अपने पति के साथ गुरुग्राम के रामपुरा गांव में किराये पर रहती थी। उनकी छह साल की बेटी पिछले एक माह से अपने नाना-नानी के पास रह रही है। सुनील कुमार गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में काम करता था व फिलहाल उसकी नौकरी छूटी हुई थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पिछले काफी समय से लड़ाई-झगड़ा रहता था। पिछले कई दिनों से रश्मि अपने पति सुनील कुमार को नौकरी के लिए टोकती थी। रश्मि के बड़े भाई महेंद्र पुलिस को बताया कि रविवार की सुबह 11.22 बजे उसके जीजा सुनील कुमार की कॉल आई कि तुम्हारी बहन ने चुन्नी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। महेंद्र जब अपनी पत्नी के साथ रश्मि के कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा खुला हुआ था व पर्दा लगा था। जब उन्होंने अंदर जाकर देखा तो रश्मि मृत अवस्था में चारपाई पर लेटी थी व गले में चुन्नी लिपटी हुई थी। महेंद्र ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी।

साले के साथ ही कंपनी में काम करता था आरोपी: महेंद्र ने बताया कि उसका जीजा सुनील कुमार सेक्टर-3 स्थित एक निजी कंपनी में उसके साथ ही नौकरी करता था। 9 मार्च को कंपनी प्रबंधन ने सुनील को नौकरी से हटा दिया था। जिसके बाद से वह घर पर ही रहा था। जब उसकी बहन रश्मि अपने पति सुनील को नौकरी के लिए टोकती थी तो वह झगड़ा व मारपीट करने लगता था। सुनील कुमार पहले भी कई बार रश्मि के साथ मारपीट कर चुका था। महेंद्र ही उनके पास आकर मामले में बीच-बचाव करता था।

गैस सप्लाई पूरी तरह सुचारू, प्रशासन कर रहा है लगातार निगरानी

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। डीसी आयुष सिन्हा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन विपणन कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहा है, ताकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा सके। डीसी आयुष ने बताया कि जिले में एचपीसीएलए इंडेन और भारत गैस की कुल 43 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जो उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति कर रही हैं। आमजन की मांग के अनुसार गैस उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

वार्ड में अध्यक्ष बनाने में प्रभारियों की रहेगी अहम भूमिका

गुरुग्राम शहरी जिला कांग्रेस कमेटी ने नियुक्त किए वार्ड प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

नगर निगम क्षेत्र गुरुग्राम में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सभी 36 वार्डों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। ये वार्ड प्रभारी वार्ड अध्यक्ष बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। गुरुग्राम के जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर की स्वीकृति से महासचिव (संगठन) सूबे सिंह यादव की ओर से वार्ड प्रभारियों की सूची जारी की गई है।

इसमें वार्ड 1 से सविंदर लोहिया (भोले), वार्ड 2 से कार्तिक गहलोत, वार्ड 3 से अंकित यादव, वार्ड 4 से जयपाल चौधरी, वार्ड 5 से अमित शर्मा, वार्ड 6 से ओम प्रकाश पांचाल, वार्ड 7 से दीपक दहिया, वार्ड 8 से प्रहलाद सिंह लोहचब, वार्ड 9 से अमन प्रजापति, वार्ड 10 से राजीव यादव, वार्ड 11 से निर्मल यादव, वार्ड 12 से अशोक टांक, वार्ड 13 से राजेश कुमार यादव, वार्ड 14 से रविंदर तंवर, वार्ड 15 से सौरभ अग्रवाल, वार्ड 16 से रविंदर कुमार, वार्ड 17 से राहुल यादव, वार्ड 18 से भजन लाल यादव, वार्ड 19 से राहुल नंबरदार, वार्ड 20 से अरविंद उल्लावास, वार्ड 21 से कर्मवीर यादव, वार्ड 22 से अमित कोचर, वार्ड 23 से सतीश सांगवान, वार्ड 24 से महाबीर सिंह, वार्ड 25 से मुकेश डागर , वार्ड 26 से रामपाल पांचाल, वार्ड 27 से नरेश वशिष्ठ, वार्ड 28 से श्याम लाल बामनिया, वार्ड 29 से हरकेश बोहत, वार्ड 30 से मनोज, वार्ड 31 से सुशील सहरावत, वार्ड 32 से पंकज मेंहदीरत्ता, वार्ड 33 से धर्मेंद्र मिश्रा, वार्ड 34 से अमन , वार्ड 35 से विकास हुड्डा और वार्ड 36 से परविंदर कटारिया को वार्ड प्रभारी नियुक्त किया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी राकेश उर्फ सूरज, पुत्रः** सहदेव राय, **पताः** झुग्गी नंबर ई–79/46, सोनिया विहार सब्जी मंडी, मंडावली, **दिल्ली FIR No. 04/2018 पुलिस थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ सूरज,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ सूरज,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ सूरज, FIR No. 04/2018 पुलिस थानाः मंडावली, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कोर्ट नं. 16
करकड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3730/ED/2026
(Court Matter)

शहीदी दिवस पर गुरुग्राम पहुंचीं शहीद सुखदेव की पौत्री (भाई के बेटे की पुत्री) का किया स्वागत

आजादी के मतवालों ने प्रताड़नाएं झेलीं पर देशभक्ति की जज्बा कम नहीं हुआ: राजेंद्र पाठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

ऑल इंडिया लायर्स यूनियन गुरुग्राम ने मनाया शहीदी दिवस

ऑल इंडिया लायर्स यूनियन की ओर से यहां जिला अदालत परिसर में शहीदी दिवस मनाया गया। इस दौरान शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर शहीद सुखदेव की पौत्री (भाई के बेटे की पुत्री) राधिका थापर मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रहीं। एडवोकेट सुमन गोयल ने राधिका थापर का माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के प्रधान राजेंद्र पाठक एडवोकेट ने की। राधिका थापर ने बताया कि किस प्रकार से ब्रिटिश सरकार ने उनके परिवार को प्रताड़ित किया था, परन्तु उन्होंने देश भक्ति का जज्बा नहीं छोड़ा। अपने संबोधन में प्रधान राजेंद्र पाठक एडवोकेट ने कहा कि आज के दिन (23 मार्च 1931 को) ही शहीदे आजम भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी दी गई थी। यह दिन आजादी के उन मतवालों को कृतज्ञता से नमन करने का है, जो हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जिन क्रांतिकारियों की शहादत की बदौलत हम आज खुशी हवा में सांस ले रहे हैं, उनका बलिदान सदैव स्मरण रहना चाहिए। हर मंच से उनके शौर्य और जज्बे को सेल्यूट किया जाना चाहिए। एडवोकेट राजेंद्र पाठक ने कहा कि भगतसिंह आज के समय में ज्यादा प्रसांगिक है। क्योंकि अमेरिका जैसे देश तीसरी दुनिया के देशों को दबा रहे हैं, ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बढ़ गई है। एडवोकेट्स पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। एडवोकेट राजकुमार तंवर ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आज हमारे समाज में संस्कारों की और राष्ट्रीय प्रेम की अथाह कमी हो गई है। इसे सही करना होगा। राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। समापन भाषण में महासचिव एडवोकेट विनोद भारद्वाज ने कहा कि समाज को अपनी चेतना को जागृत करना होगा। कार्यक्रम में जनवादी महिला समिति हरियाणा की उपाध्यक्ष उषा सरोहा ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार मिलने चाहिए। अधिकारों के लिए समाज में जागृति के साथ-साथ सरकारों को भी गंभीरता दिखानी चाहिए। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में एडवोकेट विनोद भारद्वाज महासचिव, एडवोकेट प्रवीर भट्टाचार्य, एडवोकेट राजकुमार तंवर, एडवोकेट सुरेन्द्र सिंह डागर, एडवोकेट खुशबू की भी भूमिका रही।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.PC देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निशु कुमार पुत्र सुनील कुमार निवासी गली नं. 5, डी-ब्लॉक, पिंकी चौधरी कॉलोनी, गांधी चौक, बुराड़ी, दिल्ली** ने एफआईआर नं./कोर्ट केस सं. **250/2018, अन्तर्गत धारा 397/402 आईपीसी, थाना महेन्द्रा पार्क, ज़िला उत्तर-पश्चिम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निशु कुमार** मिल नहीं रहा(रही) है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निशु कुमार** फरार हो गया(गई) है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा(रही) हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं./कोर्ट केस सं. **250/2018, अन्तर्गत धारा 397/402 आईपीसी, थाना महेन्द्रा पार्क, ज़िला उत्तर-पश्चिम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **निशु कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.05.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
अति. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (उ.-प.)
कमरा नं. 117, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/3724/NW/2026
(Court Matter)

खबर संक्षेप

पेपर लीक कांडः डब्लू मुखिया ईओयू के हत्थे चढ़ा

पटना। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। ईओयू (आर्थिक अपराध इकाई) ने कांड के सह अभियुक्त और मास्टरमाइंड संजीव मुखिया के सहयोगी प्रवीण कुमार सिन्हा उर्फ डब्लू मुखिया को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी पटना के करबिगहिया इलाके में छापेमारी कर की गई। प्रवीण कुमार पेपर लीक गिरोह को झारखंड में सहयोग देता था।

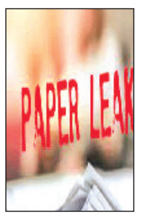

सहारनपुर में पुलिस की गाड़ी पर हमला

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर जिले के छुटमलपुर क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी में ही एक युवती पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस की माने तो हमलावर युवती के दो सगे भाई हैं, जिन्होंने अपनी बहन को किसी युवक के साथ घर से भाग जाने के कारण घटना को अंजाम दिया है।

राइफल की सफाई के दौरान गोली चलने से मौत

पश्चिम सिंहभूम। जिले में एक पुलिस कांस्टेबल की तब मौत हो गई, जब कथित तौर पर सर्विस राइफल की सफाई करने के दौरान गोली चल गई। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया- मृतक की पहचान गुमला जिले के रायडीह निवासी अजय किशोर खाखा (42) के रूप में हुई है। वह पलिसाई स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर में तैनात थे।

बिहार बोर्ड 12वीं कक्षा का परिणाम जारी

96.20% लाकर 12वीं साइंस टॉपर बने समस्तीपुर के अदित्य

बिहार बोर्ड 12वीं क्लास का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। साइंस स्ट्रीम में समस्तीपुर के आदित्य प्रकाश अमन ने 600 में से 481 नंबर लाकर पूरे राज्य में टॉप किया है। उन्हें दो विषयों में 98 अंक और दो विषयों में 96-96 नंबर मिले हैं।

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार बोर्ड 12वीं रिजल्ट जारी कर दिया गया है। इस साल 85.19% स्टूडेंट्स ने इंटरमीडिएट (कक्षा 12वीं) बोर्ड परीक्षा 2026 पास की है। बिहार बोर्ड 12वीं साइंस स्ट्रीम का पास प्रतिशत 87.46% रहा है। बाहरवीं साइंस स्ट्रीम में समस्तीपुर के आदित्य प्रकाश अमन ने 600 में से 481 नंबर लाकर टॉप किया है।

इस साल बिहार बोर्ड 12वीं साइंस स्ट्रीम में कुल 6,14,710 छात्र उपस्थित हुए थे। इनमें 3,67,789 छात्र और 2,46,912 छात्राएं शामिल थीं। साइंस स्ट्रीम में कुल 5,37,609 छात्र पास हुए हैं। यानी साइंस स्ट्रीम का पास प्रतिशत 87.46% रहा है।

साइंस स्ट्रीम में 5,37,609 छात्र पास

12वीं आर्ट्स रिजल्ट में शाजिया ने तीसरा स्थान पाया

नालंदा जिले के करायपरसुराय क्षेत्र की शाजिया अंसारी ने बिहार इंटर रिजल्ट 2026 आर्ट्स स्ट्रीम में 477 अंक प्राप्त कर पूरे राज्य में तीसरा स्थान (रैंक-3) हासिल किया है। 95.40 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप-3 में शामिल होने वाली शाजिया की सफलता उनके परिवार की संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि के बावजूद प्रेरणादायक है। उनके पिता कर्नाटक में सिलाई कारीगर हैं और माता शहनाज बानो गृहिणी। प्रारंभिक शिक्षा गांव के मध्य विद्यालय डियामा से प्राप्त करने वाली शाजिया ने माता-पिता के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का श्रेय दिया। मेधावी शाजिया का लक्ष्य भविष्य में आदर्श शिक्षक बनकर समाज सेवा करना है।

मालमाल होंगे बिहार बोर्ड टॉपर्स

बिहार बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2026 में सबसे ज्यादा अंक पाने वाले छात्रों को सरकार द्वारा सम्मानित किया जाता है। इस साल सभी स्ट्रीम में कुल 26 स्टूडेंट्स ने टॉप किया है, जिनमें 19 लड़कियां शामिल हैं। इन सभी टॉपर स्टूडेंट्स को प्राइज मनी, लैपटॉप, मेडल और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

- पहली रैंक- 2 लाख रुपए
- दूसरी रैंक- 1.5 लाख रुपए
- तीसरी रैंक- 1 लाख रुपए
- चौथी रैंक- 30 हजार रुपए
- पांचवी रैंक- 30 हजार रुपए

12वीं कॉमर्स टॉपर लिस्ट में पटना से 5 छात्र

इस साल बिहार बोर्ड बारहवीं कॉमर्स स्ट्रीम में लड़कियों ने बाजी मारी। इस बार सबसे ज्यादा पटना से कुल 5 छात्राओं ने टॉप रैंक हासिल की है। इसमें अदिति कुमारी (96%), माही कुमारी (95.2%), निशिका श्री (95%), वरिशा नौषाद (94.4%) और हर्षिका (94.4%)।
वहीं, वैशाली की मानवी कुमारी और नवादा की श्रेया कुमारी ने भी 94.8% अंक लेकर टॉपर्स की लिस्ट में जगह बनाई।

योगी कैबिनेट में 37 प्रस्ताव आए,35 को मिली स्वीकृति

30 मार्च से शुरू होगी गेहूं खरीद, नवयुग पालिका योजना को मिली मंजूरी, बनेंगे आधुनिक बिजनेस

सीएम योगी की अध्यक्षता में यूपी कैबिनेट ने गेहूं खरीद, नवयुग पालिका योजना, आधुनिक बिजनेस पार्क, मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क और प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक शेड्स परियोजनाओं को मंजूरी दी। योजनाओं से किसानों, नगरीय विकास और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजन और डिजिटल सेवाएं सुनिश्चित होंगी।

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 37 प्रस्ताव आए, जिसमें से कैबिनेट ने 35 को स्वीकृति प्रदान की। इसमें गेहूं खरीद पर भी निर्णय किया गया। कैबिनेट बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पत्रकारों को इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी।

कृषि मंत्री ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपए प्रति कुंतल तय किया गया है। केंद्र सरकार ने गत वर्ष की तुलना में 160 रुपए प्रति कुंतल की वृद्धि की है। रामनवमी के उपरांत 30 मार्च से गेहूं खरीद होगी, जो 15 जून तक चलेगी।

कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 8 एजेंसियों द्वारा 6500 क्रय केंद्र स्थापित होंगे। क्रय केंद्र सुबह 9 से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे।

किसानों को 20 रुपए प्रति कुंतल अलग से दिया जाएगा

कृषि मंत्री ने कहा कि उतराई, छनाई व सफाई के लिए किसानों को 20 रुपए प्रति कुंतल अलग से दिया जाएगा। किसानों ने इस साल प्रदेश के भीतर काफ़ी अच्छी फसल लगाई है। कृषि विभाग ने उन्हें पर्याप्त मात्रा में बीज भी उपलब्ध कराए हैं। पर्याप्त मात्रा में इसकी खरीद की जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं उठाना पड़े।

58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों का होगा समग्र विकास

प्रदेश में स्मार्ट सिटी मिशन के विस्तार और संतुलित शहरी विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में "नवयुग पालिका योजना" को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। राज्य सरकार ने पहली बार नगर निगमों से बाहर के नगरीय निकायों, विशेषकर जिला मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई रूपरेखा तैयार की है।

50 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य

उन्होंने बताया कि खाद्य व रसद विभाग ने 30 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे 50 लाख मीट्रिक टन किए जाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने 48 घंटे के भीतर डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान के भी निर्देश दिए हैं।

5 वर्षों में 2916 करोड़ रुपए का निवेश

योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 583.20 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी, इस तरह 5 वर्षों में कुल 2916 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह पूरी तरह राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना है, जिसमें केंद्र सरकार की कोई भागीदारी नहीं होगी। नवयुग पालिका योजना के माध्यम से स्मार्ट सिटी की तर्ज पर डिजिटल गवर्नेन्स, ई-सेवाओं और तकनीकी समाधान को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नागरिक सेवाएं अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेंगी।

लोहिया जयंती से बिहार दिवस समारोह तक

घूम-घूमकर नीतीश की राजनीति व काम समझ रहे निशांत कुमार

राजनीति को राह दिखाता है लोहिया का समाजवाद

एजेंसी ▶▶| पटना

सोमवार को पटना स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में डॉ. लोहिया की जयंती मनाई गई। पार्टी नेता निशांत कुमार ने इस मौके पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। पत्रकारों से बातचीत करते हुए निशांत कुमार ने कहा कि डॉ. लोहिया का समाजवाद आज भी देश की राजनीति को राह दिखाता है। मेरे पिता सीएम नीतीश कुमार डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों और आदर्शों से अत्यंत प्रभावित रहे हैं। वर्ष 2005 में बिहार की सत्ता संभालने के बाद उन्होंने अपनी नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से लोहिया जी के समाजवादी विचारों को धरातल पर उतारने का काम किया ।

कमजोर तबकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा

उन्होंने कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया की सप्त क्रांति में नर-नारी समानता का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए सीएम ने महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत तथा पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण की ऐतिहासिक व्यवस्था लागू की। इसके साथ ही समाज के वंचित, पिछड़े और कमजोर तबकों को विकास की मुख्यधारा से जोडने का काम किया गया है। निशांत कुमार ने आगे कहा कि वर्ष 2005 से पहले का बिहार जातीय हिंसा की घटनाओं से लहूलुहान था, लेकिन 2005 के बाद मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य ने न्याय के साथ विकास की नीति पर चलते हुए नई विकास गाथा लिखी है और सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

गांधी मैदान में स्टॉलों का निरीक्षण किया

निशांत पटना गांधी मैदान में आयोजित बिहार दिवस समारोह में पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। कहा कि बिहार में काफी बदलाव हुआ है। पिताजी ने जो काम बिहार के लिए किया है वह दिख रहा है।

पेज एक का शेष

जल्द लॉन्च होगा...

पहले टीजर ने इस फोन के लुक और फीचर्स को लेकर हलचल तेज कर दी है। यह फोन ई-कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। रियलमी 16 5जी का डिजाइन न केवल प्रीमियम है, बल्कि यह काफी यूनिक भी नजर आता है। इसके बैक पैनल पर एक हॉरिजॉन्टल कैमरा बार दिया गया है। इसकी बनावट गूगल पिक्सेल 10 सीरीज की याद दिलाती है। इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसका 'सेल्फी मिरर' है।

लंबे वक्त तक बने..

गौरतलब है कि विपक्ष द्वारा बीते कुछ दिनों से लगातार इस मामले पर सरकार से सदन में चर्चा कराने की मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री का ये बयान इसी संदर्भ में दिया गया है। बीते रविवार को उन्होंने हालात का आकलन करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक भी की थी।

बनी रहेगी एलपीजी, पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति : उन्होंने कहा कि भारत समेत दुनियाभर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ ऊर्जा है। जिसे पूरा करने के लिए एक बड़ा स्रोत पश्चिम-एशिया है। जंग के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल, गैस और उर्वरकों जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति मुश्किल हो गई है। लेकिन केंद्र ऐसे तमाम प्रयास करने में लगा हुआ है, जिससे इन चीजों की सप्लाई अत्यधिक प्रभावित न हो। देश के सामान्य नागरिक को कम से कम मुश्किलें आएं, उस ओर हमारा ध्यान केंद्रित है। वर्तमान में भारत में करीब 60 फीसदी एलपीजी आयात की जाती है, जिसकी सप्लाई में अनिश्चितता के कारण हमने घरेलू उपयोग को प्राथमिकता दी है और घरेलू स्तर पर इसके उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। साथ ही पेट्रोल, डीजल की सुचारू आपूर्ति के लिए भी काम किया गया है।

53 लाख मीट्रिक टन से अधिक तेल रिजर्व : प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत द्वारा ऊर्जा सुरक्षा में विविधता के लिए किए गए प्रयास आज अपना असर दिखा रहे हैं। उदाहरण के लिए पहले एलपीजी, एलएनजी जैसी ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिए 24 देशों से आयात होता था। आज ये आंकड़ा बढ़कर 41 देशों तक पहुंच गया है। बीते दशक में हमने ऐसी ही संकट के लिए कच्चे-तेल के भंडारण को प्राथमिकता दी है। जिसके तहत हमारे पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व मौजूद है। इसके अलावा हम 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक के रिजर्व की व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। इसके उलट हमारी तेल कंपनियों के पास जो रिवर्ज रहता है, वो अलग है। पिछले 11 सालों में हमारी रिफाइनिंग क्षमता में भी सराहनीय वृद्धि हुई है। केंद्र विभिन्न देशों के सप्लायरों के साथ संपर्क में है, जिसमें हमारी कोशिश जहां से संभव हो सके। वहां से तेल, गैस की निर्बाध सप्लाई को बनाए रखने पर केंद्रित है।

इथेनॉल ब्लेंडिंग, मेट्रो विस्तार से बढ़ा हौसला : उन्होंने कहा कि पूर्व में उठाए गए हमारे कई कदमों में बीते लगभग 11 साल में पेट्रोल में की जा रही इथेनॉल की ब्लेंडिंग की मात्रा डेढ़ फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी पर पहुंच गई है। जिसकी वजह से हमें सालाना करीब साढ़े चार करोड़ बैरल कम तेल आयात करना पड़ रहा है। रेलवे के विद्युतीकरण से फायदा हुआ है। अगर ये नहीं होता तो हर साल करीब 180 करोड़ लीटर डीजल अतिरिक्त लगता। मेट्रो का नेटवर्क बढ़ाया गया। 2014 में ये 250 किलोमीटर से भी कम था। आज ये बढ़कर 1100 किलोमीटर हो गया है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए केंद्र ने राज्यों को 15 हजार इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए दी हैं। जिस स्तर पर वैकल्पिक ईंधन पर काम हो रहा है। उससे भारत का भविष्य और अधिक सुरक्षित होगा।

भारत के पास अन्न का पर्याप्त भंडार : पीएम नरेंद्र मोदी ने सदन में कहा कि देश के किसानों ने हमारे अन्न के भंडार भरे हुए हैं। इसलिए देश के पास पर्याप्त खाद्यान्न है। सरकारी कोशिश खरीफ सीजन में ठीक से बुआई पर केंद्रित है। बीते वर्षों में हमने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए खाद की पर्याप्त व्यवस्था भी की है। पूर्व में भी केंद्र ने वैश्विक संकटों का अन्नदाताओं यानी किसानों पर प्रभाव नहीं पड़ने दिया था। उन्होंने कोरोनाकाल और उसके साथ शुरू हुए युद्धों के दौरान प्रभावित हुई अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन की मिसाल देते हुए कहा कि तब जब विश्व के बाजार में यूरिया की एक बोरी की कीमत 3 हजार रुपए तक पहुंच गई थी। भारत के किसानों को यही एक बोरी यूरिया 300 रुपए से भी कम कीमत पर उपलब्ध कराया गया था।

किसानों संग हमेशा खड़ी रहेगी सरकार : किसान ऐसे संकटों से कम से कम प्रभावित हों, उसके लिए कई कदम उठाए हैं। जिसमें बीते 1 दशक में देश में 6 यूरिया प्लांट शुरू किए गए हैं, जिनसे सालाना 76 लाख मीट्रिक टन से अधिक की यूरिया उत्पादन क्षमता जुड़ी है। इसी दौरान डीएपी, एनपीकेएस जैसी खाद का घरेलू उत्पादन 50 लाख मीट्रिक टन बढ़ाया गया है। तेल, गैस के माफिक खाद के आयात में भी विविधता के साथ विकल्पों का विस्तार किया है। केंद्र ने किसानों को मेड इन इंडिया नैनो यूरिया का विकल्प दिया है, प्राकृतिक खेती के लिए भी बढ़ावा दे रहे हैं। पीएम कुसुम योजना से 22 लाख सोलर पंप दिए हैं। जिससे डीजल पर निर्भरता घटी है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि सरकार किसानों की हर संभव मदद करती रहेगी।

सभी पावर प्लांट के पास है पर्याप्त कोयला : पीएम ने ये भी कहा कि युद्ध की एक बड़ी चुनौती देश में शुरू हो रहे गर्मी के मौसम से जुड़ी हुई है। जिसमें बिजली की मांग भी बढ़ेगी। लेकिन भारत के सभी पावर प्लांट के पास कोयले का पर्याप्त स्टॉक है। इतना ही नहीं भारत ने लगातार दूसरे साल 100 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया है। बिजली उत्पादन से लेकर सप्लाई तक के समूचे तंत्र की निरंतर निगरानी जारी है। हमारी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से आता है। हमारी नवीकरणीय ऊर्जा आज 250 गीगावाट के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गई है। 11 साल में हमने अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को 3 से बढ़ाकर 140 गीगावाट तक पहुंचाया है। 40 लाख सोलर रूफटॉप लगे हैं, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से भी लाभ हुआ है। गोबरधन योजना से देश में 200 कंप्रेस बायोगैस प्लांट काम कर रहे हैं। भावी तैयारी, शांति एक्ट के माध्यम से परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया दिया गया है। छोटी हाइड्रो पावर विकास योजना को दी गई मंजूरी से आगामी वर्षों में 1500 मेगावाट नई हाइड्रो पावर क्षमता जोड़ी जाएगी।

अलर्ट पर सभी एजेंसियां, रुकेगी जमाखोरी : उन्होंने आमजन से अपील से की हमें धीरज, संयम और शांत मन से इस चुनौती का मुकाबला करना है। यही हमारी वास्तविक पहचान के साथ ही असल ताकत भी है। लेकिन हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने की कोशिश करेंगे, उन्हें कतई सफल नहीं होने देना है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली सभी एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। तटीय से लेकर सीमा, साइबर सुरक्षा और सामरिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को पहले के मुकाबले और चाक-चौबंद बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने देश की सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वो अपने यहां कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें। संकटकाल में ये सक्रिय हो जाती हैं। इसलिए इन पर पैनी निगरानी की दरकार है। जहां से भी ऐसी शिकायतें आती हैं। वहां जल्द से जल्द एक्शन लिया जाना चाहिए। देश की हर सरकार, हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे। तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकते हैं

देश लौटे 3.75 लाख से अधिक भारतीय : क्षेत्र में भारत के 1 करोड़ नागरिक रहते हैं। संघर्ष के बीच अभी तक कुल करीब 3 लाख 75 हजार से अधिक लोग स्वदेश लौटे हैं। ईरान से अभी तक 1 हजार लोग वापस आए हैं। जिनमें लगभग 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। खाड़ी के भारतीय स्कूलों में हजारों छात्र पढ़ते हैं, सीबीएसई ने इन सभी स्कूलों में दसवीं, बारहवीं की तय परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे। उसके लिए बोर्ड उचित कदम उठा रहा है। इसके अलावा इलाके के समुद्र में जो जहाज चलते हैं, उनके चालक दल में भारतीयों की बड़ी भागीदारी है। लेकिन युद्ध के आगाज के साथ इससे जूझ रहे तमाम देशों में मौजूद देश के नागरिकों को हर संभव मदद दी जा रही है। इसमें हमारे कूटनीतिक मिशन अहम भूमिका निभा रहे हैं। वे 24 घंटे काम कर रहे हैं, जिसमें जरूरी परामर्श जारी किए गए हैं। विशेष कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी दिए हैं और इनके जरिए सहायता दी जा रही है। मेरी इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई बातचीत में भी सभी ने मुझे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया है। दुर्भाग्य से कुछ लोगों की संघर्ष के बीच मृत्यु हो गई है। जबकि कुछ घायल हैं। परिजनों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। जो घायल हैं, उनका बेहतर इलाज सुनिश्चित कराया जा रहा है।

द्विपक्षीय व्यापार को...

इन कदमों से बढ़ेगा व्यापार : जयशंकर के मुताबिक, हमें भारत-यूरेशियन आर्थिक यूनियन मुक्त व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए लगातार प्रयास करने की आवश्यकता है। जिससे हम गैर-टैरिफ बाधाओं और नियामकीय अड़चनों के मसले से पार पाते हुए कुशल भारतीय कार्यबल का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। यहां बता दें कि दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने दिसंबर 2025 में की गई अपनी उच्चस्तरीय वार्ता की मदद से एक पंचवर्षीय रोडमैप के गठन पर जोर दिया था। जिसकी मदद से द्विपक्षीय व्यापार से जुड़े 100 बिलियन डॉलर के लक्ष्य की प्राप्ति हो सकेगी। उन्होंने कहा कि दोनों देश सिविल परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी अहम भागीदार है। कुंडनकुलम परमाणु परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। भारत अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक 100 गीगावाट तक पहुंचाना चाहता है। जिसे लेकर मुझे पूरा विश्वास है कि इसकी मदद से हमें रूस में एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार मिलेगा और हम परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण इस्तेमाल करेंगे।

पीएम मोदी की ...

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पिछले साल के अंतिम महीने में की गई नई दिल्ली की यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों पक्ष अपने वार्षिक व्यापार को 2030 तक 68.7 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संयुक्त संसदीय...

नाम लिए बगैर गृह मंत्री ने कसा तंज : दरअसल ये पूरा मामला प्रश्नकाल की समाप्ति के बाद दोपहर 12 बजे सदन में घटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनुमति से वित्त मंत्री ने इस विधेयक को सदन में पेश किया। लेकिन उससे पहले विपक्ष के विभिन्न दलों जैसे कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और द्रमुक के सांसदों ने पुरजोर अंदाज में इसका विरोध किया। जिसे लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में इसे लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर विपक्षियों पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष ने जेपीसी की मांग नहीं की है। इन्हें क्या हो गया है? इनके नेता (राहुल गांधी) का इन पर इतना असर क्यों है?

कांग्रेस ने बताया असंवैधानिक : कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने सदन के नियम 72 (1) का उल्लेख करते हुए विधेयक का विरोध किया और कहा कि इसमें संवैधानिक और कानूनी खामियां हैं। जिसे देखते हुए हम इसका विरोध कर रहे हैं। इसके जरिए सरकार कॉर्पोरेट अपराधों को अपराधों की श्रेणियों से बाहर करना चाहती है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद प्रो.सौगत राय ने कहा, मैं सदन के नियम 72 के तहत इसके विपक्ष में खड़ा हूं। मेरी सबसे बड़ी आपत्ति ये है कि ये संशोधन विधेयक कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के प्रावधान को शिथिल करता है। जिससे खासतौर पर छोटी कंपनियों के लिए सीएसआर के दायित्व का पालन करना भविष्य में अनिवार्य नहीं रह जाएगा। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस संबंध में नियम तोड़ने वालों को सजा देने की बात कही थी। अब मौजूदा सरकार व्यापार की सुगमता यानी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नाम पर अपने ही पुराने रुख से यू-टर्न ले रही है। द्रमुक की टी.सुमति ने कहा कि विधेयक के जरिए सरकार ऑडिटर कंप्लायंस के प्रावधान को भी कमजोर करने जा रही है। इसी तरह से सपा के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी इस विधेयक का विरोध किया।

पुष्टाहार उपभोक्ता संयुक्त संघ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पोषण आहार सप्लाई में बड़ा खेल! नेफेड की पारिदर्शिता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में पोषण आहार आपूर्ति को लेकर गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। इसमें विभाग के अलावा भारत सरकार की विभाग द्वारा नामित केंद्रीय एजेंसी नेफेड पर आरोप है कि उसने आपूर्तिकर्ताओं के चयन में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा के नियमों की अनदेखी की है। हालांकि अधिकारी इस आरोप को पूरी तौर से ठुकरा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि सभी औपचारिकताओं के अनुरूप चयन किया जा रहा है पुष्टाहार की पूरी गुणवत्ता का ख्याल रखा जा रहा है।

ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को भी लाभ

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार पूर्व में ब्लैकलिस्ट की जा चुकी कंपनी के अतिरिक्त चार कंपनियाँ- नोखा एग्रोटेक, हार्दिक एग्रीटेड, सीआर गलोइल और एमवी एग्रोटेक कम्पनियां सिंडीकेट बनाकर इस प्रक्रिया में शामिल हो सकती हैं। उपभोक्ता सयुक्त संघ का आरोप है कि ये सभी कम्पनियां आपस में कर्टेल के रूप मिलकर टेंडर प्रक्रिया में शामिल हो रही हैं।

खाद्य उद्योगों के लाइसेंस

उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य उप्पाद बनाने वाली फैक्टी के लिए चार पांच प्रकार के लाइसेंस अनिवार्य होते हैं। इनमें पर्यावारण विभाग, खाद्य विभाग, जीएसटी, उद्योग विभाग प्रमुख हैं। कुछ लाइसेंस उद्योग लगने से पहले लिए जाते हैं तो कुछ उद्योग के उत्पादन के बाद मिलते हैं। पर कानपुर देहात के गांव उमरां अखबरपुर में लग रही फैट्री को सभी लाइसेंस उत्पादन से पहले की ही मिल गए। इसी तरह फक्ट्री निर्माण करा रहे लोगों ने बताया कि वहां उत्पादन होने में कम से कम छह महीने का वक्त लगेगा। फिर भी उसे विभाग ने लाइसेंस दे दिए हैं।

जेल से छूटे अनंत सिंह, 129 दिन बाद जीत का जश्न

पटना। मोकामा के चर्चित और बाहुबली विधायक अनंत सिंह हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद बेउर जेल से छूट गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मोकामा टाल में पुराने दबंग दुलारचंद यादव की हत्या के केस में 1 नवंबर को गिरफ्तार अनंत सिंह 142 दिनों से जेल में बंद थे। अनंत सिंह के पटना आवास पर चुनाव नतीजों के 129 दिनों के बाद जीत का जश्न शुरू हो गया है। मंगलवार को पटना से करीब 120 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए बड़हिया स्थित महारानी स्थान जाकर पूजा-अर्चना करेंगे।

नई दिल्ली ,मंगलवार
24 मार्च 2026
हरिभूमि सहेली

बोझ चाहे काम, खर्चों, फिजूल की बातों का हो या फिर घर में मौजूद अनावश्यक सामानों का हो, जीवन अव्यवस्थित हो जाता है। इससे बचने के लिए कई लोग अब मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल अपना रहे हैं। मतलब इसमें वे अपनी प्राथमिकताएं तय करके सादगी भरा सरल जीवन जीना पसंद कर रहे हैं। जानिए, क्या है यह मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल।

सुकून भरी जिंदगी के लिए मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

सरल जीवन की चाह में अब लोग मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल को अपना रहे हैं। मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल का मतलब है, कम से कम सामान, कम खर्च, कम काम, कम बोझ और आरामदायक जीवन। यह जीवनशैली हमें जिंदगी में केवल आवश्यक और महत्वपूर्ण चीजें रखना सिखाती है। जिससे जीवन अव्यवस्थित ना रहे, एक मानसिक शांति मिले। इस जीवनशैली में हम अनावश्यक भौतिक वस्तुओं से बचते हुए, अच्छे अनुभवों और रिश्तों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह जीवनशैली जीवन को सरल, तनावमुक्त बनाती है। मिनिमलिज्म का उद्देश्य केवल कम से कम भौतिक वस्तुओं से नहीं है बल्कि विचार, समय और ऊर्जा का समझदारी से प्रबंधन भी है। यह प्रबंधन व्यक्तिगत संतोष और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने में मदद करता है, हमें अपना जीवन अर्थपूर्ण लगता है।

लोग चाहते हैं सस्टेनेबल लाइफस्टाइल

फिजूल खर्ची से होने वाले नुकसान के कारण अब लोग धीरे-धीरे यह समझने लगे हैं कि अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना समय और धन की बर्बादी है। आजकल लोग सस्टेनेबल लाइफस्टाइल चाहते हैं। वे महंगी और आकर्षक दिखने वाली चीजों से दूर रहने लगे हैं, सादगीपूर्ण जीवन जीने के लिए ईको फ्रेंडली वस्तुओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। अकसर यह सुनाई देता है, फलां व्यक्ति लाखों की सैलरी पैकेज और मेट्रो सिटी का विलासपूर्ण जीवन छोड़कर गांव में जाकर रह रहा है। बिना किसी खाद और कीटनाशक के ऑर्गेनिक खेती कर रहा है। यहां तक कि कुछ लोग पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी के घर भी बना रहे हैं। जहां गर्मियों में एसी जैसे उपकरणों की जरूरत नहीं होती। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहता है। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाना बहुत जरूरी है। जैसे कि आजकल जागरूक लोग विवाह जैसे सामाजिक समारोह में भोजन परोसने के लिए प्लास्टिक की डिस्पोजेबल प्लेट और गिलास इस्तेमाल करने के बजाय पत्तलों और मिट्टी के कुल्हड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है, मध्यवर्गीय परिवारों में अधिकतर एक के बजाय दो गाड़ियां होती हैं, लेकिन सेहत के प्रति जागरूक लोग छोटी दूरी के लिए साइकिल का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे प्रदूषण नहीं होता, साथ ही ऊर्जा के संसाधनों की भी बचत होती है।

अपनी प्राथमिकता तय करें

समय के बदलाव के हिसाब से हमें जीना सीखना चाहिए। आज हमें अपने आपको मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल के लिए तैयार करना होगा। इसके लिए सबसे पहले हम अपनी प्राथमिकताओं को समझें और तय करें। अनावश्यक सामान और फिजूल की बातों से मुक्त हों। घर में सिर्फ वही सामान रखें, जो जरूरी और उपयोगी हों। सामान को कम करने के लिए, दिमागी रूप से तैयार रहें। अपने जरूरी कामों और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें, इससे हम अव्यवस्था से दूर रहेंगे।

अपनाएं साधारण और शांत जीवनशैली

हमें साधारण और शांत जीवनशैली अपनाने की भरसक कोशिश करनी चाहिए, जिसमें कम चीजों के बावजूद हमें खुशी और संतोष मिले। हमें अपने समय को सही दिशा में निवेश करना चाहिए। हर दिन की शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ करें। घर के लिए खरीदारी करते समय सामानों की सूची बना लें, उसी के अनुसार जरूरी सामानों की खरीदारी करें ताकि फिजूल की चीजें घर ना आएं। कुछ लोग दिखावे के लिए अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह घर में कर लेते हैं, इससे बचें। आज लोग यह समझने लगे हैं कि असली खुशी वस्तुओं और धन के संग्रह से नहीं मिलती, इसके लिए मन का सुकून बहुत जरूरी है। यदि हम जीवन में सच्ची खुशी चाहते हैं तो धन के प्रदर्शन और अनावश्यक वस्तुओं के खरीदने से बचें। ऐसा करने से हमें एक मानसिक शांति और खुशी मिलेगी, इससे हमें कुछ रचनात्मक करने का अवसर मिलेगा, जो हमें एक पहचान दे सकता है। ❀

बदल रही है सोच और आदतें

बीते जमाने में महिलाओं के पास बस एक-दो महंगी साड़ी होती थी, जो त्योहारों में या शादी में पहनी जाती थी, लेकिन नए जमाने में बहुत सी महिलाएं नई-नई साड़ी या तरह-तरह की फैंसी पोशाकें पहनने लगीं। लेकिन इधर यह सोच बदली है। देखने में आ रहा है, अब बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी एक बार पहनी हुए ड्रेस को दोबारा पहन कर लोगों के सामने सादगी की मिसाल पेश कर रही हैं। एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में अपनी मेहंदी का लहंगा दोबारा पहना। यह देखकर लोगों ने ना केवल प्रशंसा की, बल्कि वे भी इस अच्छी आदत को अपना रहे हैं। महानगरों में अधिकतर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। उनके पास इतनी जगह नहीं होती कि वह ढेर सारा सामान रख सकें। ऐसे में बर्तन, वस्त्र, घरेलू उपकरण या अन्य सामान जरूरतमंदों में बांट देते हैं। इस नेक काम में कुछ लोग स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद भी करते हैं। आजकल लोग समय के साथ ऐसी चीज खरीदने लगे हैं, जिनकी वाकई में जरूरत होती है। यहां तक कि नई पीढ़ी अब शादी-ब्याह में ब्राइडल ड्रेस, ज्वेलरी आदि किराए पर लेने लगी है। छोटे बच्चे भी माता-पिता की सादगी भरी जीवनशैली से सीख लेकर उन्हीं के पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

किसी हादसे या दिल पर चोट पहुंचाने वाली बात पर मन का उदास होना स्वाभाविक है, लेकिन जब छोटी-छोटी बातों से आपका मूड बिगड़ा रहे, तनाव में रहे, आप उदास दिखें तो यह सही नहीं है, इस तरह आप एंग्जाइटी का शिकार हो सकती हैं। इससे कैसे बचें, उपयोगी सलाह।

क्या अकसर होता है आपका मूड ऑफ!

सलाह
प्रतिभा अग्निहोत्री

बहुत से लोगों का मूड अकसर बिगड़ा रहता है। जरा सा कुछ उनके मन माफिक नहीं हुआ कि मूड ऑफ! वह खामोश होकर बैठ जाएंगे, बेचैन से दिखेंगे। मूड जब देखो तब ऑफ ना रहे, सही रहे, आप खुश दिखें, इसके लिए आप क्या करें, जानें-

प्रकृति के नजदीक जाएं: अमेरिका से प्रकाशित होने वाले सिटीज जर्नल के अनुसार पौधों की कटाई, छंटाई और खुदाई के दौरान हमारा ध्यान आस-पास की चिंताओं और परेशानियों से हट जाता है। जब भी आपका मूड सही ना हो, मन उदास हो तो आप अपने घर के गार्डन अथवा नजदीक के पार्क में जाएं और वहां के फूलों, पत्तियों और पेड़ों को गौर से देखें, आप एक ताजगी महसूस करेंगी, बहुत जल्दी आपका मूड सही हो जाएगा।

सुबह की चाय: विभिन्न शोधों के अनुसार चाय स्वाभाविक मूड बस्टर फ्लेवोनॉयड्स का बहुत अच्छा स्रोत होता है, इसलिए सुबह की चाय मानसिक और शारीरिक थकावट दूर करके ताजगी देने वाली होती है। यदि संभव हो तो अपने पार्टनर के साथ बालकनी या गार्डन में बैठकर प्रकृति का आनंद लेते हुए साथ-साथ चाय पिएं, इस दौरान आप चाय पीते-पीते अपने मन की बात अपने पार्टनर से कहकर मन हल्का कर सकती हैं।

मनचाहा काम करें: लिखना, पढ़ना, संगीत सुनना, पेंटिंग या गायन आदि कार्य जिन्हें करने से आपके मन को सुकून मिलता हो, उन्हें करने का प्रयास करें। यदि आप मूवी की शौकीन हैं तो मूवी देखें, हो सकता है शुरुआत में आपका कुछ भी करने का मन न हो, फिर भी आप स्वयं को व्यस्त रखने का प्रयास करें। कुछ समय पश्चात आपका मूड एकदम सही हो जाएगा।

घर को व्यवस्थित करें: शोध बताते हैं कि अगर घर या कमरे में सब कुछ अस्त-व्यस्त है तो मूड उखड़ जाता है, हम तनावग्रस्त हो जाते हैं, इसलिए जब भी आपको अपना मूड बिगड़ा दिखे तो आप अपने घर, कमरे या कवर्ड को व्यवस्थित करें, बेड की चादर बदलें, घर के फर्नीचर की जगह बदलें, फ्लॉवर बेस में ताजे फूल लगाएं, किचेन की चीजों को व्यवस्थित करें। इससे घर में आपको नवीनता लगेगी, आप काफी हद तक बेहतर फील करेंगी।

हाइड्रेट रहें: रिसर्च के अनुसार शरीर में पानी की कमी से कब्ज और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है, जिसका सीधा असर मूड पर भी पड़ता है, इसलिए दिन में कम से कम 10 ग्लास पानी अवश्य पिएं। इससे आप स्वयं को तरोताजा महसूस करेंगी। यदि खाली पानी नहीं पी पाती हैं तो इसमें नीबू का रस, मिंट लीव्स डालकर एक जग या बोतल में रखें और इस फ्लेवर्ड पानी को छानकर पिएं। गर्मी के मौसम में आप शरीर को शर्बत, जूस, शेक्स पीकर और तरबूज, खरबूज जैसे फलों का सेवन करके भी हाइड्रेट रख सकती हैं। इससे आपका मूड सही रहेगा।

योगा और एक्सरसाइज करें: योगा, वॉकिंग और एक्सरसाइज करने से हमारा शरीर एकदम फिट और फाइन रहता है। जब भी आपका मन कुछ अपसेट हो तो आप वॉकिंग करने चली जाएं या फिर घर पर ही योगा करें, इससे आपके अंदर डोपामाइन हार्मोन रिलीज होगा और मन की उदासी काफी हद तक दूर हो जाएगी।

हमेशा सकारात्मक रहें: मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'जब मूड सही ना हो तो आप अपने जीवन की अच्छाइयों, अच्छी घटनाओं और अपने से जुड़े अच्छे लोगों के बारे में सोचें, इससे आपके मन के नकारात्मक विचार गायब होंगे।' शोध बताते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत हों परंतु सकारात्मक विचारों से उन पर सुगमता से विजय पाई जा सकती है। ❀

रिश्ते तो बहुत से लोगों के होते हैं, लेकिन जीवन में एकाध लोग ही ऐसे होते हैं, जिनसे रिश्ते बहुत अलग और खास होते हैं। ये रिश्ते शब्दों में बयां नहीं किए जा सकते, बस अहसास किए जा सकते हैं। ये रिश्ते हमे संरक्षित करते हैं, हमारा संबल और मनोबल होते हैं।

तुमसे कुछ अनूठा और खास है रिश्ता

संबंध
अंजू जैन

हमारी जिंदगी में एक या दो लोग ऐसे जरूर होते हैं, जिनको देखकर हमारे मुख से अनायास ही निकल जाता है, 'कुछ खास और अनूठा है तुमसे मेरा रिश्ता।' यह रिश्ता ऐसा होता है, जो समय की कसौटी पर तपकर 'रूहानी' बन जाता है। चाहे बचपन की सहेली हो, पति-पत्नी हों, मां-बेटी हों या ननद-भाभी, इनसे प्रेम पगा ऐसा रिश्ता हो जाता है, जो हमारे अस्तित्व को मुकम्मल करता है। इस रिश्ते के अहसास बहुत गहरे होते हैं। ऐसे रिश्ते की और क्या पहचान होती है, जानिए-

यह रिश्ता उपयोग नहीं अहसास के लिए है: अकसर हम रिश्तों का महत्व उसकी उपयोगिता से आंकते हैं, लेकिन जो अनूठे रिश्ते होते हैं, वे 'उपयोग' के लिए नहीं, 'अहसास' के लिए होते हैं। ये वे लोग होते हैं, जो आपकी सफलता पर आपसे ज्यादा खुश होते हैं, आपकी विफलता में आपके सबसे मजबूत संबल बनते हैं। यह ऐसा गहरा रिश्ता होता है, जिसमें खुद को साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पति-पत्नी के बीच की स्वीकृत खामोशी कभी असहज नहीं लगती या दो भाइयों और सहेलियों के बीच का भरोसा 'चाहे कुछ भी हो जाए, साथ खड़े हैं', यही रिश्तों की गहराई होती है, सच्चा प्यार होता है।

बिन कहे सुन लेना: गहरे रिश्तों की पहली पहचान खामोशी है। जब आप दुखी हों और सामने वाला सिर्फ आपकी आंखों को देखकर आपकी पीड़ा समझ ले, तो समझिए यह रिश्ता रूहानी है। यहां शब्दों के सहारे की कोई जरूरत नहीं पड़ती।

कभी नीचा नहीं दिखाएगा: अनूठा रिश्ता वह होता है, जहां आप अपनी बड़ी से बड़ी गलती बिना डरे साझा कर सकें। यह रिश्ता आपको सुधार सकता है, डांट सकता है, लेकिन आपको कभी नीचा नहीं दिखाएगा।

छोटी-छोटी बातों का जश्न: गहरे रिश्तों में खुश रहने के लिए किसी बड़े उत्सव की जरूरत नहीं होती। साथ बैठकर चाय पीना, पुरानी यादें ताजा करना या बस चुपचाप टहलना भी एक बड़ा जश्न बन जाता है।

वक्त और फासले बेअसर: कुछ दोस्त-सहेलियां सालों बाद मिलती हैं, लेकिन बातचीत वहीं से शुरू होती है, जहां छोड़ी थी। गहरे रिश्तों पर न तो वक्त की धूल जमती है, ना ही दूरी कोई मायने रखती है।

एक-दूसरे की खुशियों में निवेश: जब दो सहेलियों, ननद-भाभी या मां-बेटी का गहरा रिश्ता होता है, तो उनकी जीत निजी नहीं रह जाती। एक की कामयाबी दूसरे की आंखों में चमक बनकर दिखती है। जलन और प्रतिस्पर्धा के लिए यहां कोई जगह नहीं होती।

मीठा ही नहीं कहे कड़वा सच भी: गहरा रिश्ता वह नहीं है, जो सिर्फ मीठा बोले बल्कि वह है, जो कड़वा सच भी प्यार से कहे। जो आपकी गलतियों पर पर्दा डालने के बजाय आपको आईना दिखाए, वही आपका सच्चा हितैषी है। यही सच्चे रिश्ते की पहचान है।

संकट में सबसे पहला ख्याल: जब जीवन में कोई बड़ा संकट आता है, तो जिस व्यक्ति का चेहरा आपके दिमाग में सबसे पहले आता है, वही आपका सबसे गहरा रिश्ता होता है। वह आपका 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) होता है।

बिना शर्त स्वीकार्यता: आप जैसे हैं, अपनी खामियों, सनक और खूबियों के साथ आपको स्वीकार करे, आपको उस रिश्ते में रहने के लिए कोई मुखौटा पहनने की जरूरत नहीं पड़े, यही सच्चा-गहरा रिश्ता है। इस बात को हम समझें कि रिश्तों में दरार तब आती है, जब हम सामने वाले को अपनी इच्छा के अनुसार ढालना चाहते हैं। रिश्तों की खूबसूरती इसी में है कि आप व्यक्ति को उसकी खूबियों और खामियों के साथ वैसा ही स्वीकार करें, जैसा वह वास्तव में है। ❀

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बहुत फायदेमंद है मेनीक्योर-पेडीक्योर

मेनीक्योर और पेडीक्योर केवल नाखूनों की सफाई ही नहीं है बल्कि यह सेल्फ केयर की एक जरूरी कड़ी है, जिससे स्वास्थ्य लाभ होता है, सुंदरता में निखार आता है, रक्त संचार बढ़ता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इनके फायदों के बारे में यहां बता रहे हैं।

बेहतर ब्लड सर्कुलेशन: जब आप मेनीक्योर और पेडीक्योर करवाती हैं तो शरीर में बेहतर रक्त संचार होता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। इससे आपकी स्किन टाइट होती है जिससे चेहरे और हाथों-पैरों की झुर्रियां कम दिखती हैं और आप जवां दिखती हैं। शरीर में बेहतर रक्त संचार दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक होता है।

संक्रमण की रोकथाम: आपके हाथ-पांव दिन में बार-बार जमीनी सतह के संपर्क में आने से गंदगी, धूल, मिट्टी आदि से खराब हो जाते हैं, जिसकी वजह से आपके नाखून गंदे हो जाते हैं और आपकी त्वचा अकसर खराब हो जाती है। नियमित मेनीक्योर और पेडीक्योर नाखूनों को साफ और सुव्यवस्थित रखने में मदद करते हैं, जिससे नाखूनों में फंगल और जीवाणु संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। नाखूनों के इर्द-गिर्द मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने से और क्यूटिकल की उचित केयर से फंगल और अन्य प्रकार के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। पैरों के नाखूनों को साफ रखने, छोटा रखने और नियमित रूप से काटने से आपके नाखून अंदर की तरफ बढ़ते हैं जिससे हर तरह के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है और हाथों को भी यही फायदा मिलता है। हमारे नाखूनों में नियमित रूप से गंदगी जमा होती रहती है या कुछ न कुछ फंसा रहता है और उन्हें साफ और पॉलिश रखने से काफी फायदे होते हैं। मेनीक्योर और पेडीक्योर में पोषक क्रीम और तेलों का प्रयोग किया जाता है जोकि मॉयश्चराइज करते हैं, जिससे नाखून टूटते नहीं हैं और इनमें धब्बे भी नहीं पड़ते हैं।

तनाव होता है कम: मेनीक्योर और पेडीक्योर में मसाज के दौरान मांसपेशियां रिलेक्स होती हैं, जिससे तनाव कम होता है। मसाज के प्रेशर और मूवमेंट से तनाव रिलीज हो जाता है और इससे सेहत और तंदुरुस्ती को प्रमोट करने में मदद मिलती है। मसाज आपके हाथों और पैरों की नसों को शांत करती है, जिससे तनाव को संतुलित किया जा सकता है।

नाखून-त्वचा के लिए यूजफुल: मेनीक्योर और पेडीक्योर नाखूनों को गहराई से साफ करते हैं। इस तकनीक से सारी गंदगी साफ हो जाती है। क्यूटिकल को ट्रिम करने से हैंगनेल (नाखूनों के आसपास की त्वचा) में होने वाली पीड़ा को रोका जा सकता है और नाखूनों को मजबूत और स्वास्थ्यवर्धक तरीके से बढ़ने में मदद मिलती है। ❀

डाइट सजेशन
संध्या पांडेय
चीफ डाइटीशियन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

डिलीवरी के बाद केवल शिशु ही नहीं मां को भी अपनी हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के अनुसार मां को अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव लाने की जरूरत होती है। इस बारे में बहुत यूजफुल सजेशंस।

डिलीवरी के बाद कैसी हो मां की डाइट-लाइफस्टाइल

जब कोई महिला मां बनती है तो नवजात शिशु की देखभाल के साथ अपनी सेहत के प्रति भी उसकी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। डिलीवरी के बाद की इस अवस्था को लैक्टेशन पीरियड कहा जाता है। जन्म के बाद शुरुआती छह महीने तक शिशु पूरी तरह मां के दूध पर निर्भर रहता है। ऐसे में उसे पर्याप्त पोषण की जरूरत होती है। यह तभी संभव होगा, जब मां हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल अपनाएं।

शरीर को चाहिए पर्याप्त पोषण: डिलीवरी के बाद अकसर महिलाओं के शरीर में खून की कमी हो जाती है, उनके शरीर में हार्मोन संबंधी बदलाव भी आते हैं। ऐसे में रिकवरी के लिए उन्हें पर्याप्त मात्रा में पोषण की जरूरत होती है। इस दौरान पौष्टिक और संतुलित आहार खाने से उनकी सेहत में तेजी से सुधार होता है। नवजात शिशु को फीड कराने वाली मांओं को रोजाना लगभग 300-400 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है, जिसकी आपूर्ति के लिए उन्हें अपनी डाइट में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस से युक्त फूड्स को शामिल करना चाहिए।

उनकी डाइट में रोजाना कैल्शियम की मात्रा 1000 से 1300 मिलीग्राम के बीच होनी चाहिए। इसके लिए अपनी डेली डाइट में दूध, दही, पनीर और हरी सब्जियां शामिल करें।

प्रोटीन भी है जरूरी: डिलीवरी के बाद अपनी सेहत की रिकवरी और नवजात शिशु के पोषण के लिए महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की भी जरूरत होती है। इसके लिए उन्हें हर तरह की दालों, सोयाबीन और स्प्राउट्स का सेवन करना चाहिए। मिल्क प्रोडक्ट्स से भी उनके शरीर को प्रोटीन का पोषण मिल जाता है। ड्राय फ्रूट्स और कई तरह के सीड्स का सेवन भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

बढ़ाएं लिक्विड की मात्रा : नवजात शिशु को फीड कराने वाली महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। उन्हें रोजाना कम से कम एक लीटर दूध और आठ से दस ग्लास तक पानी पीना चाहिए। संतरा, अनार, मौसंबी और अंगूर जैसे फलों का सेवन भी फायदेमंद होता है। लेकिन जूस निकालकर पीने के बजाय सीधे इन फलों का सेवन अधिक फायदेमंद होता है।

हर्ब्स-मसाले भी हैं फायदेमंद : फल, दूध, सब्जियों के अलावा डिलीवरी के बाद महिलाओं को कुछ और चीजों को शामिल करना फायदेमंद होता है। मसलन, गुड़, जीरा, गोंद, हल्दी, सोंठ, मेथी से बने लड्डू और अजवाइन का पानी आदि। ये चीजें इंफेक्शन से बचाव में मददगार होने के साथ शरीर के इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती हैं। अजवाइन का पानी पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के साथ पेट में बनने वाली गैस को भी दूर करता है।

अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली: शिशु की देखभाल की वजह से अकसर मां की नींद बाधित होती है, जिसकी वजह से उन्हें कई तरह की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं परेशान करती हैं। ऐसी समस्याओं से बचाव का बेहतर तरीका यही है कि दिन के वक्त जब बच्चा सो रहा होता है तो उसी दौरान आप भी अपनी अधूरी नींद पूरी कर लें। शरीर को फिट रखने के लिए रोजाना वॉक करें। घी-तेल और मिर्च-मसाले के अत्यधिक सेवन से बचें। अगर इन बातों का ध्यान रखेंगी तो अपने शिशु के साथ आप भी पूरी तरह स्वस्थ रहेंगी। ❀

प्रस्तुति: विनीता

जीआई टैग का उपयोग कर रतलामी सेव की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बनाएं पहुंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र सरकार के प्रयासों से रतलाम के सेव (रतलामी सेव-मोटे किस्म का नमकीन), शिवपुरी की जैकेट और मुरैना की गजक जैसे उत्पाद प्रदेश की पहचान बन चुका है। खासकर 'एक जिला एक उत्पाद यानि ओडीओपी' योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के पारंपरिक उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग कर उन्हें वैश्विक स्तर तक पहुंचाना है।

मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप रविवार को रतलाम में एक जिला एक उत्पाद समिट 2026 को संबोधित कर रहे थे। समिट में उद्यमियों के अलावा निवेशकों और अधिकारियों ने सहभागिता की। उन्होंने उद्यमियों से अपील की है कि वे जीआई टैग का अधिकतम उपयोग कर रतलामी सेव के उत्पाद को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थापित करें। सबका प्रयास हो कि रतलामी सेव के नाम के साथ काम भी विश्व स्तरीय हो।

क्षेत्रीय पहचान को मजबूत कर नए उद्योगों का होगा बहुमुखी विकास | रतलामी सेव पर केंद्रित एक जिला एक उत्पाद समिट 2026 सम्पन्न

समिट को संबोधित करते मंत्री कश्यप।

जीआई टेग दिलवाने वाले शैलेन्द्र गांधी को सम्मानित किया

मंत्री काश्यप ने समिट मे रतलाम सेव को जीआई टेग दिलवाने वाले शैलेन्द्र गांधी को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एमएसएमई मंत्री काश्यप एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत उद्बोधन मनोहर पोरवाल अध्यक्ष रतलामी सेव मंडल ने दिया। आयुक्त एमएसएमई दिलीप कुमार ने कार्यक्रम में विभागीय पहलों एवं एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

बी2बी एवं जी2बी मीटिंग्स

कार्यक्रम में रतलामी सेव की उत्पत्ति, विकास यात्रा एवं विशिष्टताओं पर डिजिटल प्रस्तुति दी गई। प्रतिभागियों को ऐतिहासिक एवं व्यावसायिक महत्व, मार्केटिंग एवं लॉजिटिक्स से अवगत कराया गया। उत्पादन, गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा मानक और निर्यात अवसर पर चर्चा की गई। उत्पादन, शेल्फ लाइफ, निर्यात एवं बीएसएम सत्र मे उत्पादन, गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा मानक, निर्यात अवसर एवं क्रेता-विक्रेता मीटिंग (बीएसएम) के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान बी2बी एवं जी2बी मीटिंग्स, वन-टू-वन इंटरैक्शन तथा क्रेता-विक्रेता मीटिंग का आयोजन किया गया, जिससे स्थानीय उद्यमियों को संभावित खरीदारों एवं संस्थागत साझेदारों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

स्थानीय उद्यमों के विकास के लिए प्राथमिकता

मंत्री काश्यप ने रतलाम की सेव के व्यवसाय को पहचान दिलाने के लिए किए गए कार्यों एवं रतलामी सेव को विश्व स्तर पर पहचान दिलवाने वाले व्यक्तियों और व्यावसाईयो का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हैं। स्थानीय उद्यमों के विकास के लिए प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने के लिए प्राथमिकता से काम करते हुए उद्यमियों को प्रदेश मे निवेश के लिए अनुकूल वातावरण देने के लिए औद्योगिक नीति को सरल बनाया है। उन्होंने उद्यमियों से अनुरोध किया कि वे जिले में आकर रतलाम सेव के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के काम मे सहयोग करें।

जीडीपी में कृषि का योगदान लगभग 30-40 प्रतिशत

मंत्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी रतलाम के सेव का उल्लेख किया है, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में उद्योगों को विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में राज्य की जीडीपी में कृषि का योगदान लगभग 30-40 प्रतिशत है, जबकि उद्योगों का योगदान करीब 20 प्रतिशत है,जिसे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हकृवि में खरीफ कृषि मेले का शुभारंभ किया

किसान देश की ताकत, राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका

■ मुख्यमंत्री ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं राष्ट्र निर्माता भी है। आपकी मेहनत से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। आपकी समृद्धि में ही देश की समृद्धि संभव है। सीएम सैनी सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आज नवरात्र के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ कृषि मेले का आयोजन किया गया है, जो सतत कृषि-समृद्धि की राह विषय पर आधारित है। सीएम ने किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

किसानों को सशक्त कर रही डबल इंजन सरकार

डबल इंजन सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए खेती को लाभकारी उद्यम में बदलने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों जैसे गिरता जल स्तर, मृदा उर्वरता में कमी और जलवायु परिवर्तन का जिक्र करते हुए आधुनिक और सतत खेती अपनाने पर जोर दिया। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, प्राकृतिक और जैविक खेती, तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को समय की आवश्यकता बताया।इस मौके पर सीएम ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया। कृषि मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने मेले में लगाई गई विभिन्न स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ कमल गुप्ता, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक विनोद भयाणा, विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव मौजूद रहे।

पंजाब सरकार के मुंह से ईमानदारी का नकाब उतरा : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री बोले, आप सरकार के भ्रष्टाचार से पंजाब की जनता दु:खी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का ईमानदारी का नकाब अब उतर चुका है। यही नहीं, पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी सरकार की वादाखिलाफी व भ्रष्टाचार से त्रस्त है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को यहां आयोजित कृषि मेले के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पंजाब की जनता हरियाणा में विकास के माहौल और कल्याणकारी योजनाओं का उदाहरण दे रही है, क्योंकि राज्य सरकार ने किसानों, व्यापारियों, महिलाओं और युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र किसानों को समर्पित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के गोकुलपुरा गांव में नवनिर्मित पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का उदघाटन किया। इस केन्द्र के निर्माण कार्यों पर 1167.17 लाख रूपये की धनराशि खर्च की गई है। गौरतलब है कि इस अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 63 एकड़ भूमि पर किया गया है जो ग्राम पंचायत गोकलपुरा की ओर से आबंटित की गई है। राज्य सरकार की ओर से इस केन्द्र के लिए वैज्ञानिक और सहायक स्टाफ के कुल 93 पदों को मंजूरी दी गई है। इस अनुसंधान केन्द्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी आदि जैसे मोटे पोषक अनाज (श्रीअन्न) पर अनुसंधानों को और गति मिलेगी।

अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री को दिया गोहाना रैली का न्योता

चंडीगढ़। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास संत कबीर कुटीर पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने आगामी 29 मार्च को गोहाना की नई सब्जी मंडी में आयोजित होने वाली गोहाना विधानसभा धन्यवाद एवं विकास रैली में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को औपचारिक निमंत्रण दिया।
डॉ. शर्मा ने बताया कि रैली सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भाग लेंगे।

निवेश, नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

मप्र बनेगा स्पेसटेक नीति-2026 से अंतरिक्ष तकनीक का प्रमुख केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र को स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मप्र स्पेसटेक नीति-2026 लागू की है। यह नीति स्पेसटेक नवाचार, विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीक आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देकर प्रदेश को भारत की तेजी से विकसित हो रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है और भारत इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। मप्र अपनी मजबूत औद्योगिक संरचना, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, डिफेंस कॉरिडोर और उभरते टेक्नोलॉजी इको सिस्टम के कारण स्पेसटेक निवेश के लिए एक अनुकूल और आकर्षक गंतव्य बन रहा है। यह नीति प्रदेश की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को भविष्य उन्मुख तकनीकी नेतृत्व में बदलने का एक दूरदर्शी प्रयास है, जो युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेगी और प्रदेश को स्पेसटेक सेक्टर में नई पहचान दिलाएगी। कौशल विकास से तैयार होगा भविष्य का कार्यबल स्पेसटेक सेक्टर में योग्य मानव संसाधन तैयार करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 20 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। छात्रों को 6 माह तक 10 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। साथ ही कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के लिए 50 हजार रुपए तक सहायता और शोधकर्ताओं के लिए स्पेसटेक फेलोशिप का भी प्रावधान किया गया है।

स्पेसटेक इको सिस्टम के समग्र विकास का विजन

स्पेसटेक नीति-2026 अंतरिक्ष क्षेत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी क्षेत्रों के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है। इसमें सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल कंपोनेंट निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। नीति में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा।

अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया आधार

नीति में स्पेसटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां अनुसंधान, नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्मालसेट डिजिटल ट्विन लैब एण्ड स्पेस इनोवेशन सैंडबोक्स जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उज्जैन में खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित कर प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा।

टीवी, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन जैसे लाखों के उपकरण खाक

लापरवाहीः गलत बिजली कनेक्शन के कारण घरों में हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिले की ग्राम पंचायत खैरवाही में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। वार्ड नंबर दो, बजरंग चौक पर मरम्मत कार्य के दौरान कथित तौर पर गलत बिजली कनेक्शन किए जाने से हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित हो गया।

इसके चलते ग्रामीणों के घरों में रखे टीवी, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन और पंखे जैसे लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खाक हो गए। भारी नुकसान से आक्रोशित ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ जुलूस निकालकर मुआवजे की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि 22 मार्च को बिजली खंभे पर सुधार कार्य किया गया था। कर्मचारियों के वापस जाते ही जैसे ही बिजली आपूर्ति शुरू हुई, उच्च ताप (हाई वोल्टेज) के कारण उपकरणों से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारियों की तकनीकी चूक की वजह से यह हादसा हुआ है।

ग्रामीणों ने किया बिजला ऑफिस का घेराव

आर्थिक नुकसान झेल रहे पीड़ित ग्रामीणों ने एकजुट होकर बिजली विभाग के अधिकारियों का घेराव किया। जुलूस की शक्ल में कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने मांग की है कि बिजली आपूर्ति को तत्काल दुरुस्त किया जाए और हुए नुकसान का उचित आकलन कर मुआवजा दिया जाए। अधिशाषी अभियंता, विद्युत विभाग शरद कुमार ने बताया कि आपके माध्यम से जानकारी मिली है। आवेदन मुझ तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि क्या पूरा मामला है, क्यों ऐसी घटना घटित हुई? इसकी जांच कराई जाएगी और यदि यह मुआवजे के दायरे में आता है तो मुआवजा भी दिया जाएगा।

कल सीएम साय बलौदाबाजार से ऑनलाइन करेंगे ट्रांसफर

लाखों भूमिहीन हितग्राहियों के खातों में ट्रांसफर होगी 10 हजार रूपये की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के शिल्पकार भूमिहीन कृषि मजदूर अब आर्थिक सुरक्षा के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। प्रदेश की 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत इस साल 4 लाख 95 हज़ार 965

भूमिहीन हितग्राहियों के खाते में सीधे 10 हजार रुपये की धनराशि प्रत्येक हितग्राही की दर से ट्रांसफर की जायेगी। 25 मार्च को बलौदाबाजार की धरती से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ये राशि ऑनलाइन ट्रांसफर करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। इस सूची में 22 हजार 28 बैगा और गुनिया परिवार भी शामिल हैं, जो राज्य की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के रक्षक हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष भी इस योजना के माध्यम से रिकॉर्ड सहायता प्रदान की थी। साल 2025 में कुल 5,62,112 हितग्राहियों को 10 हजार रुपये के हिसाब से 562 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये की राशि वितरित की थी।

योजना की बड़ी विशेषता इसका समावेशी स्वरूप

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका समावेशी स्वरूप है। इस वर्ष की लाभार्थी सूची में 22,028 बैगा और गुनिया परिवार भी शामिल हैं। ये वे लोग हैं जो हमारी प्राचीन औषधीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखे हुए हैं। सरकार ने इन्हें मुख्यधारा से जोड़कर यह संदेश दिया है कि 'अंत्योदय' की कतार में खड़ा आखिरी पंक्ति के व्यक्ति भी शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य इन परिवारों को सालाना एक निश्चित आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपनी बुनियादी जरूरतों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं को बिना किसी कर्ज के पूरा कर सकें। इन्हें पूर्व में दी जाने वाली 7 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर अब 10,000 रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है, जो सीधे लाभार्थियों

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित उर्फ अच्चू, पुत्रः राजेंदर, निवासीः एल–232, रघुबीर नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 189/2012, U/s: 356/379/411/34 IPC, पुलिस थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित उर्फ अच्चू** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित उर्फ अच्चू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** के अभियुक्त **रोहित उर्फ अच्चू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.04.2026** या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार,**

सुश्री मोक्षा बैंस
जेएमएफसी–11, पश्चिम, कमरा नंबर 31,
DP/3649/OD/2026 **तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तगण **1. जफीर उई–हक, पुत्रः शेख जोखन, 2. लाल मोहम्मद, पुत्रः नजमुद्दीन, 3. मोहम्मद जोआर, पुत्रः सुपर, 4. मोहम्मद सविर, पुत्रः मोहम्मद जोखिम, 5. मोहम्मद अख्तर अली, पुत्रः भिखारी दीवान, 6. रामेश्वर साहनी, पुत्रः रामदेव साहनी, समस्त निवासीः एल–315, लक्ष्मण पुरी, नबी करीम, दिल्ली, 7. महाराज, 8. मोहम्मद जबी उल्लाह, पुत्रः निसार आलम, निवासीः एल–288, लक्ष्मण पुरी, नबी करीम, दिल्ली,** ने **FIR No.: 123/2012, U/s: 370/374/342/34 IPC, पुलिस थाना नबी करीम, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. जफीर उई–हक, 2. लाल मोहम्मद, 3. मोहम्मद जोआर, 4. मोहम्मद सविर, 5. मोहम्मद अख्तर अली, 6. रामेश्वर साहनी, 7. महाराज** और **8. मोहम्मद जबी उल्लाह** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. जफीर उई–हक, 2. लाल मोहम्मद, 3. मोहम्मद जोआर, 4. मोहम्मद सविर, 5. मोहम्मद अख्तर अली, 6. रामेश्वर साहनी, 7. महाराज** और **8. मोहम्मद जबी उल्लाह** फरार हो गऐं है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना नबी करीम, दिल्ली** के अभियुक्तगण **1. जफीर उई–हक, 2. लाल मोहम्मद, 3. मोहम्मद जोआर, 4. मोहम्मद सविर, 5. मोहम्मद अख्तर अली, 6. रामेश्वर साहनी, 7. महाराज** और **8. मोहम्मद जबी उल्लाह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 27.04.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
जेएमएफसी–05 (केंद्रीय), कमरा संख्या–241,
DP/3505/CD/2026 **तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

प्रदेश का 4.38 लाख करोड़ का बजट बढ़ाएगा आर्थिक विकास की गति, किसान समृद्धि पर विशेष ध्यान

18.48 लाख करोड़ रूपये तक पहुंचेगी मध्यप्रदेश की जीएसडीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में मोहन सरकार के अथक प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था 2026-27 में 18.48 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। राज्य के बजट प्रावधानों को देखते हुए उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2025-26 में जीएसडीपी 16.48 लाख करोड़ रुपए रही जो अब बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए के बजट में विकास, सामाजिक सुरक्षा और अधोसंरचना विस्तार को केंद्र में रखा है।

सरकार के प्रयासों से स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष के अंत में 44 करोड़ रुपए का राजस्व आधिक्य रहेगा। बजट में अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए 80 हजार 266 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। यह राज्य के जीएसडीपी का 4.80 प्रतिशत है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों, शहरी अधोसंरचना और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी।

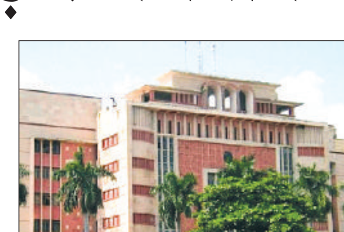

फाइल फोटो।

कई प्रमुख विभागों के आवंटन में उल्लेखनीय

विकास योजनाओं को गति देने के लिए कई प्रमुख विभागों के आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। ग्रामीण विकास विभाग के बजट में 37 प्रतिशत, नगरीय विकास एवं आवास विभाग में 16 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत, राजस्व विभाग में 43 प्रतिशत और स्कूल शिक्षा विभाग में 11 प्रतिशत की वृद्धि होगी। आगामी वर्ष में ग्रामीण आधारभूत संरचना, शहरी सुविधाओं और सामाजिक क्षेत्र को मजबूत बनाया जाएगा।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 17 प्रतिशत राशि

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए इस वर्ष 23 हजार 747 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। वहीं सामाजिक और आर्थिक उत्थान से जुड़ी योजनाओं के लिए 1 लाख 83 हजार 708 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 26 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 17 प्रतिशत राशि निर्धारित है। बजट में नई दीर्घकालिक योजनाओं की भी घोषणा की गई है। द्वारका योजना के तहत अगले तीन वर्षों में 5 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। स्वामित्व योजना के लिए 3 हजार 800 करोड़ रुपए तथा यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के लिए 700 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालन गतिविधियों को बल मिलेगा।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी

राज्य की राजकोषीय स्थिति के अनुसार कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 8 हजार 703 करोड़ रुपए अनुमानित हैं, जबकि पूंजीगत प्राप्तियां 80 हजार 694 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वर्ष 2026-27 में अधोसंरचना विकास, कृषि सशक्तिकरण, महिला कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को गति देने के साथ राज्य की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की रणनीति पर काम होगा।

चिंतन

युद्ध के अल्पविराम को पूर्ण विराम में बदलने का वक्त

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच हालात इस ओर इशारा कर रहे हैं कि अब बंदूकें खामोश होने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। सवाल यह है कि क्या दुनिया इस मौके को पूर्ण विराम में बदल पाएगी, या फिर यह विराम अगली भीषण टकराहट का सिर्फ एक अंतराल बनकर रह जाएगा? इस संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके झटके पूरी दुनिया को झकझोर देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया। ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है। यह एक स्पष्ट संदेश है कि तकनीकी और सैन्य श्रेष्ठता आज भी निर्णायक भूमिका निभाती है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी जवाबी कार्रवाई से यह साबित कर दिया कि वह दबने वाला नहीं है। उसने न केवल अपने क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखा, बल्कि सैन डियागो पर असफल हमला कर पश्चिमी देशों को यह चेतावनी भी दी कि किसी भी आक्रामक कदम की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यही वह बिंदु है, जहां यह युद्ध अपने "औचित्य" की सीमा पर पहुंच चुका है। जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी ताकत का प्रदर्शन कर चुके हैं और एक-दूसरे को संदेश दे चुके हैं, तब संघर्ष को जारी रखना केवल विनाश को आमंत्रण देना होगा। युद्ध का उद्देश्य यदि राजनीतिक या सामरिक बढ़त हासिल करना था, तो वह काफी हद तक पूरा हो चुका है। अब आगे की लड़ाई केवल संसाधनों की बर्बादी और मानवता के खिलाफ अपराध बनकर रह जाएगी। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दर्शाता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। हालांकि, ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें, अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दर्शाती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि बारूद की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध का यह अल्पविराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।

विश्लेषण
राज कुमार सिंह

दुनिया पर भारी पड़ता जंग का जुनून

> सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दर्जन शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का यह चौथा सप्ताह है, लेकिन शांति की कोशिशों के बजाय उसे भड़काने का जुनून ही सिर चढ़ कर बोल रहा है। जंग के पक्ष और सफलता को लेकर इन देशों के अपने-अपने तर्क और दावे हो सकते हैं, पर हकीकत डरावनी होती जा रही है। इस बीच अफवाह युद्ध भी जारी है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के मर जाने या घायल होने का दावा अमेरिका और इजराइल कर रहे हैं तो जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत का दावा किया जा रहा है।

सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दजर्न शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं। अमेरिका अब कन्फ्यूज्ड ज्यादा नजर आ रहा है।

कभी ट्रंप कहते हैं कि किसी देश की मदद नहीं चाहिए तो कभी गुहार लगाते हुए धमकाते हैं। अभी तक कह रहे थे कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज बंद होने से अमेरिका को फर्क नहीं पड़ता तो अब 48 घंटों में न खुलने पर भयावह परिणामों की धमकी दे रहे हैं। अपनी जवाबी कार्रवाई से चौंका रहे ईरान ने भी धमकी दे दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया गया तो वह भी अमेरिका के मित्र खाड़ी देशों के ऊर्जा ही नहीं, पेयजल संयंत्रों को भी ठिकाना बनाएगा। ध्यान रहे कि इन देशों में उपलब्ध ज्यादातर जल खारा है, जिसे इन संयंत्रों में पीने योग्य बनाया जाता है। ईरान के नतांज परमाणु केंद्र को निशाना बनाया गया तो उसने भी इजराइल के डिमोना परमाणु केंद्र पर हमला करने में देर नहीं लगाई। विडंबना यह है कि जंग के इन जुनूनी बोलों के बीच शांति की समझदारी के सुर अभी तक कहीं से भी सुनाई नहीं पड़े हैं। याद रहे कि रूस और यूक्रेन युद्ध के सीमित दायरे के बावजूद युद्ध विराम की कोशिशें और दावे नजर आये थे। अनेक संघर्ष विराम का श्रेय लेते हुए अपने लिए शांति का नोबेल पुरस्कार मांगते रहे ट्रंप ने भी जल्द रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने के दावे किए थे। उसी क्रम में उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को अमेरिका बुलाकर अपमानित किया तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी कई बार बात की, लेकिन बात बनी नहीं और युद्ध चार साल बाद भी जारी है, जिसमें लगभग 18 लाख सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। इक्कीसवीं शताब्दी में विश्व व्यवस्था की विद्रूपता देखिए कि खुद को शांतिदूत बताने वाले ट्रंप ने ही इजराइल के साथ मिल कर ईरान पर हमले से खुद दुनिया को बड़ी जंग में धकेल दिया है। रूस और यूक्रेन

की तरह इजराइल-अमेरिका और ईरान के पास अपनी जंग को जायज ठहराने के तर्क हैं। इजराइल और ईरान अरसे से एक-दूसरे की आंखों में खटकते रहे हैं। अमेरिका भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हौव्वा दिखा कर दुनिया को डराता रहा है। परमाणु कार्यक्रम तथा हमास, हूती और हिजबुल्लाह सरीखे आतंकी संगठनों को कथित ईरानी मदद के मुद्दे पर अमेरिका और ईरान में तीसरे देश में वार्ताएं भी चलीं। 26 फरवरी को जिनेवा में हुई वार्ता में ईरान परमाणु कार्यक्रम सीमित रखने पर राजी भी हो गया था, बशर्ते उसके विरुद्ध 1979 से लागू अंतराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा लिए जाएं, जिनके चलते उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।

आतंकी संगठनों को कथित मदद पर अगली वार्ता में बात आगे बढ़ पाती, उससे पहले ही इजराइल के साथ मिलकर अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोल दिया। अब जबकि ईरान ने मित्र देशों के अलावा सभी के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद कर दिया है, ट्रंप की मदद की गुहार उनके दोस्त देश भी नहीं सुन रहे। हाल के इतिहास में विश्व व्यवस्था में अमेरिका इतना अकेला कभी नहीं दिखा। बड़े सुरक्षा अधिकारी जो केंट द्वारा इस्तीफा देते हुए किए गए इस खुलासे ने भी ट्रंप को कठघरे में खड़ा कर दिया है कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं। खामेनेई शासन की कट्टर इस्लामी व्यवस्था के विरोध में ईरान में प्रदर्शन किसी से छिपे नहीं रहे। दमनचक्र के चलते हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। अमेरिका और इजराइल को लगा कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही असंतोष और मुखर हो जाएगा, जिसका फायदा उठाते हुए ईरान में कठपुतली सरकार बनवाकर अकूत तेल और गैस संसाधनों पर कब्जा कर लिया जाएगा।

खामेनेई के खात्मे के बाद ईरानियों से सड़कों पर निकल कर सत्ता पर कब्जा कर लेने का आह्वान भी किया गया, लेकिन विदेशी आक्रमण के चलते वह आंतरिक असंतोष भी बीते वक्त की बात लगता है। दशकों से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध झेलने के बावजूद आधुनिकतम हथियारों से लैस अमेरिका और इजरायल को ईरान जंग में जैसा जवाब दे रहा है, लगता नहीं कि युद्ध जल्द समाप्त होगा। अमेरिकी सैन्य अड्डे वाले खाड़ी देशों को निशाना बनाने के साथ ही अमेरिका और इजराइल पर भी ईरान सीधे हमले कर चौंका रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट कितना गहरा सकता है, इसका संकेत इसी से मिल जाता है कि हाल तक भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने वाला अमेरिका ही अब उस समेत तमाम देशों को रूस से कच्चा तेल खरीदने को कह रहा है। ईरान से तेल खरीद पर लगा प्रतिबंध भी कुछ समय के लिए हटा लिया गया है। तीन सप्ताह की जंग में ही कच्चे तेल और गैस की कीमतों में आया उछाल बेहद मुश्किल वक्त की आहट ही है, लेकिन जंग के जुनून के बीच शायद कोई उसे सुनना नहीं चाहता।

लंबी जंग से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली मार आर्थिक मंदी का कारण भी बन सकती है। वैसे यह आपदा रूस और अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए जबर्दस्त कमाई का अवसर बन गई है। पिछले महीने कच्चा तेल 52 डॉलर प्रति बैरल बेचने वाला रूस अब 100 डॉलर प्रति बैरल बेच रहा है। अंजाम तो समय बताएगा, लेकिन असर बता रहा है कि दुनिया का चौधरी बनने की सनक में ट्रंप ने दुनिया को ऐसी जंग में झोंक दिया है, जिससे निकलना तो मुश्किल होगा ही, उसके असर से बच पाना नामुमकिन होगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जल संरक्षण
डॉ. शंकरलाल शास्त्री

जल ही जीवन है, इसे बचाएं

जल है तो कल है। जल का ही दूसरा नाम जीवन भी है। प्रतिवर्ष जल दिवस के भी आयोजन होते हैं। चारों और बड़े-बड़े विज्ञापन छापे जाते हैं, जल दिवस के दिन जल बचाने की बात की जाती है पर क्या एक दिन के चिंतन और जागरूकता से हम कल के लिए जल बचा पाएँगे? प्रायः मैं अपने उद्बोधनों और लेखों में इस बात का उल्लेख करता आया हूँ कि घर में होने वाले हर मांगलिक कार्य में जल की पूजा की जाती है। यदि पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो स्मरण हो आते हैं वे दिन जब जलस्रोतों के थोड़े ही नीचे से जल बड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाया करता था पर आज तो जल रसातल में भी रिक्त होते जा रहा है। धरती मां का यह अमृत का पर्याय कहा जाने वाला 'जल' हमारे प्राचीन वाड्मय में देव रूप में न केवल पूजा का आधार है बल्कि हर शुभ कार्य में इसकी पूजा का भी विधान है।

हम बचपन में अपने बड़ों के साथ अपने पैतृक गांव से क़रीब बीस - तीस किलोमीटर दूर की पैदल यात्रा करते थे। मुझे स्मरण है एक पुराना प्रसंग। जब मेरे गांव के एक मार्ग में रामपुरा की नदी आती। नदी के बीचों-बीच एक जलस्रोत यानी जलकूप बना था। वहाँ रस्सी से बंधी काठडी से पानी निकालते और सभी लोग पीनी पीते। चूँकि उस दौर में लगभग आठ-दस हाथ नीचे ही नदियों जैसे स्थलों में पानी होता था। पानी निकाल कर हाथ से दोनों हथेलियों को जोड़कर पानी पीते। पानी इतना मीठा और स्वादिष्ट होता कि पीते ही सारी थकान दूर हो जाती। वैज्ञानिक संदर्भों ने भी सिद्ध किया है कि जल हमारी थकावट को दूर कर देता है। इसी तरह एक गांव से दूसरे गांव को जाते। मार्ग में शिव मंदिर और जलकुंड होते। वहाँ भी ऐसे ही पानी निकालते मात्र दो-तीन हाथ नीचे ही पानी होता। पानी पीकर बरगद बाबा के नीचे विश्राम करते फिर अगले पड़ाव के लिए रवाना होते। आज वे जलस्रोत वीरान और सूखे पड़े हैं। पानी रसातल में गया।

जैसे सूक्तियां हमारा पथ-प्रदर्शन करती हैं किन्तु वे ही सूक्तियां यदि नकारात्मकता की दृष्टि से लिखी जाएं तो वे जनमानस को निराश ही करती हैं ठीक वैसे ही जल ही हमारा कल है किन्तु यदि इसका अनावश्यक दोहन किया जाए तो यह देश के लिए घातक है। विश्व जल दिवस के मौके पर ही प्राचीन जल स्रोतों को देखने और जल स्रोतों को बचाने के लिए हम अपने पैतृक गाँव कुशालीराम ,किशोरपुरा के लिए निकल पड़े। जहाँ अपना बचपन बिताया था जिन जल स्रोतों का पानी पीकर हम बड़े हुए। जिन जल स्रोतों के पास बैठकर बचपन बिताया था तथा प्रकृति माँ की शरण में जी पाए। चार दशक पुराने उस कुएँ को भी देखा। हम स्कूल के छोटे-छोटे बाल सखा घर आते और कुएँ पर चरसा में पानी पीते। पानी कितना मीठा और पाचक होता था कहने की आवश्यकता नहीं। विश्व जल दिवस को गाँव के पुराने जल स्रोतों को देख मन उदास था। आज तीन - चार दशक पुरानी यादें ताज़ा होने लगी जब चारों ओर खेतों में हरियाली छाई रहती थी। अब चारों ओर सूखा ही सूखा नजर आ रहा था। जंगलों को भू-माफिया हथिया रहे हैं। शायद अब जन -जागृति से इसे बचाया जा सकता है। 'बिन पानी सब सून' के भाव को गौण कर लोग कूपों के जल को टैंकरों में भर -भर कर चांदी कूट रहे हैं। भुजबल, धनबल और अपने -अपने आकाओं की आड़ में इस धरती मां के अमृत को व्यर्थ नष्ट करने में लगे हैं। बचपन में हम रात्रि में जब घर के बाहर चारपाई डालकर सोते और पिताजी एवं बड़ों से जल बचाने की सीख भरी राजा-रानी के क़िस्से सुनते थे। उन कहानियों में छिपा एक गहरा संदेश भी हम सहजता से समझ जाते थे। खेतों में सिंचाई की जाती तो गर्मी के मौसम में रात्रि को सोते समय सुकून और शांति देने वाली हवा चला करती किंतु वे दिन अब कहाँ? आज कुएँ सूने और वीरान पड़े थे। पानी की बूँद-बूँद की सीख देने वाली दादी माँ और ममतामयी मां अब इस दुनिया में न थीं। उस कालखंड में गांव की चौपाल पर गांव के बुजुर्ग, पिताजी और चाचाजी कैसे जल शुद्धि के लिए हमें सिखाया करते थे। अब तो ये सब बच्चों को बताने के लिए हमें चित्रों के माध्यम से एक काल्पनिक सी फिल्म की पटकथा सी लिखनी होती है। हमारे बुजुर्ग वर्षा जल को एकत्रित करने के लिए हमें प्रेरित करते थे। वे हमें बचपन की गूँजती मधुर किलकारियाँ और पाटी-पोथी लेकर स्कूल जाते देख कितने ख़ुश होते थे। खुशहाल समय का आकलन अच्छी वर्षा और भरपूर जलस्रोतों से होता था। हम प्रकृति माँ की छाँव और जल देव का अमृत पान कर ही हम जीवन जी पा रहे हैं। क्यों न हम फिर से हमारे प्राचीन जल स्रोतों को बचाने और जल संरक्षण का संकल्प लें। आत्मा ख़ुशी से झूम उठेगी।

इसी विचार के साथ हमने अपने पैतृक गाँव में जल संरक्षण को लेकर विचार मंथन किया और वर्षा जल से पहले ही जल को संरक्षित करने की नीति से जुड़े पक्ष भी रखे। सच में यदि हम कल के लिए आज न चेते तो वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूँद के लिए हमें कोसों दूर तक पलायन करना होगा। ऐसी स्थिति आज बहुत से स्थानों पर आ चुकी है। घर-घर जल मिशन कब शुरू होगा यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा है। पिछले सात वर्षों से हमारे घर के नल में पानी की एक बूँद भी नसीब नहीं। टैंकरों की मनमर्ज़ी के अनुसार पैसे देकर पानी पीते हैं। हमें जल बचाने के लिए जल स्रोतों को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। मैंने गांव के क़रीब उस जोहड़ को भी देखा जब गर्मी की छुट्टियों में बचपन में हम गायें चराया करते थे। गायें जंगल में चरकर जोहड़ में छक कर पानी पीतीं। आज पानी न के बराबर था। हमारी संस्कृति में कुओं को धार्मिकता से जोड़ा गया है। पहले कुएँ खुदवाए जाना और बनवाना बहुत सम्मान की बात मानी जाती थी। भगवान भास्कर की किरणें कुओं में समाए जल में पड़ती। हम स्वस्थ रहते थे। आज गिरता भूजल स्तर चिंता का विषय है इसे हमें संरक्षित करना ही होगा।

-लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

सारे जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है

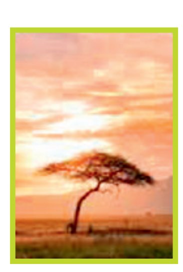

संकलित
दर्शन

हम दीपावली अमावस की रात को मनाते हैं! दीयों की पंक्तियां बाहर जला लेते हैं, पर दीये तो भीतर नहीं जा सकते। भीतर की अमावस तो अमावस ही रहेगी। धोखे छोड़ो! इसे स्वीकार करो कि तुम बुझे हुए दीपक हो। अपने ही कारण तुम बुझे हुए हो। अपने ही कारण भीतर प्रकाश नहीं जागा। कहां चूक हो गई है? वस्तुतः हमारी सारी जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। इस बहिर्यात्रा में ही हम भीतर अंधेरे में पड़े हैं। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी। तुम्हारा सारा प्रकाश बाहर पड़ रहा है। सबको देख लेते हो, अपने प्रति अंधे रह जाते हो। जिसने स्वयं को न देखा, उसने कुछ भी न देखा। तुम्हारे भीतर का दीया कैसे जले, सच्ची दीपावली कैसे पैदा हो? उसके सूत्र हैं बड़े मधु-भरे! पीओगे तो जी उठोगे। ध्यान धरोगे इन पर, संभल जाओगे। डुबकी मारोगे इनमें, तो तुम जैसे हो वैसे मिट जाओगे और तुम्हें जैसा होना चाहिए, वैसे ही प्रकट हो जाओगे। सूत्र यह है कि जिस प्रकाश को तुम खोज रहे हो, वह तुम्हारे भीतर बैठा है। तुम्हारी खोज के कारण ही तुम उसे नहीं पा रहे हो। तुम दौड़े जाते हो। थकते हो, गिरते हो। जिसे तुम खोजने चले हो, उस मालिक ने तुम्हारे घर में बसेरा किया हुआ है। तुम जिसे खोजने चले हो, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। खोजने वाले में ही छिपा है। वह जो गंतव्य है, कहीं दूर नहीं, कहीं भिन्न नहीं, गंता की आंतरिक अवस्था है। अगर उसे देखना हो, उसके प्रति चैतन्य से भरना हो तो आंखें उलटाना सीखना पड़ेगा। यही ध्यान है।

दान की बड़ी महिमा

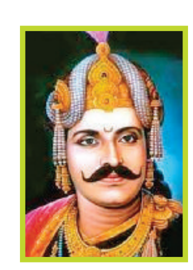

संकलित
प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करे।

रामनवमी की तैयारी

राम नवमी पर्व से पहले हैदराबाद में सोमवार को एक कलाकार भगवान राम की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ।

आज की पाती

ईरान की नीति और ऊर्जा संकट

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। बहरहाल, यह लड़ाई अब बातचीत के जरिए खत्म होनी चाहिए। *- प्रवीण ठाकुर, दुर्ग*

ट्रेंड

लोहिया को श्रद्धांजलि

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वे एक बहुमुखी व्यक्तित्व थे जिन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत की प्रगति में योगदान दिया। लैंगिक समानता और सहभागी शासन पर उनके विचार भी उतने ही उल्लेखनीय हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कच्चे तेल का भंडारण

बीते दशक में भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। आज भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्व है और 65 से अधिक की व्यवस्था पर देश काम कर रहा है।
- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

प्रेरणा स्रोत

महान क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। देश के लिए बेख़ौफ लड़ते हुए उनका संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

नया उत्तर प्रदेश कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति को अपना रहा है। पुच एआई के साथ 25,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन से राज्य में एआई पार्क, बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर अवसंरचना, एआई कॉमन्स और एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित होंगे।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

करंट अफेयर

व्हाइट हाउस के समीप स्थापित की गई कोलंबस की प्रतिमा

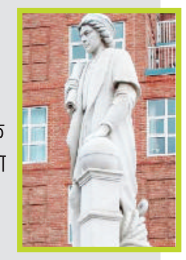

इतालवी खोजकर्ता क्रिस्टोफर कोलंबस की एक प्रतिमा को अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर सरकारी कार्यालय परिसर में स्थापित किया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा इस कथित विवादित खोजकर्ता को सम्मान देने के प्रयास का हिस्सा है। यह उस प्रतिमा की प्रतिकृति है, जिसे 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान देशभर में संस्थागत नस्लवाद के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच बाल्टीमोर के बंदरगाह में फेंक दिया गया था। ट्रंप पारंपरिक रूप से कोलंबस को 1492 के उस अभियान के नेता के रूप में देखते हैं, जिसे अमेरिका में यूरोपीय उपनिवेशवाद की अनौपचारिक शुरुआत और आधुनिक आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था के विकास का आधार माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में कोलंबस को पश्चिमी यूरोप द्वारा 'न्यू वर्ल्ड' उसके संसाधनों और मूल निवासियों के दमन और शोषण के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। 'न्यू वर्ल्ड' से तात्पर्य अमेरिका (उत्तरी, दक्षिणी और मध्य अमेरिका) और आसपास के द्वीपों से है व्हाइट हाउस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इस व्हाइट हाउस में क्रिस्टोफर कोलंबस एक नायक हैं और राष्ट्रपति ट्रंप यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियों तक उन्हें इसी रूप में सम्मानित किया जाए।'

ऑफ बीट

खटमल एक वैश्विक समस्या इसके बारे में जानकारी कम

खटमल छोटे, उड़ने से लाचार कीड़े होते हैं जो मानव रक्त पर जीते हैं। कई प्रजातियां हैं, लेकिन सबसे अधिक लोगों को जिस प्रजाति का पता है वह साइमेक्स लेक्टुलरियस है। रोमनों ने उन्हें साइमेक्स कहा, जिसका अर्थ है बग। 1758 में बहुत बाद में प्राकृतिक इतिहासकार कार्ल लिनिअस ने इनके नाम के साथ 'लेक्ट्युलरियस' को जोड़ा, जिसका अर्थ है बिस्तर या सोफा। हमारा रक्त उनके पोषण का मुख्य स्रोत है, लेकिन वह जीने के लिए अन्य जानवरों का खून भी पीते हैं, जैसे पक्षियों, पालतू जानवरों और चमगादड़ों आदि का। खटमल में एक जटिल आंत माइक्रोबायोटा होता है, जो उन्हें हमारे रक्त से आवश्यक सभी पोषक तत्वों को निकालने में मदद करता है। किशोरों को एक जीवन चरण से दूसरे में विकसित होने के लिए रक्त भोजन की आवश्यकता होती है - इसलिए, वयस्क बनने के लिए, प्रत्येक खटमल को कम से कम पांच रक्त भोजन की आवश्यकता होगी। वयस्क खटमल, हालांकि, भोजन के बिना पूरे वर्ष जीवित रह सकते हैं। वे उड़ नहीं सकते। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, चलने से वह बहुत दूर नहीं जा सकते, लेकिन यह घर में हर तरफ फैल जाते हैं। और खटमल ज्यादा दूर तक जाने के लिए इनसानों का इस्तेमाल करते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

तमिलनाडु चुनावः अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच सीटों के बंटवारे पर सहमति बनी

अन्नाद्रमुक 178 और भाजपा 27 सीटों पर लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा सोमवार को हो गया है। कुल 234 सीटों वाली विधानसभा में गठबंधन की प्रमुख पार्टी अन्नाद्रमुक (अन्नाद्रमुक) ने सबसे बड़ा हिस्सा बरकरार रखते हुए 178 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। भाजपा को 27 सीटें मिली हैं, जबकि पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) को 11 सीटें आवंटित की गई हैं। यह समझौता चेन्नई में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी की मौजूदगी में हुआ।

चेन्नई स्थित एआईएडीएमके मुख्यालय में समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंद्रन, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास और अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कज़गम (एएमएमएक) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन जैसे अन्य एनडीए नेता भी उपस्थित थे।

पीएमके को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम को 11 सीटें आवंटित

समझौते के अनुसार, भाजपा को 27 सीटें आवंटित की गई हैं, जो 2021 के तमिलनाडु चुनावों में मिली सीटों से सात अधिक हैं। वहीं, पीएमके और एएमएमके को क्रमशः 18 और 11 सीटें दी गई हैं। पिछले चुनावों में एआईएडीएमके ने 179 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 66 सीटें जीती थीं। इसके बावजूद, पार्टी इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित थी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी की मौजूदगी में हुई घोषणा

पिछले सप्ताह एआईएडीएमके के एक वरिष्ठ नेता ने बताया था कि पार्टी तटीय राज्य में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करना चाहती है और इसीलिए वह अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उत्सुक थी।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के तमिलनाडु प्रभारी पीयूष गोयल ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सीट-बंटवारे के समझौते के तहत पार्टी को मिली 27 सीटों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगा, और इसके लिए उन्होंने एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली मौजूदा द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार के प्रति जनता की नाराजगी का हवाला दिया।

एनडीए के सीट-बंटवारे की घोषणा के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि हम सब एक परिवार हैं और हम चुनाव जीतने के लिए लड़ेंगे। हम 27 सीटों से बहुत संतुष्ट हैं, हम चुनावों में शानदार जीत हासिल करेंगे क्योंकि राज्य की जनता मुख्यमंत्री स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन से तंग आ चुकी है। उन्होंने राज्य की संस्कृति को ठेस पहुंचाई है। एनडीए राज्य में सरकार बनाएगा।

भाजपा तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने दावा किया कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को लेकर द्रमुक नेतृत्व 'डर से कांप रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री स्टालिन 'दिल्ली' से इतना क्यों डरते हैं। चाहे हम अपनी बैठकें बेंगलुरु में करें या दिल्ली में, द्रमुक पार्टी घबराहट की स्थिति में नजर आती है। राज्य में केंद्र सरकार के योगदान का बचाव करते हुए, भाजपा नेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में तमिलनाडु को लगभग 14 लाख करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र 28 मार्च को होगा जारी, शाह रहेंगे मौजूद

यह दस्तावेज पूरी तरह 'जनभागीदारी' पर आधारित होगा, कई लोकलुभावन वादों की उम्मीद

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 28 मार्च को अपना घोषणापत्र यानि संकल्प पत्रजारी करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ इस विमोचन समारोह में उपस्थित रहेंगे।

राज्य संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष तापस राय के अनुसार, यह दस्तावेज पूरी तरह 'जनभागीदारी' पर आधारित है। भाजपा ने इसके लिए प्रदेश भर में व्यापक अभियान चलाकर ड्रॉपबॉक्स और अन्य माध्यमों से जनता की राय और सुझाव एकत्रित किए थे। पार्टी का मानना है कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा इसकी घोषणा किए जाने से चुनावी वादों की विश्वसनीयता और राजनीतिक प्रभाव, दोनों में वृद्धि होगी।

सूत्रों के अनुसार, अमित शाह के दो दिवसीय बंगाल दौरे (27-28 मार्च) के दौरान जारी होने वाले इस संकल्प पत्र में लोक-लुभावन घोषणाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर होगा।

इसमें सत्ता में आने के 45 दिनों के भीतर राज्य कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू करने,

राज्य संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष तापस राय और शुभेंदु अधिकारी

छह महीने में सभी रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और नौकरियों में आयु सीमा में पांच साल की छूट जैसे क्रांतिकारी वादे शामिल हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इकाई 28 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र जारी करने जा रही है। इस संकल्प पत्र में राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की दृष्टि, प्राथमिकताएं और रणनीतिक रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, राज्य पदाधिकारियों, उम्मीदवारों और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं के उपस्थित रहने की उम्मीद है। घोषणापत्र में शासन, विकास, रोजगार सृजन, अवसंरचना, कानून व्यवस्था और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, युवा भागीदारी, महिला सशक्तिकरण और राज्य भर में ग्रामीण और शहरी संपर्क को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा सकता है।

घोषणापत्र जारी होने से पहले, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में, भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन 24 और 25 मार्च को राज्य का दौरा करेंगे और पार्टी नेतृत्व तथा प्रमुख पदाधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान, नबीन पार्टी के पांच प्रमुख संगठनात्मक क्षेत्रों - उत्तर बंगाल, राढ़ बंगाल, नबद्वीप, कोलकाता और हावड़ा-हुगली-मेदिनीपुर - के नेताओं के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे। इन बैठकों को रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इनका उद्देश्य वृहद और सूक्ष्म दोनों स्तरों पर पार्टी की तैयारियों का आकलन करना है।

खबर संक्षेप

पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर अरेस्ट

चंडीगढ़। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया। जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने उन पर आरोप लगाए थे।

आर्यन खान को बख्शने के लिए रिश्वत नहीं मांगी

मुंबई। मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े ने मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान से उनके बेटे आर्यन खान को मादक पदार्थ मामले में राहत देने के लिए कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली।

25 करोड़ की ठगी करने वाले दंपती गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक दंपती जेसन डिसूजा और लवीना को कथित तौर पर सैकड़ों नौकरी चाहने वालों को कोर्ट सिस्टम में सरकारी पदों का वादा करके ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले के जरिए उन पर करीब 25 करोड़ रुपए की हेराफेरी का आरोप है।

लोकसभा सीटें 50% बढ़ेंगी, महिलाओं को मिलेगा 33% रिजर्वेशन

संशोधन बिल लाने की तैयारी में सरकार, इसी सत्र में पेश होगा, शाह की विपक्षी दलों से चर्चा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महिलाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अब संसद में संशोधन विधेयक लाएगी। इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी। 816 सदस्यों वाली लोकसभा में 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। बता दें, नारी शक्ति वंदन अधिनियम जो संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था, उसमें यह प्रावधान था कि यह नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा।

अब सूत्रों का कहना है कि सरकार इस हफ्ते नारी शक्ति अभिनंदन अधिनियम बिल में संशोधन लेकर आएगी। बता दें कि मूल कानून में यह शर्त थी कि महिला आरक्षण तभी लागू होगा, जब नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। अब सरकार इस शर्त को संशोधित कर जल्द से जल्द कानून लागू करने के विकल्प तलाश रही है।

> इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी

816 होंगे लोकसभा सांसद

273 सीटें महिलाओं के लिए

संसद भवन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह फाइल फोटो

50 प्लस 33 का एक मास्टर फॉर्मूला तैयार

सरकार ने 50+33 का एक मास्टर फॉर्मूला तैयार किया है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। नए प्रस्ताव के तहत 50% वृद्धि के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 816 हो जाएगी। इन 816 सीटों में से 33% यानी एक तिहाई करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए अब अगली जनगणना का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साल 2029 का लोकसभा चुनाव इसी नए बिल और नई परिसीमन व्यवस्था के आधार पर लड़ा जाएगा।

सीसीपीए में दिया था जोर

हाल ही में संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने 2029 तक महिला आरक्षण को हर हाल में लागू करने के अपने विजन पर जोर दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के कई बड़े नेताओं को इस प्रस्तावित रोडमैप की जानकारी दी है। विपक्ष सैद्धांतिक तौर पर महिला आरक्षण का समर्थन करता रहा है, लेकिन सीटों के बंटवारे और परिसीमन को लेकर सर्वसम्मति बनाने के लिए बातचीत का दौर जारी है।

दो-तिहाई समर्थन जरूरी

अगर सरकार परिसीमन से पहले महिला आरक्षण लागू करना चाहती है तो इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा। इसके तहत संसद के दोनों सदनों में बहुमत आवश्यक होगा, जिसमें उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में दो-तिहाई समर्थन जरूरी है। यह प्रक्रिया भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 के तहत पूरी की जाएगी।

लॉटरी सिस्टम से तय होंगी सीटें

यह तय करने के लिए कि कौन सी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी, 'ड्रॉ ऑफ लॉट्स' (लॉटरी सिस्टम) का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे रोटेशन और निष्पक्षता बनी रहेगी।

कर और अर्थव्यवस्था पर होगा बड़ा असर

लोकसभा में पेश किया वित्त विधेयक 2026

वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 को भी लोकसभा में पेश किया, और निचले सदन ने इसे आगे की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मंजूरी दे दी। इससे केंद्रीय बजट 2026-27 में पेश किए गए प्रस्तावों को कानूनी ढांचा मिलेगा। पारित होने के बाद, घोषित आयकर दरों, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क में परिवर्तन प्रभावी हो जाएंगे। विधेयक का उद्देश्य एलएलपी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है।

पीएम ने कुछ नया नहीं कहा संसद में हो चर्चाः प्रियंका

प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम नरेंद्र मोदी के पश्चिम एशिया पर दिए गए बयान को लेकर सवाल उठाए हैं और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम ने कोई नई बात नहीं कही। देश को सिर्फ जानकारी दी गई, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर सभी पक्षों की राय सामने आनी चाहिए।

राहुल ने भाजपा पर साधा निशाना

आदिवासियों को 'वनवासी' कहना संविधान का अपमान

एजेंसी ⏭ वडोदरा

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का अपमान है। इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल आदिवासी समाज की पहचान को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की विरासत और उनके विचारों पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं।

संविधान सिर्फ किताब नहीं

राहुल गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि यह देश की सोच और हर नागरिक के अधिकारों की गारंटी है, जिसमें हजारों साल पुराने विचार शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के नेता एक तरफ महान नेताओं की मूर्तियों के सामने सम्मान दिखाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी जमीन, जल और जंगल छीनकर कॉर्पोरेट्स को दिए जा रहे हैं, जो संविधान और बिरसा मुंडा के आदर्शों के खिलाफ है। राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर कहा कि पहली बार भारत का कृषि क्षेत्र अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया गया है। इस फैसले से देश के किसानों पर असर पड़ सकता है।

उत्तर रेलवे

पहला शुद्धिपत्र

टेंडर नं.: **48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26. कार्य का नामः** "दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।"

टेंडर नं. 48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26	पहले प्रकाशित	संशोधन
कार्य का नाम	48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26 दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।	48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26 दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।
निविदा की अनुमानित लागत	₹8679060/-	₹8679060/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी., स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी., स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	₹173600/-	₹173600/-
निविदा निवेदन की अंतिम दिनांक व समय	23.03.2026, 16.00 बजे	30.03.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	23.03.2026, 16.00 बजे	30.03.2026, 16.00 बजे

उपर्युक्त निविदा के निविदा दस्तावेज को संशोधित किया गया है, कृपया www.ireps.gov.in पर उपलब्ध संशोधित दस्तावेजों को देखें और तदनुसार अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

981/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.PC/84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) राहुल (2) सविता निवासी मकान नं. 223, पुराने नं. 119 के पास, पोल नं. पी008 के पास, राव जेपी मार्केट के पास, कापसहेड़ा, नई दिल्ली** ने केस एफआईआर नं./सीसी नं. **1375/2019, अन्तर्गत धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम, थाना कापसहेड़ा, दक्षिण-पश्चिम जिला, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) सविता** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधानाप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) सविता** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं./सीसी नं. **1375/2019, अन्तर्गत धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम, थाना कापसहेड़ा, दक्षिण-पश्चिम जिला, नई दिल्ली**के उक्त अभियुक्त **(1) राहुल (2) सविता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.05.2026 को प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री हरलीन सिंह
अति. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द.-प.)
विशेष न्यायालय (विद्युत)
कमरा नं. 609, द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/3766/SW/2026 (Court Matter)

एआई कौशल और डिजिटल कंटेंट को देंगे बढ़ावाः वैष्णव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सुलभ प्रौद्योगिकी और मजबूत डिजिटल कंटेंट इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन नई पहलों का अनावरण किया। इन पहलों में एआई कौशल प्रशिक्षण, लोगों के लिए कंटेंट प्लेटफॉर्म और टीवी देखने की सुविधा को आसान बनाना शामिल है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गूगल और यूट्यूब के साथ साझेदारी में 15,000 रचनाकारों और मीडिया पेशेवरों के लिए राष्ट्रीय एआई कौशल प्रशिक्षण पहल शुरू की है। जो 23 मार्च से 30 जून तक चलेगा, जिसमें बुनियादी एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। मंत्रालय ने वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म के तहत 'मायवेव्स' फीचर लॉन्च किया है। यह एक यूजर-जनरेटेड कंटेंट प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक अपनी सामग्री बना, अपलोड और साझा कर सकेंगे। बिल्ट-इन सैटेलाइट ट्यूनर वाले टीवी और नया उन्नत प्रोग्राम गाइड (ईपीजी) भी पेश किया है। अब दर्शकों को डीडी फ्री डिश चैनल देखने के लिए अलग से सेट-टॉप बॉक्स की जरूरत नहीं होगी।

राज्यसभा में आज पश्चिम एशिया संकट पर बयान देंगे पीएम मोदी, विपक्ष भी रहेगा सवालों से लैस

23 दिनों से चल रहे युद्ध से वैश्विक आर्थिकी पटरी से उतरी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

युद्ध की वजह से वैश्विक परिदृश्य और उस वक्त भारत का दमखम, इस पर आज, मंगलवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विस्तार से सरकार की ओर से अपनी बात रखेंगे। इजराइल, अमेरिका के साथ ईरान के 23 दिनों से चल रहे युद्ध की वजह से वैश्विक आर्थिकी पटरी से उतर रही है।

हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पांच दिनों तक ईरान पर हमले न करने की ताकीद अमेरिकी सैनिकों को दिया है, लेकिन उसका कितना असर ईरान पर पड़ेगा, क्या ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को लेकर ढीला पड़ेगा? इस सवाल के जवाब में ही शांति का पहला कदम छिपा है। युद्ध के बीच देश में पेट्रोल डीजल और गैस के दाम आम उपभोक्ताओं के लिए स्थिर रखने में मोदी सरकार निश्चित रूप से कामयाब रही है। जाहिर है इससे महंगाई पर नियंत्रण भी बेहतर है। क्या मूल्य की स्थिरता पांच राज्यों के चुनाव की बाद भी ऐसी ही बनी रहेगी? ऐसे कई सवालों से लैस होकर विपक्षी दलों के नेता राज्यसभा पहुंचेंगे। हालांकि ऐसे संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय मौकों पर सवाल जवाब की संसदीय परंपरा नहीं रही है फिर भी विपक्ष के तरकश में सवालों के कई तीर रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राज्यसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर महत्वपूर्ण बयान देंगे। यह बयान क्षेत्र में चल रहे युद्ध और उसके भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सरकार की रणनीति को स्पष्ट करेगा।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री अपने संबोधन में पश्चिम एशिया संकट के विभिन्न पहलुओं-जैसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक प्रभाव और क्षेत्र में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा-पर विस्तार से चर्चा कर सकते हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में भी इस मुद्दे पर बयान दिया था, जिसमें उन्होंने स्थिति को "चिंताजनक" बताया और कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत के हितों पर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति, व्यापार मार्गों और वैश्विक बाजारों पर असर पड़ रहा है। भारत, जो इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है, इस संकट को लेकर सतर्क है और सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

प्रधानमंत्री के राज्यसभा में प्रस्तावित बयान को इस दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इससे देश की आधिकारिक नीति और आगे की रणनीति पर स्पष्टता मिलेगी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं तो जाहिर है पीएम के कहे पर सदन के अंदर और बाहर विपक्षी दल राजनीति करने से चूकेंगे नहीं।

खबर संक्षेप

एफपीआई ने शेयर बाजार से निकाले 88,180 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कमजोर होते रुपये और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की वृद्धि और कंपनियों की कमाई पर असर पड़ने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये (लगभग 9.6 अरब डॉलर) निकाले हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई की यह निकासी फरवरी में उनके द्वारा की गई खरीदारी के बाद देखने को मिली है।

इनोविजन का शेयर 10% से अधिक गिरकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा।

10 माह में कोयला आयात में 4.2 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से ढुलाई महंगी होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर ही रहने की संभावना है। देश कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, जबकि घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लि. के आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कैश निकासी को लेकर एक अप्रैल से नियमों में होने जा रहे बदलाव

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अगले महीने से बैंकिंग से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव होने वाले हैं। जिनका असर सीधे एटीएम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा। 1 अप्रैल 2026 से एचडीएफसी बैंक समेत कई बैंकों ने कैश निकासी की लिमिट, ट्रांजैक्शन फीस और अन्य शर्तों में बदलाव करने की तैयारी की है।

ऐसे में एटीएम से पैसे निकालने और उससे जुड़े चार्ज पहले जैसे नहीं रहेंगे। इसलिए ग्राहकों के लिए नए नियमों को समझना जरूरी है। ताकि किसी तरह की परेशानी न हो। आरबीआई गाइड लाइन के तरह नए नियम एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे।

कई बैंकों ने कैश निकासी की सीमा को लेकर किया बदलाव

पीएनबी ने घटाई एटीएम निकासी सीमा

1 अप्रैल से पंजाब नेशनल बैंक अपने कुछ डेबिट कार्ड्स पर कैश निकालने की लिमिट कम करने जा रहा है। नए नियम के अनुसार, जहां पहले ग्राहक एक दिन में 1 लाख रुपए तक निकाल सकते थे। वहीं, अब यह सीमा घटाकर 50,000 रुपए करने का फैसला लिया गया है। यह नियम चुनिंदा डेबिट कार्ड्स पर लागू होगी। इसके अलावा, बैंक ने अपने कुछ प्रीमियम कार्ड्स की दैनिक निकासी सीमा भी घटा दी है। इन कार्ड्स से पहले 1.5 लाख रुपए तक निकाले जा सकते थे। लेकिन अब यह सीमा 75,000 रुपए कर दी गई है।

बंधन बैंक ने भी बदले एटीएम नियम

बंधन बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। अब ग्राहक बैंक के अपने एटीएम पर महीने में सिर्फ 5 फ्री फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन कर सकेंगे। जबकि दूसरे बैंकों के एटीएम से यह सीमा घटाकर 3 कर दी गई है। तय लिमिट पार करने के बाद हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर 23 रुपए का चार्ज लिया जाएगा।

कच्चे तेल के दाम में उछाल से सेंसेक्स 1,837 अंक फिसला

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,837 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 602 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त होने के कोई संकेत नहीं होने के साथ वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से घरेलू बाजार में गिरावट रही। युद्ध अब चौथे सप्ताह में पहुंच गया है। इसके कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी और रुपये की विनिमय दर में गिरावट को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,836.57 अंक यानी 2.46 प्रतिशत टूटकर 72,696.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार दौरान, एक समय यह 1,974.52 अंक का गोता लगाकर 72,558.44 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 601.85 अंक यानी 2.60 प्रतिशत लुढ़ककर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाइटन में सबसे अधिक 6.24 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत चढ़कर 113.3 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच कर गया।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''कमजोर वैश्विक संकेतों और बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई, जिससे मौजूदा गिरावट का रुख जारी रहा।

सेबी के निदेशक मंडल की कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों की स्वीकृति

सेबी बोर्ड ने एफपीआई निपटान नियमों को दी मंजूरी, हितों के टकराव पर सिफारिशें स्वीकार कीं

एजेंसी ▸▸| मुंबई

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। इनमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए धनराशि निपटान के नियमों को सरल बनाना और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामक ढांचे में बदलाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, निदेशक मंडल (बोर्ड) ने सेबी अधिकारियों से संबंधित 'हितों के टकराव' और संपत्तियों का खुलासे करने पर बनी उच्च स्तरीय समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। इस समिति की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त प्रत्युष सिन्हा ने की थी।

बाजार मध्यस्थों के लिए नियामक ढांचे में बदलाव किया गया

एफपीआई के लिए धनराशि निपटान नियमों को सरल बनाया

खुलासे से जुड़े मामलों की समीक्षा होगी

समिति का गठन सेबी अधिकारियों द्वारा संपत्ति, निवेश, देनदारियों और अन्य संबंधित मामलों के खुलासे से जुड़े मौजूदा प्रावधानों की व्यापक समीक्षा के लिए किया गया था। बोर्ड ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट), बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) और वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) से संबंधित 'कारोबार सुगमता' के प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी है।

आरोप पत्र दाखिल होने से अब अयोग्य नहीं

इसके तहत एआईएफ को किसी योजना को बंद करने की प्रक्रिया में ढील देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। साथ ही, बोर्ड ने बाजार मध्यस्थों के लिए 'योग्य और उचित इकाई' होने के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इसमें आर्थिक अपराध के मामलों में केवल प्राथमिकी या आरोप पत्र दाखिल होने मात्र से किसी व्यक्ति को काम करने से रोकने या अयोग्य ठहराने के नियम को हटाने का प्रावधान शामिल है।

जानकारी सरल प्रारूप में प्रस्तुत की जाएगी

नियामक ने कहा कि इस दस्तावेज में कंपनी के कारोबारी मॉडल, वित्तीय विवरण, प्रवर्तकों, जोखिम कारकों और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अत्यंत सरल प्रारूप में प्रस्तुत की जाएगी। सेबी द्वारा 16 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस संक्षिप्त मसौदे को निर्गम जारी करने वाली कंपनी, नियामक, उन शेयर बाजारों जहां प्रतिभूतियां सूचीबद्ध होनी हैं।

आईपीओ खुलासे के नियमों को सरल बनाया

सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दस्तावेजों को सरल और मानकीकृत बनाने के लिए 'संक्षिप्त विवरण पुस्तिका का मसौदा' पेश किया है। इस कदम का उद्देश्य निर्गम संबंधी जानकारियों को निवेशकों के लिए अधिक सुलभ और समझने में आसान बनाना है। अब सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों को अपने विस्तृत प्रस्ताव दस्तावेजों के साथ इस संक्षिप्त विवरण पुस्तिका को भी जमा करना अनिवार्य होगा।

कंपनी के आवेदन पत्र में हो क्यूआर कोड

नियामक ने यह भी निर्देश दिया है कि कंपनियां आवेदन पत्रों और विज्ञापनों में 'क्यूआर कोड' और लिंक उपलब्ध कराएं, ताकि निवेशक विवरण पुस्तिका और मूल्य सीमा की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें। सूचनाओं की स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए सेबी ने शब्द सीमा भी निर्धारित की है। कंपनी के प्राथमिक व्यवसाय का सारांश 500 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

स्वतंत्र निदेशक जिम्मेदारी से काम करें

एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे के कुछ दिन बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्र निदेशकों से अपेक्षा की जाती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें।

यह अब तक का रुपया का सबसे निचला स्तर है

रुपया 50 पैसे टूटकर 94.03 प्रति डॉलर

एजेंसी ▸▸| मुंबई

रुपया सोमवार को 50 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.03 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। यह पहली बार है जब रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले टूटकर 94 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई।विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, मजबूत अमेरिकी डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट ने भी रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.84 पर खुला और पूरे दिन गिरावट में रहा। अंततः यह पहली बार 94 के स्तर को पार करते हुए 94.03 (अस्थायी) पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। शुक्रवार को भी रुपया 64 पैसे टूटकर 93.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था, जिससे यह 93 के स्तर के पार चला गया था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कमजोर घरेलू बाजारों के बीच रुपया पहली बार 94 के स्तर को पार कर गया।

कमजोर मांग से सोना 9,050 रुपये टूटा चांदी में आई 10,500 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर घरेलू मांग और सुस्त वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोना 9,050 रुपये टूटकर 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 10,500 रुपये की गिरावट के साथ 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 9,050 रुपये या लगभग छह प्रतिशत टूटकर 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। चांदी भी 10,500 रुपये या 4.36 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''कीमती धातुओं में पिछले सप्ताह की गिरावट बढ़ गई। सोमवार को दिन के कारोबार के दौरान में हाजिर सोना चार महीने के निचले स्तर पर फिसल गया।'' गांधी ने तेज गिरावट के लिए पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को जिम्मेदार ठहराया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची हो गईं और मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ गईं। इससे कठोर मौद्रिक नीति रुख की आशंका बढ़ गई।

ट्रंप के एक फैसले से क्रूड ऑयल की कीमतों में आई 15% की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के एक बयान से ना सिर्फ कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है बल्कि मंगलवार को शेयर बाजार से लेकर रुपए में भी तेजी देखने को मिल सकती है। वास्तव में अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले 5 दिनों तक ईरान के किसी पॉवर प्लांट और एनर्जी इंफ्रा पर कोई हमला नहीं करेंगे। उसके बाद से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कारोबारी सत्र के दौरान खाड़ी देशों के कच्चे तेल ब्रेंट में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और दाम 91 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड के दाम में 13 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। ट्रंप के बयान से ना सिर्फ कच्चे तेल की कीमतों में और राहत मिलेगी। साथ ही शेयर बाजार में भी तेजी का रुख देखने को मिला। ट्रंप के बयान के बाद खाड़ी देशों के कच्चे तेल में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और कच्चे तेल के दाम 91.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए। जबकि एक दिन पहले कच्चे तेल की कीमत 107.04 डॉलर प्रति बैरल पर थे। इसका मतलब है कि कच्चे तेल की कीमत में 16 डॉलर प्रति बैरल की कमी आ चुकी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी आशीष खरे, निदेशक, मेसर्स आकांक्षा इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, पताः फ्लैट नंबर 1–2, पहली मंजिल, प्लॉट नंबर ए–62, गली नंबर 4, मधु विहार, नई दिल्ली 110092, CC No. 530388/16, 530381/16 & 530383/16 U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः करोल बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशीष खरे**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशीष खरे**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **आशीष खरे, CC No. 530388/16, 530381/16 & 530383/16 U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः करोल बाग, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अरविन्द तोमर
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी
(एनआई एक्ट)–07, कोर्ट नं. 507,
एक्सटेशन ब्लॉक, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3736/ED/2026
(Court Matter)

ऑफिस ऑफ़ द एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस-II, आउटर डिस्ट्रिक्ट, दिल्ली
ऑफिस नंबर 011-27010144

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि धारा 66 डीपी अधिनियम के तहत विभिन्न पुलिस स्टेशनों द्वारा जब्त किए गए विभिन्न मॉडलों के निम्नलिखित लावारिस मोटर वाहन वर्तमान में उनके पास पड़े हैं। इनका जल्द ही एमएसटीसी लिमिटेड के माध्यम से ई-नीलामी द्वारा निपटान किया जाएगा। यदि इनमें से किसी भी वाहन के लिए कोई दावा है, तो वे 30.04.2026 को या उससे पहले स्वामित्व साबित करने वाले सभी प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं। 30.04.2026 के बाद कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा और वाहनों का इ-नीलामी द्वारा निपटान किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस अधिनियम के धारा 66 DP Act. के तहत जब्त लावारिस वाहनों की सूची

क्र. सं.	रजिस्ट्रेशन नं.	इंजन नं.	चेसिज नं.	वाहन का प्रकार और बनावट
1.	DL8SBF9473	87021	86987	स्कूटी
2.	DL10SA0941	63140	17411	एम/सीवाई
3.	DL11SM0186	2200	2147	होंडा नवी
4.	DL11SG2810	2207	603	बाइक
5.	DL10SG1713	25595	26205	स्कूटी
6.	UP81BL 4770	49343	50179	स्प्लेंडर
7.	DL4SDH 6936	4161	4778	स्कूटी जुपिटर
8.	HR 55AP 7081	72336	30471	ऑटो
9.	DL4SCF 0233	34756		स्कूटी
10.	HR 79 4371	69820	20630	एम/सीवाई
11.	DL8SAZ6346	7112	10114	एम/सीवाई
12.	DL8SCQ 8160	42441	28613	स्कूटी
13.	DL4SDF8660	6961	7884	एनटॉर्क स्कूटी
14.	DL4SB 0693	2496	28134	जुपिटर स्कूटी
15.	DL4SDF6171	24518	26512	स्प्लेंडर
16.	DL4SCE6019	36814	38262	स्प्लेंडर
17.	DL4SCR1411	0	0	स्कूटी
18.	DL4SDQ3214	12697	12992	टीवीएस रेडर
19.	DL9SBY4745	80809	1230	स्प्लेंडर
20.	DL4SCJ3048	9051	22354	होंडा
21.	DL8SAG0181			स्प्लेंडर
22.	HR10K5289			एचएफ डीलक्स
23.	HR18C5711			स्प्लेंडर
24.	DL9SAD8474		20320	पैशन प्रो
25.	DL8SBS7931	81409	36250	होंडा एक्टिवा

हस्ता-
अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस-द्वितीय
बाहरी जिला, दिल्ली.
011-27010144

DP/9868/OD/2026

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। पठन–पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

एनएफआरने विद्यालय में बुनियादी ढाँचे और शैक्षणिक मानकों को बेहतर बनाया

मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) द्वारा रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मालीगांव में बुनियादी ढांचे तथा शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय रूप से कई अपग्रेडेशन कार्य किए गए हैं। इस पहल के अंतर्गत कक्षा एक से बारह तक के कुल 19 कक्षाओं में पुराने फर्नीचर जैसे डेस्क, बेंच, टेबल एवं कुर्सियों, को पूर्णतः नए आधुनिक कक्षा फर्नीचरों से प्रतिस्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों के कॉमन रूम के लिए नए टेबल एवं कुर्सियां उपलब्ध कराई गई हैं,साथ ही पुस्तकालय एवं स्टाफ क्षेत्रों में भी कैबिनेट एवं सोफा सेट सहित फर्नीचरों का अपग्रेड किया गया है। ये अपग्रेड विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए अधिक आरामदायक तथा अनुकूल शिक्षण एवं कार्य का माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए हैं। डिजिटल शिक्षण क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 06 स्मार्ट बोर्ड क्रय करउच्च कक्षाओं में स्थापित किए गए हैं तथा शेष कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड के स्थापना की प्रक्रिया जारी है। एनएफआर के महाप्रबंधक सहित जोन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने20 मार्च, 2026 को विद्यालय का दौरा कर नए फर्नीचर एवं स्मार्ट बोर्ड का निरीक्षण किया।

के2 इंफ्राजेन लिमिटेड को कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन से मिला 85 करोड़ का ऑर्डर

गुरुग्राम। के-2 इंफ्राजेन लिमिटेड, जो एक इंजीनियरिंग और कोर इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, ने कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 85 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मिलने की घोषणा की है। यह काम कर्नाटक में कई 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनों को विकसित करने और 2x20 एमवीए 110/11 केवी सबस्टेशन स्थापित करने से संबंधित होगा। यह बड़ा ऑर्डर के-2 इंफ्राजेन को पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक भरोसेमंद और लंबे समय तक टिकने वाले खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाने में मदद करेगा, जिससे कर्नाटक के बेलगाम जिले में पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। यह ऑर्डर मैस. के-2 इंफ्राजेन लिमिटेड को मैस. ओम एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड. के साथ मिलकर एक कंसोर्टियम के रूप में दिया गया है।

शब्द पहेली - 6174

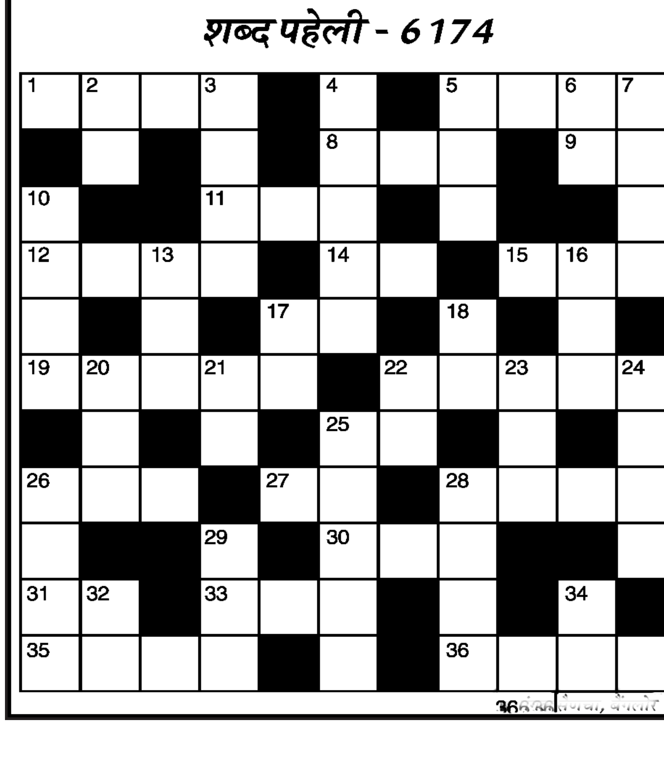

बाएँ से दाएँ
1.उथल–पुथल, कोलाहल–4
5.अस्पताल–4
8.पक्षाघात–3
9.मिट्टी, धूल–2
11.पुष्प, फूल, सुमन–3
12.बुरे कार्य करनेवाला–4
14.जादू, तंत्र–मंत्र–2
15.सौत, सपत्नी–3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा–2
19.नगर में रहनेवाले–5
22.गणपति, गणेश–5
25.बागवान–2
26.जुदा, पृथक्–3
27.जी, इच्छा–2
28.पहरेदार–4
30.सिसकना–3
31.रहस्य–2
33.सोना,धतूरा–3
35.हृदयगति, स्पंदन–4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री–2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य,गंतव्य–2
3.राम–सीता के पुत्र–2,2
4.टालना–2,3
5.स्याही रखने का पात्र–3
6.क्षार–2
7.सुंदरी (उर्दू–4)
10.जबरदस्ती–4
13.होशियार–3
16.पुत्र,बेटा–3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना–2
18.जान,जीवन–2
20.जहर, विष–3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद–2
22.छोटा रास्ता, कूचा–2
23.अपवित्रता (उर्दू–3)
24.पक्षियों का शोर–4
25.मानसिक सोच–5
26.गुनाह,जुर्म–4
28.रखवाली करना–4
29.मुर्गा–3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है–2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म–2

शब्द पहेली- 6173 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

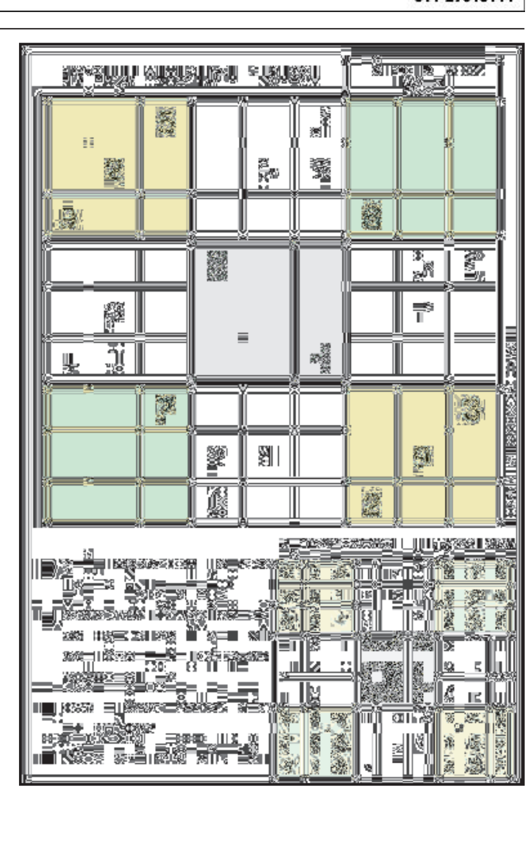

फाइनल में आर्सेनल को दी शिकस्त

मैनचेस्टर सिटी बना ईएफएल कप चैंपियन

निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दागे दो गोल

एजेंसी ▶▶| लंदन

मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया।

कप्तान बर्नार्डो ने कहा यह बहुत गर्व का पल

पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमें यह प्रतियोगिता पसंद है और इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्सेनल को हराकर इसे जीतना वाकई खास है।

मैनचेस्टर सिटी लेगी इंटरनेशनल ब्रेक

मैनचेस्टर सिटी अब एक इंटरनेशनल ब्रेक पर होगी। टीम अब अपना अगला मुकाबला 4 अप्रैल को एफए कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगी। गार्डियोला की टीम अगले हफ्ते चेल्सी में होने वाले प्रीमियर लीग पर ध्यान देगी। मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग टाइटल की दौड़ में बनी हुई है। गार्डियोला की टीम अभी टॉप पर काबिज आर्सेनल से 9 प्वाइंट पीछे है और उन्हें अभी एक मुकाबला खेलना है।

पेप गार्डियोला बने सबसे सफल मैनेजर

पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं। काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं।

एमएलएस : इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को 3-2 से हराया

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी सीएफ ने अपनी जीत की लय को बरकरार रखा है। टीम ने रोमांचक मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 3-2 से हराया। एमएलएस रेगुलर सीजन में यह इंटर मियामी की लगातार चौथी जीत है। इंटर मियामी के डिफेंडर गोंजालो लुजा, माइकल और कप्तान लियोनेल मेसी के किए गोल ने इंटर मियामी की जीत में अहम योगदान दिया। इंटर मियामी ने मैच के चौथे मिनट में ही बढ़त बनाई। टीम की तरफ से पहला गोल गोंजालो लुजान ने किया। टेलास्को जोस सेगोविया के किए प्रयास के विफल रहने के बाद लुजान ने रिबाउंड का फायदा उठाते हुए इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, न्यूयॉर्क सिटी एफसी ने जोरदार वापसी की और मैच के 17वें मिनट में निकोलस फर्नांडीज के गोल से स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मेसी ने गोल करने के दो मौके बनाए, लेकिन उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी। पहले हाफ के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। हालांकि, मेजबान टीम ने मैच के 59वें मिनट में अगस्टिन ओजेडा के गोल से बढ़त बना ली।

मेसी ने दागा गोल, स्कोर किया 2-2 से बराबर

इसके तुरंत बाद मेसी ने 61वें मिनट में इंटर मियामी के लिए गोल दागते हुए स्कोर को फिर से 2-2 से बराबर कर दिया। मेसी ने फ्री किक पर इस रेगुलर सीजन का अपना चौथा गोल किया। इंटर मियामी ने 74वें मिनट में अपनी बढ़त वापस पा ली, जब बॉक्स के दाएं छोर से माइकल ने एक जोरदार हेडर से एलन के पिच के बाईं तरफ से मिले सटीक क्रॉस का फायदा उठाया। यह गोल माइकल का इंटर मियामी के खिलाड़ी के तौर पर पहला गोल रहा, जबकि इस लीग कैंपेन में एलन का यह दूसरा असिस्ट था।

अरुंधती ने रचा नया कीर्तिमान

बनीं आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय महिला क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी 2026 के लिए आईसीसी 'विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया है। भारतीय सीमर के करियर में ऐसा पहली बार है, जब उन्हें इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में निभाई गई उनकी शानदार भूमिका के लिए मिला है।

- टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली गेंदबाज

अरुंधति रेड्डी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 10.87 की औसत और 7.25 की इकॉनमी रेट से कुल 8 विकेट हासिल किए। भारत की इस बड़ी जीत में उनका योगदान बहुत अहम रहा। अरुंधति के इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। यह साल 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी20 सीरीज जीत थी।

दाएं हाथ की सीमर ने सिडनी में खेले गए अपने पहले ही मैच से सटीक गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस मैच में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। 28 वर्षीय गेंदबाज ने शेष दो मुकाबलों में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कैनबरा में खेले गए मैच में उन्होंने 30 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मुकाबले में उन्होंने 35 रन देकर 2 विकेट निकाले।

मेंस कैटेगरी में फरहान को मिला अवॉर्ड

वहीं मेंस कैटेगरी में ये अवॉर्ड साहिबजादा फरहान ने जीता है। फरहान टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। यही कारण है कि उन्होंने इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स और अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शाल्विक को पीछे छोड़कर इस अवॉर्ड को अपने नाम किया। फरहान ने भले ही इस वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन किया हो लेकिन उनकी टीम इस वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई थी।

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना आसान नहीं : अरुंधती

अवॉर्ड जीतने के बाद रेड्डी ने कहा कि आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है, और यह बात और भी खास है कि मैं ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज जीतने में अपनी टीम के लिए कुछ योगदान दे पाई। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी भी आसान नहीं होता, और इसी वजह से यह अवॉर्ड मेरे लिए और भी ज़्यादा मायने रखता है। इस सीरीज में मिली जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है। हम आगामी वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप में भी इसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

खबर संक्षेप

अप्रैल में नहीं होगी एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप

कराची। इस्लामाबाद में अगले महीने होने वाली एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप खाड़ी में जारी संघर्ष के कारण स्थगित कर दी गई है। यह चैंपियनशिप 14 से 18 अप्रैल के बीच होनी थी। अधिकारी ने बताया,' एशियाई स्क्वाश महासंघ ने हमें बताया कि संघर्ष के कारण क्षेत्र के मौजूदा हालात को देखते हुए इस समय यह टूर्नामेंट करा पाना संभव नहीं है।'

विश्व क्रिकेट का मुख्य बाजार भारत : संजोग

नई दिल्ली। हाल ही में टी20 विश्व कप में एसोसिएट देशों के निडर प्रदर्शन की तारीफ करते हुए आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने उनके विकास को क्रिकेट के परिपक्व वैश्विक खेल बनने का संकेत बताया और कहा कि भारत मुख्य बाजार है लेकिन क्रिकेट निश्चित तौर पर वैश्विक होता जा रहा है। भारत ने 20 टीमों की भागीदारी वाला टी20 विश्व कप जीता लेकिन पहली बार टूर्नामेंट खेल रही इटली, अमेरिका, नेपाल और जिम्बाब्वे जैसी टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। गुप्ता ने कहा कि भारत विश्व क्रिकेट का मुख्य बाजार है।

मियामी ओपन में बड़ा उलटफेर, कोरडा से हारकर नंबर-1 खिलाड़ी अल्कारेज बाहर

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज मियामी ओपन के तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोरडा से हारकर बाहर हो गए हैं।

इससे पहले इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्कारेज को दानिल मेदवेदेव ने हराया था। उन्हें कोरडा ने 2 घंटे 19 मिनट तक चले मैच में 6-3, 5-7, 6-4 से हराया।

अब कोरडा का सामना मार्टिन एल से होगा, जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल भी चौथे दौर में पहुंच गए हैं। छठी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने रीली ओपेलका को 6-3, 6-4 से हराया जबकि 22वीं रैंकिंग वाले पॉल ने रफाएल कोलिंगनोन को 6-2, 3-6, 7-6 से मात दी।

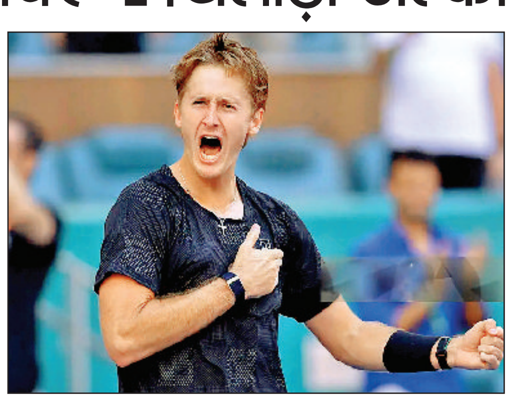

सबालेंका ने मैकनाली को 6-4, 6-2 से हराया

महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने कैथरीन मैकनाली को 6-4, 6-2 से हराया। दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना ने मार्ता कोस्तयुक को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं पांचवीं रैंकिंग वाली जेसिका पेगुला ने लैला फर्नांडिस को 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

हॉकी इंडिया अवॉर्ड की रेस तेज, चार नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक और डिफेंडर संजय इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में हैं। महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है। शुक्रवार को होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) का जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार भी दिया जाएगा। अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को चुना गया है।

एशिया कप जीतने वाली टीम होगी सम्मानित

इसके साथ ही हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जाएगा। अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर /अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जाएगा। इसके साथ ही एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरुष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा।

एशिया कप में युवा जोश के साथ कदम रखेगी तीरंदाजी टीम

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

भारत तीरंदाजी के नए अंतरराष्ट्रीय सत्र का आगाज मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले चरण से करेगा, जिसके लिए टीम में नामी गिरामी सितारों की बजाय प्रतिभावान युवाओं को जगह दी गई है। भारतीय टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय , ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा नहीं हैं। भारतीय टीम प्रबंधन जापान में सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों तक चलने वाले इस व्यस्त सत्र के पहले टूर्नामेंट में अपने युवा खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है। शीर्ष तीरंदाज मैक्सिको और शंघाई में अप्रैल से होने वाले विश्व कप के पहले दो चरण के लिए वापसी करेंगे। पिछले साल भारत ने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीते थे।

नहीं भाग ले रहा द.कोरिया भारत का पलड़ा भारी

दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज की गैर मौजूदगी में भारत का पलड़ा फिर भारी लग रहा है । उसे चीन और बांग्लादेश से चुनौती मिल सकती है। रिकर्व पुरुष वर्ग में आस्ट्रेलिया के रियान टियाक प्रबल दावेदार हैं,जो विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर हैं। महिला वर्ग में रूस में जन्मी तटस्थ खिलाड़ी नूरिनिस्सो माखमुदोवा (45वीं रैंकिंग) सर्वोच्च रैंकिंग वाली तीरंदाज हैं। भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम में दुनिया के चौथे नंबर के तीरंदाज ऋषभ यादव, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रथमेश जावकर और रजत चौहान हैं। पिछले साल कुशल दलाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था जबकि मानव जाधव और गणेश तिरिमुरु के साथ टीम स्वर्ण अपने नाम किया था। महिला वर्ग में ज्योति की गैर मौजूदगी में नजरें 20 वर्ष की चिकिथा तानीपर्थी पर होंगी, जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं।

दिल्ली कैपिटल्स को स्टार्क के एनओसी मिलने का इंतजार

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा। ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा, ' हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे।'

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में बदलाव, हम्पी की जगह मुजिचुक की एंट्री

- भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सुरक्षा कारणों से ले लिया नाम वापिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को साइप्रस में होने वाले आगामी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में कोनेरु हम्पी की जगह शामिल किया गया है चूंकि भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया था। शनिवार से पाफोस में शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से विश्व चैंपियनशिप खिताब के चैलेंजर का निर्धारण होगा। इस समय ओपन वर्ग में गुकेश और महिला वर्ग में जू वेंजुन विश्व चैंपियन हैं। दो बार महिला विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी ने आयोजकों से आश्वासन मिलने के बावजूद निजी सुरक्षा को लेकर चिंता का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया। इस महीने की शुरुआत में साइप्रस में एक ब्रिटिश एयर बेस पर ड्रोन हमला हुआ था, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दो बार रह चुकी महिला विश्व ब्लिट्ज चैंपियन

फिडे ने कहा,' टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार हम्पी की जगह महिला इवेंट्स सीरिज 2024-25 में अगला सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने वाली खिलाड़ी को दी गई है, जिसने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है। यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक यह टूर्नामेंट खेलेंगी।' वह महिला विश्व रैपिड चैंपियन (2016) और दो बार महिला विश्व ब्लिट्ज चैंपियन (2014 और 2016) रह चुकी हैं।

हम्पी पर लग सकता है जुर्माना: *हम्पी पर इस फैसले के लिये 10000 यूरो जुर्माना लग सकता है हालांकि फिडे ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है। हम्पी के नाम वापिस लेने से भारत की उम्मीदों को झटका लगा है। उनके अलावा आर प्रज्ञानानंदा (ओपन वर्ग), आर वैशाली (महिला वर्ग) और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने इसके लिए क्वालीफाई किया है।*

दिव्या, तनीषा, सिमरन और कोमल ने अगले दौर में प्रवेश किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

5वीं जूनियर बालक एवं बालिका हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप

5वीं जूनियर बालक एवं बालिका हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप सोमवार से शुरू हुई। चार दिनों तक चलने वाली इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पहले ही दिन रिंग में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली, जहां युवा मुक्केबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। यह प्रतियोगिता आर्यन्स बॉक्सिंग स्पोर्ट्स क्लब सुनारिया में आयोजित की जा रही है। 46-48 किलोग्राम भार वर्ग में चरखी दादरी की दिव्या मलिक ने जींद की रिद्धि को, पानीपत की तनीषा ने यमुनानगर की छाया को और रोहतक की सिमरन ने कुरुक्षेत्र की श्रुति को हराया। वहीं, साई भिवानी की दिव्या ने गुरुग्राम की अवनीत सहारण को, रेवाड़ी की कोमल ने हिसार की हर्षिका को और भिवानी की सोनिका ने महेंद्रगढ़ की मुस्कान को शिकस्त दी। बतौर मुख्य अतिथि ओलंपियन व अर्जुन अवार्डी डीएसपी दिनेश, भीम अवार्डी सुनील सिवाच, इनेलो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनेश लाकड़ा और बीजेपी ग्रीवेंश कमेटी सदस्य अनिता बुधवार ने शिरकत की। डीएसपी दिनेश ने कहा कि हरियाणा के युवाओं के खून में खेल और जज्बा है। इस तरह की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं न केवल नए टैलेंट को मंच देती हैं, बल्कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार भी करती हैं। खेल हमें अनुशासन और हार को जीत में बदलने की कला सिखाते हैं। सुनील सिवाच ने कहा कि जूनियर स्तर की यह प्रतियोगिता मुक्केबाजी की बुनियाद है। रिंग में उतरने वाला हर बच्चा आज एक सपना लेकर आया है। मेरा सुझाव है कि खिलाड़ी केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि अपनी तकनीक और सुधार के लिए खेलें। विनेश लाकड़ा ने कहा कि खेल राजनीति और जाति-पाति से ऊपर उठकर युवाओं को एकजुट करने का सबसे सशक्त माध्यम है। हरियाणा की मुक्केबाजी का भविष्य इन छोटे बच्चों के मजबूत कंधों पर सुरक्षित है। अनिता बुधवार ने कहा कि बेटियों को रिंग में मुक्केबाजी करते देखना गर्व की अनुभूति कराता है। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में 'धाकड़' साबित हो रही हैं। खेल न केवल शारीरिक मजबूती देते हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं।

खेल प्रतियोगिताएं मात्र पदक जीतने का जरिया नहीं : मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि हरियाणा के मुक्केबाज न केवल राष्ट्रीय पटल पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय रिंग में भी अपनी धाक जमा रहे हैं। मेजर सिंधु के अनुसार, मुक्केबाजों की यह निरंतर सफलता प्रदेश के गौरव को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी खेल प्रतियोगिताएं मात्र पदक जीतने का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये खिलाड़ियों के भीतर अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास जैसे गुणों को विकसित करती हैं। संघ का लक्ष्य हरियाणा के खिलाड़ियों को केवल घरेलू स्तर तक सीमित रखना नहीं है।

जूनियर गर्ल्सः मेवात की कनिका ने महेंद्रगढ़ की असनीत को हराया

▶▶44-46 किलोग्राम भार वर्गः मेवात की कनिका ने महेंद्रगढ़ की असनीत को हराया, पंचकुला की अंजलि ने जींद की परी को मात दी और रोहतक की नियति खोखर ने पानीपत की खुशी पर जीत दर्ज की। इसी भार वर्ग में हिसार की निश्चल ने पलवल की भावना को, भिवानी की राजू ने चरखी दादरी की मानसी को, सोनीपत की नैन्सी ने फरीदाबाद की राधिक को और कैथल की अनु ने रेवाड़ी की पलक को पराजित किया। इसके अलावा, साई हिसार की सृष्टि ने गुरुग्राम की रितिका को और कुरुक्षेत्र की रितिका ने अम्बाला की दिव्या को हराया।

▶▶48-50 किलोग्राम भार वर्गः साई भिवानी की प्राची ने महेंद्रगढ़ की अनुराधा को, झज्जर की रिया ने सिरसा की मनमीत कौर को, रेवाड़ी की साक्षी ने भिवानी की सान्वी को, कुरुक्षेत्र की ध्रुविका ने फतेहाबाद की हरप्रीत कौर को, सोनीपत की अंशु ने मेवात की शबनम को, कैथल की मानसी ने पंचकुला की कीर्ति सिहाग को और रोहतक की दीया ने जींद की खुशी को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

जूनियर बॉयजः कैथल के रणदीप ने अम्बाला के युधवीर को दी मात

▶▶44-46 किलोग्राम भार वर्गः कैथल के रणदीप ने अम्बाला के युधवीर को, हिसार के लक्ष्य ने पानीपत के प्रतीक को और पंचकुला के हेरान ने कुरुक्षेत्र के ध्रुव को हराया। पलवल के देवेश ने रेवाड़ी के दक्ष को, भिवानी के प्रणव ने साई हिसार के चिराग को, सिरसा के राज ने फरीदाबाद के मोहित को, गुरुग्राम के मेघ ने महेंद्रगढ़ के दीक्षित को, झज्जर के रोनक ने रोहतक के अंश को और सोनीपत के आयुष ने यमुनानगर के वंश को धूल चटाई।

▶▶46-48 किलोग्राम भार वर्गः साई हिसार के दीपांशु ने चरखी दादरी के मनजीत को, भिवानी के खुशाल कुमार ने रोहतक ए के कार्तिक को और पानीपत के साहिल ने पंचकुला के तरनदीप सिंह को मात दी। सोनीपत के यश ने फरीदाबाद के अनंत डागर को, गुरुग्राम के दीपांशु ने झज्जर के गौरव को, महेंद्रगढ़ के रुबल ने मेवात के जतिन को, सिरसा के गुरप्रीत सिंह ने फतेहाबाद के सचिन को, कैथल के अजय ने करनाल के समीर को और पलवल के निशांत ने अम्बाला के मोहित को हराया।

▶▶48-50 किलोग्राम भार वर्गः सोनीपत के अदितय ने चरखी दादरी के सोनक सांगवान को, कुरुक्षेत्र के लाखविंदर ने हिसार के नैतिक को, मेवात के अंशु ने कैथल के वंश तंवर को, फरीदाबाद के ऋषि ने गुरुग्राम के अमित को, रोहतक के अनीक हुड्डा ने महेंद्रगढ़ के रुदर प्रताप को और फतेहाबाद के गुरप्रीत ने पंचकुला के सूर्या को पराजित कर जीत हासिल की।

ईरान के द्वीपों पर अमेरिकी सैनिकों के कब्जे की बढ़ी आशंका

ईरान अमेरिका से चल रहा दो कदम आगे

एआई इमेज

ईरान की अमेरिका को दो टूक, कहा- जमीनी हमला किया तो फारस की खाड़ी में बिछा देंगे बारूदी सुरंगें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को ऊर्जा आपूर्ति के लिए फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है, जो फारस की खाड़ी का संकरा प्रवेश द्वार है। इस मिशन को समर्थन देने के लिए अमेरिकी मरीन नौसैनिक ईरान के द्वीपों या उसके तटीय क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए उतर सकते हैं। ईरान की रक्षा परिषद ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर जमीनी आक्रमण हुआ, तो वह पूरे फारस की खाड़ी में समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछा सकता है। रक्षा परिषद का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तेहरान में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि अमेरिकी मरीन नौसैनिक क्षेत्र में तैनात किए जा सकते हैं। रक्षा परिषद ने कहा, दुश्मन द्वारा ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने का कोई भी प्रयास स्वाभाविक रूप से और स्थापित सैन्य प्रथाओं के अनुसार फारस की खाड़ी और तटीय इलाकों में पहुंच के सभी मार्गों को बारूदी सुरंगों से भर देने का कारण बनेगा। ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उसके बिजली संयंत्रों पर बमबारी करने की अपनी धमकी पर अमल करते हैं, तो वह पूरे मध्य पूर्व में बिजली संयंत्रों पर हमला करेगा। तेहरान की इस धमकी से खाड़ी अरब देशों में बिजली और पानी दोनों की आपूर्ति खतरे में पड़ गई है, खासकर तब जब इन रेगिस्तानी देशों में बिजली संयंत्रों के साथ-साथ खारे पानी को मीठा करने वाले संयंत्र भी हैं, जो पीने के पानी की आपूर्ति के लिए बेहद जरूरी हैं। इस धमकी के बाद ईरान की अर्ध-सरकारी एजेंसी ने ऐसे संयंत्रों की एक सूची प्रकाशित की, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात का परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। पिछले दिन ईरान ने इजराइल के डिमोना को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं, जो उसके लंबे समय से संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए सबसे अहम केंद्र के पास स्थित है। हालांकि, हमले में इजराइली संयंत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बता दें कि कि ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण नहीं छोड़ता है।

दो जहाजों ने होर्मुज किया पार, भारतीय टैंकरों का आना शुरू

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए राहत की खबर सामने आ रही है। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज को सुरक्षित पार कर लिया है। सोमवार दोपहर ये दोनों जहाज ईरान के लारक और केश्म द्वीपों के बीच देखे गए, जहां वे संभवतः ईरानी अधिकारियों को अपनी पहचान स्पष्ट कर रहे थे। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय जहाजों में शामिल थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण लगभग बंद हो चुके होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए थे। यह जलमार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी देशों से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है।

जहाज 92,712 टन एलपीजी लेकर आए

इससे पहले भी भारत के कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। एलपीजी टैंकर एमटी शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा, जबकि एमटी नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंची। दोनों जहाज करीब 92,712 टन एलपीजी लेकर आए थे, जो देश की लगभग एक दिन की घरेलू गैस खपत के बराबर है। इसी क्रम में जग लाडकी नामक भारतीय तेल टैंकर, जो यूएई से 80,886 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा था, 18 मार्च को मुंद्रा पहुंच गया। वहीं जग प्रकाश नामक टैंकर ओमान से पेट्रोल लेकर अफ्रीका के लिए सुरक्षित रूप से हॉर्मुज पार कर चुका है और तंजानिया की ओर बढ़ रहा है।

24 में से 22 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे

युद्ध की शुरुआत में कुल 28 भारतीय जहाज इस क्षेत्र में मौजूद थे, जिनमें 24 जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से और चार पूर्वी हिस्से में थे। बीते दिनों दोनों ओर से दो-दो जहाज सुरक्षित निकल चुके हैं, लेकिन अभी भी 24 में से 22 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं, जिन पर 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो जहाज पूर्वी हिस्से में हैं। फंसे हुए जहाजों में विविध प्रकार के पोत शामिल हैं छह एलपीजी टैंकर (जिनमें से दो अब रवाना हो चुके हैं), एक एलएनजी टैंकर, चार कच्चा तेल टैंकर, एक केमिकल टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर, एक ड्रेजर, एक खाली जहाज और तीन जहाज ड्राई डॉक में मरम्मत के लिए हैं। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। करीब 500 टैंकर अभी भी पर्शियन (अरब) गल्फ में फंसे हुए हैं, जिनमें 108 कच्चे तेल के टैंकर, 166 ऑयल प्रोडक्ट टैंकर, 104 केमिकल/प्रोडक्ट टैंकर, 52 केमिकल टैंकर और 53 अन्य प्रकार के टैंकर शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान कुछ जहाजों को सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही हॉर्मुज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। इसके तहत जहाजों की मालिकी, कार्गो और गंतव्य की जांच की जा रही है। कुछ जहाज लारक-केश्म चैनल के रास्ते हल्का मार्ग बदलकर भी निकल रहे हैं, जो इस सत्यापन प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण है होर्मुज

भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद अहम है। देश अपनी जरूरत का करीब 88 फीसदी कच्चा तेल, 50 फीसदी प्राकृतिक गैस और 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। युद्ध से पहले भारत के आधे से ज्यादा कच्चे तेल का आयात सऊदी अरब, इराक और यूएई जैसे खाड़ी देशों से होता था, जो इसी मार्ग पर निर्भर हैं।हालांकि कच्चे तेल की आपूर्ति को रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से कुछ हद तक संतुलित किया गया है, लेकिन गैस और एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका असर औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर साफ दिख रहा है।

यूरोप में हलचल तेज, बैठक में ही लगने लगे आरोप

रूस के नाम पर नाटो में कलह, हंगरी पर जासूसी का आरोप

एआई इमेज

यूरोपियन यूनियन के देशों में रूस के चलते मतभेद पैदा हो गए हैं। यूरोपियन यूनियन को आशंका है कि हंगरी की ओर से संवेदनशील जानकारियां रूस को लीक की जा रही हैं। इसके चलते हंगरी से यूरोपीय संघ के दूसरे देश दूरी बरत रहे हैं। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब पोलैंड के प्राइम मिनिस्टर डोनाल्ड टस्क ने आशंका जताई कि हंगरी की विक्टर ओरबान की सरकार की ओर से जरूरी जानकारियां रूस के साथ शेयर की जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय संघ ने ऐसी आशंकाओं को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन संघ के दूसरे देश चुपचाप ही दूरी बरतने में जुटे हैं। हंगरी की सरकार का कहना है कि यह पूरा मामला उनके देश में होने वाले चुनाव से जुड़ा है। हंगरी में 12 अप्रैल को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पोलैंड के प्राइम मिनिस्टर डोनाल्ड टस्क ने कहा, यह खबर आना कि ओरबान के लोग मॉस्को के साथ जानकारी शेयर कर रहे हैं। इसमें कुछ भी आश्चर्य नहीं है। ऐसा संभव है कि यूरोपियन यूनियन की बैठकों के बारे में जानकारी मॉस्को को दी जा रही हो।' डोनाल्ड टस्क के इस दावे पर हंगरी इसलिए सवाल उठा रहा है क्योंकि उसका कहना है कि पोलैंड के पीएम उनके यहां के विपक्षी नेताओं का समर्थन करते हैं। यही नहीं डोनाल्ड टस्क ने जवाब देते हुए यहां तक कहा कि हमें तो उनकी ही मंशा पर संदेह है। दरअसल इस मामले ने जोर तब पकड़ा, जब शनिवार को वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ओरबान की सरकार के मॉस्को के साथ करीबी संबंध हैं। यही नहीं दावा किया गया कि हंगरी के विदेश मंत्री पीटर जिजारतो अकसर यूरोपियन यूनियन की मीटिंग्स में ब्रेक लिया करते थे। इस दौरान समय निकालकर वह रूस के विदेश मंत्री सेरजेई लावरोव से बात करते थे।

55 साल का सबसे बड़ा तेल संकटः आईईए चीफ

दुनिया में चल रहे दो युद्धों ने 55 साल का सबसे बड़ा तेल संकट पैदा कर दिया है। इन युद्धों के चलते एक ऐसा मर्ज आ गया है, जिसका कोई इलाज नहीं है। यह बात अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कही। बिरोल ने कहा कि पश्चिम एशिया का यह संकट 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी अधिक गंभीर असर डाल रहा है।

नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर असर

बिरोल ने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहाकि वह यूरोप और एशिया की सरकारों के साथ तेल भंडार को मुहैया करने की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि हम बाजार की स्थिति पर नजर रखेंगे। अगर आवश्यकता पड़ी, तो हम निश्चित रूप से कदम उठाएंगे, लेकिन पहले हम हालात का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।

ईरान युद्ध के बीच मोसाद चीफ से नाराज हैं नेतन्याहू, रिपोर्ट पर बिगड़ी बात

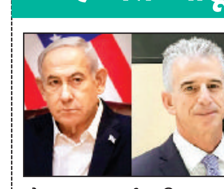

पश्चिम एशिया की जंग लगातार उलझती जा रही है। कुछ दिनों में ईरान की सत्ता परिवर्तन का सपना देखकर युद्ध में कूदे इजराइल और अमेरिका अब मदद के लिए दूसरे देशों की तरफ देख रहे हैं। इसी बीच दावा किया जा रहा है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख से नाराज चल रहे हैं। दरअसल, युद्ध शुरू करने से पहले मोसाद चीफ ने नेतन्याहू को एक रिपोर्ट दी थी कि अगर ईरान की सत्ता को कमजोर कर दिया जाता है, तो वहां दंगा भड़काकर इस्लामिक सत्ता को पलटा जा सकता है। लेकिन अब तीन हफ्ते बाद भी ऐसा संभव नहीं हो पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक मोसाद की तरफ से रखी गई इस रिपोर्ट के आधार पर ही नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर ईरान पर हमला करने की योजना तैयार की थी। दोनों राष्ट्राध्यक्षों को यह रिपोर्ट इसलिए भी सही लगी थी क्योंकि उस समय तक ईरान में खामेनेई के खिलाफ बड़े आंदोलन हो चुके थे। इजराइली अखबार के मुताबिक, मोसाद की तरफ से इस रिपोर्ट को लेकर खुद मोसाद चीफ डेविड बार्निया नेतन्याहू के पास पहुंचे थे, इसमें दावा किया गया था कि ईरान के शीर्ष नेताओं को खत्म करने के बाद एजेंसी दंगों और विरोध प्रदर्शनों को भड़काकर बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा कर सकती है। यह योजना व्हाइट हाउस को भी बताई गई थी। पिछले सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक सीआईए ने भी इस रिपोर्ट पर अपनी सहमति दी थी। इसके बाद भी 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। रिपोर्ट के आधार पर ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले ही भाषण में ईरान की जनता को संबोधित करते हुए कानून को अपने हाथ में लेकर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया, नेतन्याहू ने भी ईरान की जनता को इस्लामिक सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए कहा। हालांकि, बड़े हमलों के बाद भी ईरान में कोई आंदोलन नहीं हुआ। अब अमेरिकी और इजराइली अधिकारी भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं, कि सत्ता परिवर्तन करना इतना आसान नहीं है। दोनों देश ईरान के कमजोर होने की संभावना पर चल रहे थे, लेकिन वह और मजबूत होकर सामने आया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान के भीतर अलग-अलग धार्मिक गुटों में टकराव हो सकता है, लेकिन उससे लोकतांत्रिक सरकार बनने की संभावना बहुत कम है। साथ ही, कुर्द मिलिशिया के सहयोग से सरकार गिराने की उम्मीद भी पूरी नहीं हुई। अब, जबकि तीन हफ्ते बाद भी ऐसा कोई बड़ा आंदोलन खड़ा नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का आया भूकंप

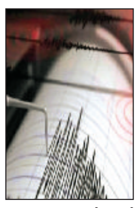

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर 1:14 बजे झटके लगे। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों के निवासियों ने भी भूकंप का झटका महसूस किया।

2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित

होनोलूलू। हवाई द्वीप पर भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ के कारण रविवार अपराह्न तक 2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित रहे। यह बाढ़ 20 से अधिक वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ बताई जा रही है। शीतकालीन तूफान की बारिश से पहले ही गीली मिट्टी पर वर्षा हुई जिससे उफनता पानी घरों और कई कारों को बहा ले गया।

भारत में ऊर्जा संकट, आर्थिक संकट की आहट : कांग्रेस

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने पश्चिम एशिया संकट का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कायराना विदेश नीति और अमेरिका-इजराइल के सामने नतमस्तक होने के कारण भारत ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, जिससे आर्थिक संकट का भी खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल से लौटने के 48 घंटे के भीतर इजराइल-अमेरिका ने भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का हिमायती रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस युद्ध को गैर-कानूनी कहने की हिम्मत नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामेनई की मृत्यु पर भी शोक व्यक्त नहीं किया।

पीएम पर किया कटाक्षः 'साहिब, बीबी और गुलाम' के पोस्टर के साथ गुरुदत्त की फ़िल्म के किरदारों का उल्लेख करते हुए खेड़ा ने कहा कि मोदी ने साहिब (डोनाल्ड ट्रंप) और बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) के सामने गुलाम की तरह घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एपस्टीन से जुड़ी फाइल्स का जिक्र करते हुए पूछा कि अमेरिका के पास मोदी की ऐसी कौन सी खुफिया जानकारी है कि वे देशहित में सोचना भी बंद कर चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री के संबोधन पर तंज कसते हुए कहा

कि 23 दिन बाद साहिब और बीबी ने गुलाम को बोलने की अनुमति दी है।

हॉर्मुज भारत के लिए बन्द ?: स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जहां से 85 प्रतिशत गैस की आपूर्ति होती थी, वो रास्ता भारत के लिए बंद हो गया है, जबकि यह रूस और चीन के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि भारत के 37 जहाज, 1109 नाविक, 60 हजार मीट्रिक टन चावल और 10,000 करोड़ रु का सामान समुद्र में फंसा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान इस मार्ग से व्यापार के लिए भारत समेत आठ देशों से बातचीत कर रहा है, जो चीन की करेंसी युआन में भुगतान करेंगे। खेड़ा ने कहा कि भारत पहले ईरान से भारतीय करेंसी रुपये में तेल खरीदता था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहता था। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ने थोड़ी हिम्मत दिखाई होती और सही रुख अपनाया होता, तो होर्मुज स्ट्रेट भारत के लिए भी खुला रहता।

क्या हम श्रीलंका से भी कमजोर हो गए ? : खेड़ा ने कहा कि छोटा सा देश श्रीलंका अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल नहीं करने दे रहा, जबकि भारत जैसे बड़े देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद मोदी कुछ बोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पा रहे हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि कैसे भारत ने दो परमाणु निरीक्षण के समय और पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश युद्ध के दौरान तीन बार दृढ़ रुख अपनाया था और अमेरिका की आंखों में आंखें डालकर देखा था। उन्होंने कहा कि आज अगर ईरान भारत को कोई छूट दे रहा है, तो यह साफ तौर पर सरकार की वजह से नहीं, बल्कि ईरान के साथ खड़े भारतीय लोगों की वजह से है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पहले भी जीएसटी और कोरोना पर चेताया था, तब उनका मजाक उड़ाया गया। अब उन्होंने ऊर्जा एवं आर्थिक संकट को लेकर फिर से आगाह किया है।

48 लाख करोड़ डूबे, उद्योग तबाह

खेड़ा ने गंभीर आंकड़े पेश करते हुए बताया कि आज हर भारतीय नागरिक, किसान और व्यापारी संकट में है। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 50 प्रतिशत घरों में एलपीजी सिलेंडर की कमी है और बाजार में यह 5,000 रु तक में ब्लैक में बिक रहा है। छोटे-बड़े उद्योग और होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडसट्रियल डीजल की कीमत 22 रु और प्रीमियम पेट्रोल की कीमत दो रु बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद कीमतों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस से प्राइस कैप हटने के बाद हवाई सफर भी महंगा होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में 10 किलो गैस आपूर्ति करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने बताया कि युद्ध के कारण कर्नाटक के लगभग 3,000 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तबाह हो रहे हैं और 15,000 अन्य इकाइयों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले 23 दिनों में शेयर मार्केट में निवेशकों के 48 लाख करोड़ रुपये डूब चुके हैं।

लोकसभा में प्रधानमंत्री के भाषण पर जयराम रमेश का तीखा हमला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में सोमवार को दिए गए भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री का भाषण "आत्मप्रशंसा, कायरता और पक्षपातपूर्ण संवादबाज़ी" का उदाहरण था।

रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ईरान पर जारी अमेरिका-इज़राइल के हवाई हमलों की निंदा तक नहीं की। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाड़ी देशों और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का हमला निश्चित रूप से अस्वीकार्य है, लेकिन किसी देश में सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से लगातार बमबारी भी उतनी ही गलत है।

आर्थिक मुद्दों पर भी कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर लगातार दावे कर रहे हैं, जबकि हाल ही में उनके ही पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने इस अवधि में विकास दर के "अधिक आकलन" की चेतावनी दी है। रमेश के अनुसार, प्रधानमंत्री इस "गंभीर और विश्वसनीय रिपोर्ट" पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए रमेश ने केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया को "अत्यंत विफल" बताया। उन्होंने कहा कि देश आज भी उन भयावह दृश्यों को नहीं भूल सकता, जब लाखों प्रवासी मजदूर पैदल अपने घरों को लौटने को मजबूर हुए, ऑक्सीजन की कमी से हजारों लोगों की मौत हुई और करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए। जयराम ने उम्मीद जताई कि भविष्य में किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए सरकार पहले से बेहतर तैयारी करेगी।

मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय घायल

दुबई। अबूधाबी के अल शवामेख इलाके में हवा में मार गिराई गई मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने आती हुई मिसाइल पर हमला किया, जिसके बाद आपात टीमों ने कदम उठाया। इसके बाद मिसाइल का मलबा रिहाइशी इलाके पर गिर गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109